हरिभूमि
रायपुर भूमि

प्रियदर्शनी नगर से रायपुरा चौक सर्विस रोड के दोनों छोर पर गाड़ियां हो रही पार्क

छह किमी में 100 गैरेज, कार वाशिंग सेंटर, सर्विस रोड जाम, नहीं निकला समस्या का समाधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

प्रियदर्शनी नगर, पचपेड़ी नाका सर्विस रोड के रास्ते रायपुरा जाना किसी पहाड़ चढ़ने से कम नहीं है। इसकी वजह सर्विस रोड के दोनों छोर पर सौ के करीब कार वॉश तथा ऑटो रिपेयरिंग शॉप हैं। ऑटो रिपेयरिंग शॉप तथा कार वॉशिंग सेंटर के संचालक जगह की कमी होने की वजह से कार तथा अन्य गाड़ियों को रोड किनारे पार्क कर देते हैं, इस वजह ⏭ शेष पेज 13 पर

हर किलोमीटर की दूरी के बीच 17 वर्कशॉप

प्रियदर्शनी नगर से रायपुरा मार्ग की दूरी छह किलोमीटर है। इस लिहाज से हर किलोमीटर दूरी पर औसतन 16 से 17 ऑटो रिपेयर शॉप होने के साथ कार वॉशिंग सेंटर है। एक कार वॉशिंग सेंटर के साथ रिपेयरिंग शॉप पर औसतन तीन गाड़ियां खड़ी होने पर पूरे समय 300 छोटी-बड़ी गाड़ियां सर्विस रोड में खड़ी रहती है। रिपेयरिंग शॉप के पास तो कई गाड़ियां ऐसी हैं, जो महीनों से धूल खाती पड़ी एक ही जगह यथावत खड़ी हैं। वॉशिंग सेंटर में धुलने के लिए आई गाड़ियों को आगे-पीछे किया जा सकता है, लेकिन रिपेयरिंग शॉप में आई गाड़ियों को हटाना संभव नहीं है, जो जाम की बड़ी वजह बनती हैं।

जारी है कार्रवाई

सर्विस रोड पर गाड़ियां खड़ी करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। अब तक पचपेड़ी नाका से रायपुरा के बीच सर्विस रोड पर वाहन पार्क करने वाले पांच हजार से ज्यादा वाहन मालिकों को ई-चालान काटकर भेजा गया है। कार्रवाई निरंतर जारी है।

- सतीश ठाकुर
ट्रैफिक डीएसपी, रायपुर

अगले वर्ष के अंत तक भारी वाहनों से मिलेगी मुक्ति

भारतमाला परियोजना के तहत बनाए जा रहे एक्सप्रेस-वे के अगले वर्ष सितंबर-अक्टूबर तक शुरू होने की उम्मीद है। भारतमाला की सड़क शुरू होने के बाद भारी वाहनों का प्रवेश शहर के अंदर पूरी तरह से प्रतिबंधित हो जाएगा। भारी वाहन आरंग से होकर निकलेंगे। धमतरी से रायपुर आने वाले भारी वाहनों को अभनपुर से आरंग की ओर मोड़ दिया जाएगा। इसके बाद उक्त भारी वाहन रिंगरोड- 3 विधानसभा मार्ग होते हुए निकलेंगे।

सड़क चौड़ीकरण होने के बाद मिलेगी राहत

तेलीबांधा से टाटीबंध तक सर्विस रोड चौड़ीकरण की अनुमति मिल गई है। रोड की चौड़ाई साढ़े सात मीटर से बढ़ाकर 10 मीटर की जानी है। रोड चौड़ीकरण का काम जल्द शुरू किया जाएगा। रोड चौड़ीकरण होने में कम से कम पांच से छह महीने का समय लगेगा। सर्विस रोड की चौड़ाई बढ़ने के बाद लोगों को जाम से मुक्ति मिल सकेगी।

पूरी तरह स्थिति सुधरने में लगेंगे ढाई साल

तेलीबांधा, पचपेड़ी नाका से लेकर रायपुरा तक लोगों को जाम से मुक्ति मिलने में ढाई साल इंतजार करना पड़ेगा। अग्रसेन धाम से महावीर नगर चौक, सरोना में फ्लाईओवर बनाने की प्रक्रिया तकरीबन पूरी हो गई है। एक से दो महीने के भीतर डीपीआर तैयार कर टेंडर जारी किया जाएगा। इसके बाद फ्लाईओवर का काम शुरू किया जाएगा। इस तरह ढाई वर्ष के भीतर फ्लाईओवर का निर्माण पूरा होगा।

खबर संक्षेप

जुआ खेलते धरे गए 8 जुआरी, 44 हजार जब्त

रायपुर। गंज थाने की पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आठ जुआरियों को जुआ खेलते गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 44 हजार रुपए से ज्यादा रकम जब्त की गई है। पुलिस ने जुआ खेलने के आरोप में मनोहर मंधानी, संचित सिंग, तरुण नानवानी, ललति कुमार अग्रवाल, बृजेश शर्मा, रामखिलावन शर्मा, अब्दुल मोईन खान तथा रेखराज वर्मा को गिरफ्तार किया है।

टी-स्टाल में धावा, आठ हजार का सामान चोरी

रायपुर। एक टी-स्टाल का संचालन करने वाली महिला ने डीडीनगर थाने में अज्ञात चोर के खिलाफ सिगरेट, पान मसाला तथा नकदी सहित आठ हजार रुपए का सामान चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। भारती बाई रिंगरी ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। भारती ने पुलिस को बताया कि उसका विसर्जन कुंड के पास टी-स्टाल है। अज्ञात चोर टी-स्टाल के शटर का ताला तोड़कर नकदी सहित अन्य सामान चोरी कर ले गया।

झूठे केस में फंसाने के विवाद पर मारपीट

रायपुर। धरसींवा थाना में एक व्यक्ति ने एक अन्य के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। ओमप्रकाश ने कपिल के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। ओमप्रकाश ने पुलिस को बताया कि वह नगरगांव में महामाया चौक के पास बैठा था। इस दौरान कपिल, ओमप्रकाश के पास पहुंचा और उस पर झूठे केस में फंसाने का आरोप लगाते हुए मारपीट की।

नशे में टुन्न शराबियों ने महिला से की मारपीट

रायपुर। टिकरापारा थाने में एक महिला ने दो शराबियों के खिलाफ नशे में टुन्न होकर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मठपुरैना निवासी शकुन साहू ने सूर्या कंडरा तथा प्रकाश कंडरा के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया है कि वह मंदिर के पास थी, इस दौरान सूर्या तथा प्रकाश शराब के नशे में धुत होकर उसके पास पहुंचे। दोनों नशे की हालत में महिला के साथ गाली-गलौज करने लगे। महिला ने विरोध किया तो दोनों ने उसके साथ मारपीट की।

सवारी बैठाने के विवाद पर युवक से मारपीट

रायपुर। टिकरापारा थाने में एक युवक ने दो अन्य युवकों तथा उसके साथियों के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। अब्दुल फैजान रजा ने आदिल, समीर तथा अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। अब्दुल ने पुलिस को बताया कि वह रायपुर ट्रैवल्स में काम करता है। रविवार को शाम साढ़े चार बजे के करीब आदिल, अब्दुल के पास पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। मना करने पर आदिल ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर अब्दुल के साथ मारपीट की।

पीएससी में इंटरव्यू.....20 नवंबर को अंतिम साक्षात्कार, इसी दिन घोषित हो सकते हैं परिणाम

कैंडिडेट ने सुनाया सैयारा का गाना, पैनल ने पूछा- 2016 से तैयारी कर रहे, अब तक सलेक्ट क्यों नहीं?

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य लोक सेवा आयोग में साक्षात्कार का दौर जारी है। 10 नवंबर से प्रारंभ हुआ साक्षात्कार 20 नवंबर को समाप्त होगा। इसी दिन ही अंतिम परिणाम भी जारी होने की उम्मीद है। घोषित किए गए परिणामों के आधार पर सीजी पीएससी-2024 के 246 पदों को भरा जाएगा। साक्षात्कार के दौरान उम्मीदवारों से रोचक सवाल पूछे जा रहे हैं। नए नियम के अनुसार, अभ्यर्थियों से उनकी व्यक्तिगत जानकारी संबंधित सवाल पूछने की मनाही है। ऐसे में उनकी हॉबी या पढ़ाई का क्षेत्र जानकार ⏭ शेष पेज 13 पर

हॉबी- क्रिकेट, पूछा इस पर कौन सी फिल्म बनी है?

एक अन्य कैंडिडेट ने अपने बायो में लिखा था कि उसे क्रिकेट में दिलचस्पी है। इसके बाद इससे जुड़े सवाल कैंडिडेट से पूछे गए। जैसे- 1983 वर्ल्ड कप के फाइनल में मैन ऑफ द मैच कौन था? उस समय टीम के कोच और मैनेजर कौन थे? अभी महिला टीम ने वर्ल्ड कप कितने रनों से जीता? महिला टीम के वर्तमान कोच का नाम क्या है? 1983 वर्ल्ड कप पर बनी फिल्म का नाम क्या है?

बायो में लिखा था- संगीत में रुचि, शुरू हुए इससे जुड़े सवाल

एक कैंडिडेट ने अपने बायो में लिखा था कि उसे संगीत में रुचि है। इसके बाद पैनल ले संगीत से जुड़े सवाल शुरू कर दिए। इसमें शामिल सवाल रहे-आपकी अभिरुचि गाने सुनना है किस तरह के गाने सुनते है? हाल ही में अभी एक बहुत ही गाना फेमस हुआ, इसके बारे में बताए। इस पर कैंडिडेट ने सैयारा फिल्म का गाना सुना दिया। पैनल ने पूछा-अभी के किसी मेलोडी गाने के बारे में बताइए। 90 के दशक के संगीतकार के नाम बताओ।

क्षेत्र और हॉबी आधारित सवाल

एक कैंडिडेट ने कंप्यूटर साइंस से ग्रेज्यूएशन किया था। कैंडिडेट 2016 से पीएससी की तैयारी कर रहा था। इस पर पैनल ने पूछा कि 2016 से तैयारी कर रहे हैं, इतना टाइम क्यों लग रहा है? इस पर कैंडिडेट ने बताया कि तीन बार मेंस और एक बार इंटरव्यू राउंड तक पहले ही पहुंच चुके हैं। शुरुआती सवालों के बाद क्षेत्र आधारित प्रश्न शुरू हो गए। जैसे- अभी विश्व में भारत के कौन-कौन से लोग आईटी संबंधित गूगल, माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी कंपनी में हैं? छग में आईटी पार्ट कहां बनाया जा रहा है? मेटा क्या है? छग के किसी पांच ऐप के नाम बताइए? सुगम ऐप क्या है? ट्विटर अब एक्स हो गया है, ये किसकी कंपनी है और इसे किसने खरीदा? एलन मस्क के व्यक्तित्व में क्या खास बात है? हाल ही में उनका एक रिपोर्ट में डेटा आया है, जिसमें उनकी सैलरी बताई है। यह एक राज्य के जीडीपी से भी ज्यादा है, उसके अनुसार उनकी सैलरी कितनी है?

साक्षात्कार में पूछे गए प्रमुख सवाल

- हाल ही में प्रधानमंत्री का छत्तीसगढ़ प्रवास था, वे क्यों आए थे?
- प्रधानमंत्री किस-किस कार्यक्रम में शामिल हुए? क्रमानुसार बताइए, एक से पांच कार्यक्रम का क्रम।
- प्रधानमंत्री के साथ और कौन-कौन आया था?
- समापन समारोह में कौन आए थे और कहां-कहां गए थे?
- उपराष्ट्रपति का भी हाल ही में छत्तीसगढ़ आगमन हुआ, उनका कार्यक्रम क्रमानुसार बताइए।
- बिहार चुनाव में एनडीए में कौन-कौन शामिल है? वे कितने-कितने सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं?
- इंडिया गठबंधन में कौन-कौन शामिल है और वे सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं?
- सुनीता विलियम्स कौन से विमान से कब वापस आई हैं?
- कल्पना चावला कौन हैं?
- शुभांशु शुक्ला कौन है, क्यों चर्चा में थे, कौन से विमान से गए थे, कब वापस आए, कितने समय वापस आए।
- एकता दिवस क्यों और किनकी जयंती पर मनाते हैं?
- छत्तीसगढ़ के महाधिवक्ता, पहले से लेकर अब तक 5 नाम बताइए।
- क्रिकेट में सबसे सफल ओपनिंग जोड़ी कौन सी है?
- सिरपुर क्यों प्रसिद्ध है? उन राजवंशों का नाम बताइए, जिन्होंने वहां शासन किया।
- शराबबंदी के 2 लाभ और 2 हानि बताइए। पूर्ण शराबबंदी के लिए आपके पास इसके कोई ऑल्टरनेटिव प्लान है?
- आपको लगता है आपकी सफलता में कोचिंग का योगदान रहा है?
- उड़ान नंबर क्या है?
- खसरा में सबसे लेफ्ट साइड ऊपर क्या लिखा होता है।
- असर्वेक्षित ग्राम क्या है? ये ग्राम किसके नियंत्रण में होते हैं?
- मसाहति भूमि क्या है?
- कुशल प्रशासक की कोई 5 विशेषता बताइए।
- किसी क्षेत्र में उद्योग लगाना है तो क्या-क्या चीज होनी चाहिए?
- क्वीन इरा क्या है? ऐसा क्यों कहते हैं कि ये खत्म हो गया है?
- बीजापुर के पर्यटन स्थल, खनिज, कृषि, नदी, नेशनल हाईवे, जनजाति और ऊंची चोटी की जानकारी दीजिए।
- बस्तर क्षेत्र के पर्यटन स्थल कौन से हैं?
- कुटुमसर गुफा पर 2 मिनट बोलिए।
- स्टेलेक्टाइट स्टेलेकमाइट क्या है।
- कहां 6 महीने दिन और 6 महीने रात होते हैं? वहां का अक्षांश क्या है?
- अपने बारे में 3 खासियत बता दो।
- बैंकिंग सर्विस से जुड़ी सेवाओं के बारे में बताओ।
- पेमेंट के विभिन्न तरीके सहित IMPS, RTGS, NEFT ,CIF, IFSC CODE का फुल फॉर्म बताइए।
- पड़ोसी देशों के साथ हमारे संबंध कैसे हैं?
- ब्रिक्स के बारे में बताओ। इसका फुल फॉर्म क्या है?
- कालिदास का छत्तीसगढ़ आगमन कैसे हुआ?
- छत्तीसगढ़ के कोई 5 जनजाति नेता के नाम बताओ।
- बस्तर क्षेत्र में कौन सा विद्रोह हुआ था? कोई 5 विद्रोह के नाम बताइए।
- गुण्डाधुर के बारे में बताएं।
- छत्तीसगढ़ में जनजातियों की प्रमुख समस्याएं क्या हैं?
- क्या शराबबंदी कर देनी चाहिए, जबकि यह बड़ा राजस्व स्रोत है?
- छत्तीसगढ़ में कौन-कौन से खनिज पाए जाते हैं?
- राष्ट्रपति के चुनाव में कौन-कौन भाग लेते हैं?
- मंत्रिमंडल के गठन की प्रक्रिया क्या है?
- क्लॉउड कंप्यूटिंग क्या है?
- महिलाओं से संबंधित योजनाओं के नाम बताओ। महतारी वंदन योजना क्या है?
- लखपति और महतारी वंदन योजना में क्या फर्क है? लखपति दीदी सम्मेलन कहां हुआ था?
- छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव कौन हैं? वे कहां से आए हैं और कहा पदस्थ थे? इससे पहले मुख्य सचिव कौन थे?
- शराब की पुरानी ठेका पद्धति फिर से चर्चा में है। इसके बारे में बताओ।
- ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी क्या है?

रेलवे स्टेशन पर सीआईएफ-एनएसजी कमांडो की सुरक्षा जांच, अपराधियों को पकड़ने सिखाए स्मार्ट तरीके

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- बैग स्कैनिंग की बारीकियां भी समझाई

रेलवे स्टेशन में यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सीआईएफ और एनएसजी कमांडोज के साथ आरपीएफ और जीआरपी ने संयुक्त जांच अभियान चलाया। इस दौरान विशेष टीमों ने जांच के विभिन्न बिंदुओं की जानकारी दी, ताकि संदिग्ध गतिविधियों और अपराधियों की पहचान आसानी से की जा सके। पोस्ट प्रभारी कर्मपाल सिंह गुर्जर ने बताया कि जांच अभियान के तहत स्टेशन परिसर से लेकर पार्सल ऑफिस तक सघन निरीक्षण किया गया। हालांकि इस दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि सामने नहीं आई। सीआईएफ टीम ने बैग जांच मशीन पर हथियारों की पहचान का डेमो ⏭ शेष पेज 13 पर

एनएसजी कमांडोज ने बताए सुरक्षा जांच के रणनीतिक तरीके

रेलवे स्टेशन पर जांच अभियान के दौरान एनएसजी कमांडोज ने आरपीएफ और जीआरपी कर्मियों को संदिग्धों की पहचान के लिए विभिन्न जांच तकनीकों की जानकारी दी। कमांडोज ने बताया कि स्टेशन जैसे संवेदनशील स्थानों पर जांच का तरीका एक जैसा नहीं होना चाहिए, बल्कि परिस्थितियों और लोकेशन के अनुसार उसमें बदलाव किया जाना चाहिए। एनएसजी ⏭ शेष पेज 13 पर

कमिश्नर हेल्थ सर्विस पहुंची दंतेवाड़ा, जिला अस्पताल के संसाधनों की समीक्षा

रायपुर। दंतेवाड़ा में आने वाले मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज मुहैया कराने के लिए आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला ने जिला अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों की समीक्षा की। यहां अस्थि शल्य विभाग द्वारा विगत दिनों कुछ ऐसे ऑपरेशन किए गए, जो केवल मेडिकल कॉलेज में किए जाते थे। इन ऑपरेशन के संदर्भ में आयुक्त ने टीम की हौसला अफजाई की। एसएनसीयू के बढ़े हुए रेफरल रेट की भी आयुक्त स्वास्थ्य ⏭ शेष पेज 13 पर

थोड़ा बढ़ेगा पारा, पर ज्यादा कम नहीं होगी ठंड

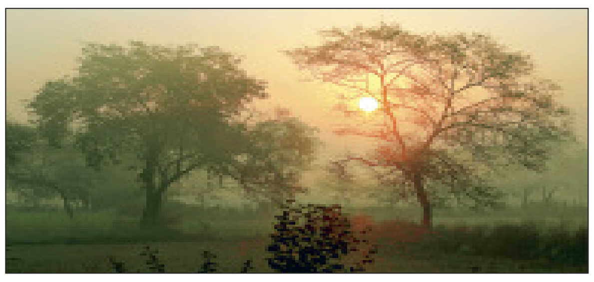

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- अंबिकापुर में शीतलहर का प्रभाव

हवा के साथ राज्य में नमी के प्रवेश करने की वजह से तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी जरूर होगी, मगर इसका प्रभाव ठंड पर ज्यादा नहीं होगा। अंबिकापुर में शीतलहर की स्थिति अभी भी बनी हुई है और रायपुर में भी अच्छी ठंड पड़ रही है। अंबिकापुर का पारा रिकार्डतोड़ स्थिति में पहुंच गया है।

रायपुर समेत पूरा छत्तीसगढ़ अभी कड़ाके की ठंड की चपेट में हैं। अनुमान है कि इससे अगले 3 दिन थोड़ी राहत मिल सकती है। राज्य में नमीयुक्त हवा का प्रवेश हो रहा है, जिससे हल्के बादल आने और रात के तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी होने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम में होने वाले इस बदलाव का बड़ा असर नहीं होगा, क्योंकि प्रदेश का न्यूनतम तापमान अधिकांश शहरों में तीन से 7 डिग्री तक नीचे उतर चुका है। शहर में भी अच्छी ठंड पड़ रही है और अंबिकापुर में तो शीतलहर के हालात बने हुए हैं। उत्तरी सीमा से लगे शहरों में तो सुबह के वक्त कोहरा जम रहा है और पाला जमने जैसी स्थिति बन रही है। पिछले चौबीस घंटे में सबसे कम तापमान अंबिकापुर का 6.2 डिग्री दर्ज किया गया। रायपुर का पारा 13.9 रिकार्ड किया गया। रात में ठंड का माहौल होने की वजह से दिन में भी मौसम अपनी सामान्य स्थिति में रहने की उम्मीद है।

सालाना खर्च तीन करोड़ के करीब, सफाई व्यवस्था भी इसमें शामिल, कमेटी बनाई

आंबेडकर अस्पताल की सुरक्षा और सफाई के लिए होगा नया टेंडर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

वर्तमान जरूरतों और भविष्य में होने वाले विस्तार को ध्यान में रखते हुए आंबेडकर अस्पताल की सुरक्षा और कड़ी करने की योजना बनाई जा रही है। साथ ही सफाई के लिए भी ज्यादा कर्मचारियों की जरूरत होगी।

दोनों कार्यों के लिए नया टेंडर जारी करने से पहले इनकी संख्या और जरूरतों पर मंथन का दौर शुरू हो गया है। बकायदा विभिन्न बिंदुओं पर इसका अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार करने के लिए कमेटी का गठन किया गया है। अस्पताल और कालेज परिसर की सफाई और सुरक्षा के लिए सालाना करीब तीन करोड़ रुपए खर्च होते हैं। वर्तमान में आंबेडकर अस्पताल और शासकीय मेडिकल कॉलेज रायपुर में सुरक्षागार्ड की संख्या 170 है, जिसमें कुछ सशस्त्र हथियारबंद और बाउंसर टाइप के लोग भी शामिल हैं। इसी तरह सफाई कर्मचारियों की संख्या 50 से 60 के बीच है। सीमित संख्या में कर्मचारी और कॉलेज तथा अस्पताल का दायरा काफी बड़ा होने की वजह से दोनों व्यवस्थाओं में चूक होने की बात सामने आती है। इसके अलावा आने वाले दिनों में अस्पताल और कॉलेज परिसर में अतिरिक्त निर्माण किया जा रहा है, जिससे आने वाले दिनों में सुरक्षा और सफाई में लगे कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की जरूरत ⏭ शेष पेज 13 पर

दोनों व्यवस्थाओं को मिलाकर अभी सेवा देने वाले कर्मचारियों की संख्या सवा दो सौ

जरूरत 4 सौ से 5 सौ सुरक्षागार्ड की

सूत्रों के मुताबिक अस्पताल की कड़ी निगरानी और यहां होने वाले अप्रिय घटनाओं को रोकने सुरक्षा कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है। आने वाले दिनों में भविष्य का ध्यान रखते हुए अस्पताल में प्रस्तावित नई बिल्डिंग, कॉलेज में तैयार होने वाले नए हॉस्टल एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए सुरक्षागार्ड की आवश्यकता होगी। इसे ध्यान में रखते हुए दोनों कार्यों के लिए कर्मचारियों की संख्या चार सौ से पांच सौ किए जाने की आवश्यकता है। कमेटी भी कुछ इसी तरह की रिपोर्ट पर विचार कर रही है।

सुरक्षा लचर, होती रहती हैं घटनाएं

वर्तमान में काम करने वाले सुरक्षा कर्मचारियों की संख्या काफी कम है। कुल 170 कर्मचारियों की ड्यूटी तीन शिफ्ट में लगती है, यानी एक शिफ्ट में 56 सुरक्षा गार्ड तैनात रहते हैं। इनकी ड्यूटी पार्किंग से लेकर ओपीडी, अस्पताल के विभिन्न रास्ते, वार्डों, इमरजेंसी में होती है। संख्या पर्याप्त नहीं होने की वजह से अस्पताल के भीतर मरीज और अटेंडरों के सामान गायब होने की घटनाएं भी होती रहती हैं। बाहर समय-समय पर वाहन चोरी की बातें भी सामने आती रहती हैं। पिछले दिनों अस्पताल के इमरजेंसी गेट के समीप डस्टबिन के निकट अज्ञात लोग विकसित हो चुका भ्रूण फेंककर चले गए थे।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

जनजाति गौरव पर कठिया के बच्चों ने रैली निकाली

तिल्दा नेवरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे भारत देश में महान स्वतंत्रता सेनानी और जनजाति नायक बिरसा मुंडा जी के 150 वी जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस 1 नवंबर से 15 नवंबर तक मनाया जा रहा है, इसी परिपेक्ष्य में प्राथमिक शाला कठिया नंबर 1 में बच्चों के द्वारा जनजाति गौरव को प्रदर्शित करते हुए पूरे ग्राम में रैली निकाली गई, साथ ही साथ बच्चों के द्वारा वीर जनजाति नायक बिरसा मुंडा, गुंडाधुर, वीर नारायण सिंह, जैसे महान क्रांतिकारी देशभक्ति स्वतंत्रता संग्राम सेनानीयों का रूप धारण करके अभिनय किया गया।
इस कार्यक्रम की समस्त ग्राम वासियों ने सराहना की इस कार्यक्रम में विशेष रूप से प्रधानाध्यापिका श्रीमती रीता से कृष्ण कुमार सेन, जनक राम वर्मा, दिलीप कुमार वर्मा, अमर दास मीरी, अनिल कुमार पैकरा, एवं योगेश साहू सर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कांग्रेस की एसआईआर पर कार्यशाला कल

तिल्दा नेवरा। छत्तीसगढ़ में शुरू हुए SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिविजन) अभियान को लेकर कांग्रेस ने अपनी रणनीति तेज कर दी है। कल कांग्रेस भवन तिल्दा में दोपहर 3 बजे से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया हैं जिसमे मुख्य रूप से कांग्रेस ने रायपुर लोकसभा SIR के प्रभारी व ट्रैनिंग कमिटी के प्रमुख, कांग्रेस संचार विभाग के पूर्व अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी की अगुवाई मे ट्रेनिंग सेशन होंगा कार्यशाला के लिए प्रदेश कांग्रेस ने प्रदेशस्तरीय मास्टर ट्रेनर की नियुक्ति की हैं
जिसमे SIR बलौदाबाजार विधानसभा के लिए कण्ट्रोल रूम के राहुल तेजवानी को जिम्मेदारी दी गई हैं कल राहुल तेजवानी SIR को लेकर बिएलए, मंडल ,सेक्टर ,बूथ अध्यक्ष को ट्रेनिंग. देंगे कांग्रेस चाहती हैं किसी मतदाता का नाम बिना कारण न कट पाए पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी रख ने के लिए बूथ स्तर पर सतर्कता रखी जाए शैश्लेष नितिन ने SIR की प्रक्रिया को तीन महीने के लिए आगे बढ़ाने की मांग की शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा कि, इस समय राज्य में धान खरीदी चल रही है और किसान व्यस्त हैं। ऐसे में एसआईआर की समय सीमा बढ़ाई जाए।

निधन

ढेलूराम चन्द्राकर

आरंग। ग्राम पंचायत फरफौद निवासी ढेलु राम चन्द्राकर का रविवार को निधन हो गया। वे 83 साल के थे। वे द्रोपती चन्द्राकर के पति, दिनेश, सुरेश, गिरीश व महेश चन्द्राकर के पिता थे। पैतृक गांव में दाह संस्कार किया गया। जहाँ बड़ी संख्या में लोगो ने भाग लेकर मृतात्मा को श्रद्धांजलि दी।

अंतरराष्ट्रीय रेतकला महोत्सव के लिए हेमचंद का हुआ चयन क्षेत्र का गौरव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आरंग

कहा जाता है प्रतिभा अभावों में पलती है। इस कथन को चरितार्थ कर दिखाया है ग्राम तांमासिवनी निवासी हेमचंद साहू ने। बहुत ही गरीब परिवार में जन्मे हेमचंद साहू आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। हेमचंद अपने रेतकला के माध्यम से केवल छत्तीसगढ़ी ही नहीं बल्कि अब विश्व स्तर पर पहचान बनाने जा रहे हैं। लोग हेमचंद की रेत कलाकृति देख उन्हें छत्तीसगढ़ के सुदर्शन पटनायक के नाम से भी पुकारने लगे हैं। उन्होंने बताया विगत दस वर्षो के कठीन परिश्रम और निरंतर प्रयासों से उनका अंतर्राष्ट्रीय रेत कला महोत्सव में उनका चयन हुआ।वह उड़ीसा में आयोजित होने वाले सोलहवें अंतर्राष्ट्रीय रेतकला महोत्सव में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने छत्तीसगढ़ के प्रयाग राजिम त्रिवेणी संगम में कुंभ कल्प मेला में करीब बीस हाइवा रेत से विशेष थीम पर मनमोहक कलाकृति बनाकर अपनी अलग पहचान बनाई। जो पूरे देश में चर्चा का विषय रहा।

राजिम त्रिवेणी संगम में बनाए सेंट आर्ट रहा चर्चित

ओडिशा में दिखाएं अपना हुनर

सोलहवें अंतर्राष्ट्रीय रेतकला महोत्सव में वह उड़िसा के कोणार्क में अपनी रेतकला का जादू दिखाएंगे। हेमचंद अब तक छत्तीसगढ़ के साथ-साथ देश के अनेक राज्यों में अलग-अलग थीम पर सैकड़ों कलाकृति कर चुके हैं। उन्होंने बताया किसी भी कलाकार के लिए यहां तक पहुंचना सपना होता है। वह प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इस सफलता का श्रेय अपने गांव के लोगों,परिवार ,गुरूजनो, मीडिया जगत के लोगों तथा अपने इष्ट मित्रों को श्रेय दिया है।वही सामाजिक संगठन पीपला वेलफेयर फाउंडेशन और रानी पद्मावती महिला संगठन, कलाकार संगठन ने हेमचंद का 16वें अंतर्राष्ट्रीय रेतकला महोत्सव में चयन होने तथा प्रदेश का नाम रोशन करने पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दिए हैं।

महिलाओं ने आक्रोश शराब दुकान के सामने धरना प्रदर्शन किया तब गिराए शटर

कचना शराब दुकान का विरोध, पिरदा की महिलाओं ने किया जमकर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंदिर हसौद

- शराब दुकान आबकारी अधिनियम के खिलाफ फिर नहीं हटाई जा रही

रिंग रोड 3 से कचना मोड़ पर स्थित विदेशी शराब दुकान के विरोध में ग्राम पिरदा सरपंच ने नेतृत्व में ग्रामीण और कॉलोनी वासीयो द्वारा शराब दुकान के विरोध में सैकड़ो महिलाएं पुरुष रिंग रोड 3 से पर स्थित शराब दुकान के सामने धरना प्रदर्शन किया। वही सरपंच रामनाथ कुर्रे और जनपद सदस्य लक्ष्मी नारायण बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि रिंग रोड 3 पर स्थित विदेशी शराब दुकान जो पिरदा और कचना के मध्य में संचालित हैं । वही शराब दुकान राजकीय राज्य मार्ग 3से लगा हुआ है जो आबकारी अधिनियम के उल्लंघन है। जहां शराब दुकान राष्ट्रीय और राजकीय राज्य मार्ग से 600 मीटर की दूरी पर होना चाहिए। लेकिन कचना मोड़ पर स्थित शराब दुकान राजकीय राज्य मार्ग से लगा हुआ है। जहां पर आस पास में कॉलोनी स्थित तथा वही शराब दुकान के कारण आसपास लगने वाले चखना दुकानों के चलते कॉलोनी की महिलाओं की कालोनियों से निकलना मुश्किल हो रहा है। जहां कॉलोनी के आस पास शराबियों का झुंड लगा रहता है।

कचना मोड़ पर स्थित विदेशी शराब दुकान जो राजकीय राज्य मार्ग पर स्थित है। जो मार्ग रायपुर से बलौदा बाजार बिलासपुर मार्ग को जोड़ता है। जहां दुकान के पास चारों तरफ से मोड़ पड़ता है। उसके बाद भी कही भी कोई ट्रैफिक सिग्नल और स्प्रीट ब्रेकर तक नहीं बना हुआ है। जिसके चलते कारण आए दिन घटना दुर्घटना होते रहते है। धरना प्रदर्शन में इनका रहा विशेष योगदान रामनाथ कुर्रे सरपंच पिरदा लक्ष्मी नारायण बघेल जनपद सदस्य गावेश साहू छाया पार्षद कचना बंटी निर्मलकार रवि बंजारे उप सरपंच डिकेश साहू, हरीश साहू, रितेश साहू दिलेश्वरी साहू पुष्पा वर्मा राम किशन अमन प्रदीप देवानंद संतोष ध्रुव और बड़ी संख्या में मातृ शक्ति धरना प्रदर्शन में शामिल हुए जहां शराब दुकान बंद करने की मांग किया। तथा सांकेतिक प्रदर्शन को शासन प्रशासन अगर नजर अंदाज करेगा तो आने वाले समय में उग्र प्रदर्शन करने की बात कही जिसके जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी।

शराबियों की बेजा हरकत से महिलाएं परेशान

जहां शराबियों द्वारा अश्लीलता पूर्वक गाली गलौच करते रहते हैं। जिसके कारण ग्रामीण और कॉलोनी वासी अ सहज महसूस करते हैं। जहां गंदी गंदी गाली गलौच करने से बच्चों में गलत प्रभाव पड़ रहा है। वही महिलाओं ने भी विष्णु देव साय के सरकार पर तीखी हमला करते हुए कहा कि सरकार पूरे प्रदेश में जगह जगह शराब दुकान खोलकर प्रदेश की जनता को अपाहिज विकलांग और पंगु बाना रहे है। जहां शराब के चलते घर परिवार में सुख शांति खो गया। आए दिन घर पर क्लेश विवाद हो रहे है। नशा के चलते प्रदेश में आए दिन लूटपाट और चाकू बाजी आम बात हो गई है। जिसके चलते महिलाओं और बच्चियों का घर से निकलना मुश्किल हो गया। जहां अब बच्चियों को घर से बाहर पढ़ने के लिए भेजने पर डर लगा रहता है।

तिल्दा सरस्वती शिशु मंदिर द्वारा बिलाड़ी में सप्तशक्ति संगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तिल्दा नेवरा

विद्या भारती की योजना से सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिल्दा द्वारा अपने पोषक ग्राम बिलाड़ी में रविवार को शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय बिलाड़ी में सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम की मातृ शक्तियों (माताओं) की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में दुलौरीन ध्रुव सरपंच बिलाड़ी, विशिष्ट अतिथि शिवानी भारती सामाजिक कार्यकर्ता, नंदिनी नायक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, चैती निषाद, कार्यक्रम की संयोजिका हेमा देवांगन शिशु वाटिका प्रभारी, प्रमुख वक्ता नीलम पांडेय व सुकन्या दीक्षित के द्वारा माँ सरस्वती, ओम एवं भारत माता के छाया चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया। श्रीमती हेमा देवांगन दीदी के द्वारा सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम की प्रस्तावना एवं उद्देश्य की जानकारी सभी माताओं को दी गई। इसके पश्चात बिलाड़ी के सरपंच श्रीमती दुलौरीन ध्रुव के द्वारा आभार व्यक्त किया गया ।श्रीमती सुकन्या दीदी के द्वारा कुटुंब प्रबोधन पर भारतीय दृष्टिकोण के बारे में बताते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत गीता के

दसवें अध्याय के 34वें श्लोक में नारी के सप्त गुणों का वर्णन है। साथ ही 16 संस्कार एवं चार आश्रम के बारे में बताया गया। नीलम दीक्षित दीदी ने भारत के विकास में नारियों की क्या महत्वपूर्ण भूमिका होती है, भारत के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान है की जानकारी दी गई। एक सुसंस्कार यूक्त माता अपने परिवार एवं बच्चों का सुधार कर उसका निर्माण कर सकती है। नंदिनी नायक ने कुटुम्ब प्रबोधन के बारे में बताते हुए संयुक्त परिवार के प्रति जागरूक होने की बात कही गई।अंत में अतिथियों को प्रतीक चिह्न दिया गया । सभी मादाओं द्वारा संकल्प कथन में कहा गया कि मैं सृजन करता हूँ, अपनी सप्त शक्ति का जागरण करने के लिए संकल्पित हूं। अंत में कल्याण मंत्र के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में लगभग 60 माताओं एवं आयोजक विद्यालय के 20 दीदियों की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम की जानकारी प्रचार प्रसार प्रमुख श्रीमती शीला साहू एवं कु. नीतू वर्मा द्वारा दी गई।

धरसींवा राज स्तरीय क्रिकेट स्पर्धा में बिरगांव परिक्षेत्र बना चैंपियन

तरपोंगी। धरसींवा राज के ग्राम इकाई चरौदा में छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज धरसींवा राज द्वारा राज स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया था। इस प्रतियोगिता में 10 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मैच नगर इकाई बिरगांव व बरबन्दा परिक्षेत्र के बीच खेला गया। बिरगांव परिक्षेत्र की टीम ने टॉस जीतकर पहले फिल्डिंग करने का फैसला लिया। बरबन्दा के टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 8 ओवर में 10 विकेट खो कर 49 रन बनाये। जिसके जवाब में बिरगांव परिक्षेत्र के टीम ने 6 ओवर में 4 विकेट खो कर मैच पर कब्जा जमाया। इस तरह बिरगांव परिक्षेत्र की टीम 6 विकेट से विजयी रही। इस तरह तृतीय स्थान बरतनारा व चतुर्थ स्थान तरपोंगी परिक्षेत्र के टीम रहे। इस मैच के मैन ऑफ द मैच गजेंद्र वर्मा नगर इकाई बिरगांव रहे। मैन ऑफ़ द सीरीज कमलेश वर्मा बरबंदा रहे। बेस्ट कैचर तुषार वर्मा तरपोंगी, बेस्ट फील्डर लीलाधर वर्मा बनसांकरा, बेस्ट कीपर दिनेश वर्मा बिरगांव, बेस्ट बैट्स मैन घनश्याम वर्मा बरतनारा, बेस्ट बॉलर राहुल वर्मा बरतनारा रहे। पुरस्कार वितरण समारोह के अतिथि गण धरसींवा राज प्रधान नीलमणि परगनिहा, पूर्व राज प्रधान दशरथ वर्मा, धरसींवा राज युवा अध्यक्ष नितिन चंद्रवंशी, महिला अध्यक्ष उषा वर्मा, राजेश वर्मा, जितेंद्र वर्मा,राम कुमार वर्मा, धर्मेंद्र वर्मा, संजय कुमार वर्मा, लेखु वर्मा, मनीष वर्मा, मिथिलेश वर्मा, सुनील वर्मा, नीरज वर्मा, नोहर वर्मा, प्रवीण वर्मा, केवल वर्मा, देवकी वर्मा, पूर्णिमा वर्मा, मीना वर्मा, महेश्वरी वर्मा, ईश्वरी कश्यप, भोजा मढ़रिया, नीतू वर्मा, सुरेखा वर्मा, पिंकी परगनिहा, बिंदिया वर्मा, उषा वर्मा, अनुपमा नायक, लिलेश्वरी वर्मा, शशि टिकरिहा, मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा सहित बड़ी संख्या में दर्शक गण उपस्थित थे।

तरपोंगी में वुडबॉल चैम्पियनशिप, रायपुर जूनियर टीम ने जीता स्वर्ण और रजत पदक

तरपोंगी। श्री दावड़ा यूनिवर्सिटी, रायपुर में आयोजित 6 वीं सीनियर/जूनियर राज्य वुडबॉल चैम्पियनशिप 2025 में रायपुर जूनियर टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता के दौरान रायपुर की टीम ने अनुशासन, एकता और उत्कृष्ट तकनीक का परिचय दिया। जूनियर बॉयज़ वर्ग में रायपुर टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर चैम्पियनशिप में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। वहीं जूनियर गर्ल्स टीम ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। जूनियर बॉयज़ टीम के सदस्य सोनाक्ष निषाद, मेधक निषाद, मोनिश निषाद, अरुण वर्मा, तोषण धीवर, गुणवंश निषाद और युगांश वर्मा। जूनियर गर्ल्स टीम के सदस्य लीना निषाद, रिया निषाद, खुश्बू धीवर, अर्णा कुलश्रेष्ठ, हीरा निषाद। इस प्रतियोगिता में 13 से अधिक जिलों की टीमें शामिल हुईं, कोच चैन कुमारी निषाद के मार्गदर्शन में इन प्रतिभागी बच्चों ने भाग लिया।

गौसेवा में पीपला का योगदान सराहनीय

आरंग। स्वयं सेवी सामाजिक संगठन पीपला वेलफेयर इन दिनों गौ सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका निभा रहे हैं। फाउंडेशन के सदस्यगण विगत दो माह से घुमराभांठा स्थित गौठान में गायों को चारा पानी खिला रहे हैं। साथ ही बीमार व चोटिल पशुओं का उपचार व देखरेख कर रहे हैं। इसके लिए नगर के बाड़ियों में जाकर हरे पत्ते का इंतजाम कर गौठान के भूखे गायों को खिला रहे हैं। साथ ही गौ सेवको के साथ मिलकर नगर में चोटिल गायों के उपचार में सहयोग कर रहे हैं। जिसमें फाउंडेशन से दूजेराम धीवर, कोमल लाखोटी, अभिमन्यु साहू, महेन्द्र पटेल, प्रतीक टोंड्रे, संजय मेश्राम, अहम् भूमिका निभा रहे हैं।

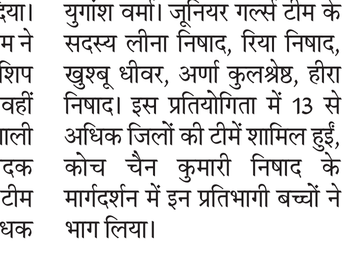

छतौद स्कूल के शैक्षिक और खेल महोत्सव में 216 बच्चे हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तिल्दा नेवरा

बाल दिवस के अवसर पर शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला, छतौद में अदाणी फाउंडेशन द्वारा एक भव्य एवं उत्साहपूर्ण शैक्षिक एवं खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कक्षा पहली से आठवीं तक के कुल 216 विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

विद्यालय परिसर को उत्सवमय वातावरण में सजाया गया था, जहाँ बच्चों के लिए विभिन्न आयु-उपयुक्त प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। कक्षा पहली के बच्चों के लिए आओ केला खिलाएँ प्रतियोगिता रखी गई, वहीं कक्षा दूसरी के विद्यार्थियों ने कुर्सी दौड़ में भाग लिया। कक्षा तीसरी के बच्चों ने बोरा दौड़ में अपनी फुर्ती दिखाई, जबकि कक्षा चौथी के विद्यार्थियों ने जलेबी दौड़ में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कक्षा पाँचवीं के बच्चों ने फुगा दौड़ में प्रतिस्पर्धा की, कक्षा छठवीं के विद्यार्थियों ने मकड़ी दौड़ में अपनी चपलता का प्रदर्शन किया। कक्षा सातवीं के बच्चों ने पत्थर दौड़ में भाग लिया और कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों ने कंचा-चम्मच दौड़ में अपनी संतुलन क्षमता का परिचय दिया।

इन खेल प्रतियोगिताओं के साथ-साथ बच्चों की रचनात्मकता और बौद्धिक क्षमता को प्रोत्साहित करने के लिए पेंटिंग, निबंध लेखन और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। पूरे दिन विद्यालय में गतिविधियाँ चलती रहीं और बच्चों ने अपनी प्रतिभा एवं उत्साह से सभी को प्रभावित किया। हर प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही, सभी प्रतिभागियों को भी अदाणी फाउंडेशन द्वारा आकर्षक उपहार दिए गए।

बच्चे में अपार क्षमता होती है

"हमारा उद्देश्य ग्रामीण एवं सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को ऐसे अवसर प्रदान करना है, जहाँ वे न सिर्फ सीखें बल्कि अपनी प्रतिभा को खुलकर प्रदर्शित भी कर सकें। हर बच्चे में अपार क्षमता होती है, और उसे केवल सही मंच, सही दिशा और प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है।

जनप्रतिनिधियों एवं समुदाय की सराहना

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती स्वाति वर्मा, एसएमसी अध्यक्ष गीता मांडले एवं बोहरन जलतारे, विधायक प्रतिनिधि नरेंद्र कुमार सिन्हा, शाला सदस्य रमेश कुमार यादव, प्रीति प्रजापति सहित विद्यालय के प्रधान पाठक, शिक्षकगण एवं अदाणी फाउंडेशन की उत्थान टीम के 11 सदस्य उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह क्षेत्र में पहली बार हुआ ऐसा आयोजन है, जिसमें हर बच्चे को भाग लेने, खुद को व्यक्त करने और पुरस्कार पाने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं, झिझक दूर करते हैं, टीमवर्क विकसित करते हैं और उन्हें बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते हैं।

सड़कों पर 24 घंटे मालवाहकों का रहता है कब्जा, इसलिए दुर्घटना की आशंका बनी रहती है

जंजगीरा के पास गैस सिलेंडर लदा ट्रक पलटा, अनहोनी टली पर समस्या कायम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिलयारी

मलौद से नकटी मार्ग राहगीरों के लिए खतरा बन गया है। रविवार को शांतिनगर और जंजगीरा के बीच सिलेंडर से भरा ट्रक पलट गया। हालांकि सिलेंडर खाली था। अगर भरी रहती तो बड़ी घटना हो सकती थी। घटना में फिलहाल किसी हताहत की खबर नहीं है। लेकिन मालवाहकों के चलते ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। बता दें कि, खराब सड़क से आए दिन हादसे हो रहे है। सड़क को लेकर बड़ी आंदोलन की तैयारी ग्रामीण कर रहे हैं। कंपनियों की गाड़ियों ने सड़कों को भारी क्षति पहुंचाई है। इसलिए हादसे भी बढ़ गए हैं। ग्रामीणों की माने तो अगर सिलेंडर भरा रहता तो यहां बड़ी घटना हो सकती थी। खाली की वजह से बड़ी अनहोनी टल गई। जानकारी के मुताबिक यह गाड़ी खपरी के पास स्थित भारत पेट्रोलियम गैस कंपनी जा रही थी। इसी तरह रोज मालवाहक भारी भरकम सामानों को लादकर फर्राटा भरते हैं। ओवरस्पीड गाड़ियों से दुर्घटना आम बात हो गई है। वाहनों की बाढ़ से ग्रामीण सड़कों की जानें जा रही है। सफर भी खतरा भरा हो गया है। उल्लेखनीय है कि, कारखानों की गाड़ियों से सड़कें खराब हो रही है। भारी वाहनों के चलने से सफर करने वाले राहगीर और ग्रामीणों को भी दुर्घटना का डर लगा रहता है। इसी तरह की कई समस्याओं से ग्रामीण जुझ रहे हैं। पिछले दिनों ग्रामीणों ने धरना-प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी कर अपनी मांग रखी थी। सड़कों में राहगीरों की सुरक्षा भी ताक पर है। ग्रामीणों के आने-जाने के लिए बनी सड़कों पर पूंजीपतियों के गाड़ी दौड़ रहे हैं और उसे क्षतिग्रस्त कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने पिछले दिनों नारे बाजी करते हुए प्रदर्शन किया पर कार्रवाई नहीं हुई

सड़कों पर मालवाहकों का साम्राज्य

कारखानों की बाढ़ आने से सड़कों में भारी भरकम वाहनें ही ज्यादा दिखती है। इधर की सड़कों पर कार, बाइक कम मालवाहक ही ज्यादा नजर आएंगे। कंपनियों में रोज हजारों से ज्यादा गाड़ियों का आवागमन होता है।

सड़क दुर्घटना आम बात हो गई हैं

बड़ी-बड़ी बातें करने वाले कंपनी सड़क बनाना तो दूर गड्ढे तक को नहीं भरवा पा रहे हैं। जानलेवा गढ्ढों में फिसलकर बाइक सवार गिर रहे हैं। सड़कों का ऐसा हाल मानों कंपनियों ने दुर्घटना का इंतजाम कर रखा हो। कंपनियों ने मिलकर ग्रामीण सड़कों की परते ही उखाड़ दी है। संयंत्रों के ओवरलोड गाड़ियां तेज रफ्तार में आवागमन करते हैं। सड़कों के सीना छलनी कर रहे इन गाड़ियों पर प्रबंधन का भी कोई नियंत्रण नहीं है। ऊपर से राहगीर और स्कूली बच्चे धुल, धुएँ से तंग आ गए हैं। ग्रामीण कह रहे हैं कि जानलेवा गढ्ढें कंपनियों द्वारा कराए गए दुर्घटना के इंतजाम है। अनदेखी के चलते बद से बदतर हो चुके इस रोड को देख सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि, प्रशासन और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि जनमुद्दों को लेकर कितना गंभीर हैं। मरम्मत नहीं होने से डामर की परत उखड़ गए हैं। जगह-जगह गिट्टियां झांकने लगी है फिर भी जिम्मेदार है कि, इधर झांकने तक नहीं आते।

प्रथम पुण्यतिथि

ब्रम्हलीन पूज्यनीय माँ ममता सीताराम गुप्ता
(दिनांक 17/11/2024)
सौम्यता उनकी सुगंध थी, आनंद उनका जीवन था,
सत्कर्म उनकी शोभा और परोपकार उनका कर्तव्य था।
मीठी मधुर स्मृतियां आपकी कभी नही मिट पायेंगी।
आपका व्यवहार आपकी बातें, सदैव हमें याद आयेंगी।।
विनीत
चेतन गुप्ता (पुत्र) अधिवक्ता
रविन्द्र हलवाई, रमन हलवाई (भाई), सत्ती बाजार, रायपुर

चकल्लस

छत्तीसगढ़ में करणी सेना

तो करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने ऐलान कर दिया है कि वह वीरेंद्र तोमर के खिलाफ पुलिसिया कार्रवाई के खिलाफ छत्तीसगढ़ में धावा बोलेगा। यहां तक कि एसपी लाल उमेद सिंह और टीआई के घर में घुसने की धमकी तक दे डाली। अपनी बात रखना सबका हक है लेकिन छत्तीसगढ़ में आकर पुलिस को धमकाना और देख लेने की धमकी देना...ज्यादा ही हो गया। खबरी बता रहा था कि पुलिस ने पुख्ता तैयारी कर ली है। पुलिस ऐसी तैयारी में है कि उसके बाद कोई दूर बैठकर छत्तीसगढ़ पुलिस को धमकाने की हिम्मत नहीं जुटा पाएगा।

गृहमंत्री ने ठीक कहा

वीरेंद्र तोमर और करणी सेना मामले में गृहमंत्री विजय शर्मा ने सुलझी हुई बात की। उन्होंने कहा कि हर मुजरिम या आरोपी किसी न किसी समाज से होता है। अगर हर समाज अपने-अपने समाज से जुड़े आरोपियों और अपराधियों के साथ खड़ी होने लगा तो फिर समाज कैसे चलेगा। अपराधी दबाव बनाने के लिए अपने समाज के पीछे छिप जाएंगे।गृहमंत्री के बयान को गहराई से देखा जाना चाहिए। प्रदेश के दर्जनों ऐसे अपराधी घूम रहे हैं जो किसी न किसी समाज या संगठन के पदाधिकारी हैं। वे झंडा और डंडा लेकर अपराध करते हैं और फंसने से बचने के लिए समाज और संगठनों का इस्तेमाल करते हैं। गृहमंत्रीजी...ऐसे लोगों पर भी निगाह डालिए।

हेरी सखी मंगल गाओ रे...

रविवि में पुराने वाले साहब की वापसी हो गई है। कुछ दुखी हैं और कुछ मंगल गीत गा रहे हैं। लेकिन दुखी होने वाली बात क्या है, यह बात समझ नहीं आई। देखिए अब खाना-पीना तो सबका चलता ही रहता है। बस ये वाले थोड़ा ज्यादा खा लेते हैं। अब किसी के खाने पर नजर लगाना अच्छी बात थोड़ी ही है? बेचारे... दिल्ली तक दौड़ लगाकर आए हैं। थक गए होंगे और जो खर्चा हुआ होगा, सो अलग। तो खाने दो थोड़ा। वैसे सुनने में आया है कि साहब के खिलाफ कोई तगड़ी वाली फाइल खुलने वाली है। इंतजार कीजिए... फल मीठा होता है। छोटे साहब ने भी 6 माह का वनवास काटा है।

नियम पता करो... तोड़ने हैं!

प्ले स्कूल स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले हैं। थोक में स्कूल हैं, जो यूं ही घरों में चल रहे हैं। इन पर आफत आने वाली है। इनसे भी आगे वे बड़े स्कूल वाले हैं, जिन्होंने अपने ब्रांच के नाम पर छोटे-छोटे स्कूल खोल रखे हैं। कमाई तगड़ी है और लागत लगभग शून्य। संकट आने से पहले ही उसकी तैयारी कर लेना बुद्धिमत्ता है। स्कूल वाले नियम पता करने में लग गए हैं। कुछ तो इतने आगे चल रहे हैं कि कौन से साहब के पास जाने से सेटिंग हो जाएगी, यह जानकारी जुटा रहे हैं! अब इतनी भी तैयारी नहीं करनी है भैय्या...।

इलाके का फेर ...

रेवेन्यू वाले दो दर्जन बाबुओं को बड़े साहब ने हकाल दिया। मतलब एक झटके से एक कोने से दूसरे कोने भेज दिया। बनी बनाई दुकानदारी लूटने से पहले साहब ने ये तक नहीं सोचा कि जिस इलाके का कभी मुंह नहीं देखा, वहां हकाल दिए। बेचारे दुखड़ा रोने बैठे, कहने लगे, आखिर साहब का हमने क्या बिगाड़ा था, जो ऐसी दुश्मनी निकाल रहे हैं। दूसरे ने कहा, जमा-जमाया इलाका किसके कहने पर छीना, ये तो पता लगाकर रहूंगा। क्योंकि जिसने यह काम किया है वह भी कमाई के जुगाड़ में होगा। उसे भी शांति से कमाने नहीं देंगे। आखिर हमारा इलाका है। सबकी खबर रखते हैं।

अपनी नहीं चल रही भाई ...

चैंबर वाले नेताजी आजकल टेंशन में चल रहे हैं। ट्रिपल इंजन की सरकार, फिर भी अपनी बात मनवा नहीं पा रहे। हालत ऐसी कि दुखड़ा किसी से कह भी नहीं सकते। पार्टी की इज्जत का सवाल है। सो मन की बात मन में ही दबी पड़ी है। ऐसे में खबरीलाल ने नेताजी के दुखती रग पर हाथ रखते हुए पूछ ही लिया, ये पंडरी वाले मामले में कब तक शटर खुलवाएंगे? नेताजी हैरान, धीरे से बोले, हमने तो पूरा जोर लगाया, सांय-सांय काम होना था, पर अपनी नहीं चल रही भाई। सो जब ऊपर का आदेश होगा, सबकुछ ठीक हो जाएगा, तब तक वेट एंड वॉच।

मतदाता दे रहे करंट

प्रदेश में एसआईआर का काम चल रहा है। भाजपा ने अपने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की भी जिम्मेदारी तय की है। कार्यकर्ताओं से कहा गया कि किसी भी हाल में एक भी मतदाता छूटना नहीं चाहिए। वैसे भी भाजपा नीचे लेबल तक एक-एक मतदाता पर फोकस करती है और उसकी जीत का राज भी यही है। हो यह रहा है कि कार्यकर्ता घर-घर पहुंच रहे हैं लेकिन मतदाता उन्हें करंट दे रहे हैं। वोटिंग लिस्ट की डिटेल देने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं से पूछते हैं-यह बिजली का बिल इतना क्यों आ रहा है? कार्यकर्ता कह रहे हैं कि वो तो हमारा भी आ रहा है।

जितना बड़ा, उसका छोटा दिल

हरिभूमि के रविवार अंक में एक खबर छपी-बंगला फ्री था, पर पानी और सफाई शुल्क का पैसा भी पचा गए साहब। खबरी बता रहा था कि बड़े-बड़े बंगले में रहने वाले मंत्री, विधायक, महापौर और अफसरों के दिल बहुत छोटे होते हैं। लाखों-करोड़ों में खेलते हैं लेकिन सब मुफ्त चाहिए। जल कर और सफाई कर उन्हें देना है लेकिन बहुतऐसे हैं जो सामान समेटकर निकल गए हैं और एक धेला जमा नहीं किया। अगर इनकी लिस्ट सार्वजनिक हो जाए तो कई साहब मुंह दिखाने लायक नहीं बचेंगे। आम आदमी के कनेक्शन काट देने वाले निगम की हिम्मत नहीं है कि इनका गिरेबां पकड़कर पैसा वसूल रहे।

पसंद अपनी अपनी...

कोई भी नेता हो जब वह सरकार में आ जाते हैं तो उनकी पसंद-नापसंद काफी मायने रखने लगती है। मंत्री बनने के बाद पसंद का पहला मामला निज सहायक, विशेष सहायक जैसे पदों का आता है। मंत्री किसी भी विभाग से अपनी पसंद के कर्मचारी-अधिकारी चुनकर अपनी सेवा में ले आते हैं। अभी हाल में एक मंत्रीजी की इसी तरह की पसंद को लेकर विभाग उलझन में पड़ गया। दरअसल मंत्रीजी जिस व्यक्ति को निज सहायक बनाना चाहते हैं, उसकी योग्यता पद के अनुरूप नहीं है, लिहाजा नियुक्ति मुश्किल हो रही है। पसंद का एक मामला ये भी है कि एक नेताजी ने अपनी पसंद के रिटायर्ड को अपने करीब रहने वाले पद से नवाजा है।

चाहे ऐसे जेल जाएं या वैसे...

छत्तीसगढ़ में सहकारी सोसाइटियों के आंदोलनकारियों की मांग सरकार ने नहीं मानी और उन्हें सेवा से बाहर करने के अलावा गिरफ्तारी के वारंट भी घुमवा रही है, लेकिन इसके बाद भी हड़ताली झुकने को तैयार नहीं हैं। इस दमदारी के पीछे की ये कहानी है। सोसाइटियों के प्रबंधकों के जिम्मे धान खरीदी का काम होता है, गर्मी में जब धान सूखता है तो वजन कम होने से शार्टेज आती है। यह कमी आने पर प्रबंधक से रिकवरी होती है, रकम जमा न करने पर एफआईआर, गिरफ्तारी के बाद जेल। प्रबंधक कहते हैं, धान में शार्टेज की वजह से जेल जाने से अच्छा ये है कि हड़ताली बनकर जेल चले जाएं। रिहाई जल्द हो जाएगी और धान चोरी का कलंक भी नहीं लगेगा।

लिखके रखवा लो

अक्सर यह देखा गया है कि सरकार पर दबाव बनाने सरकारी कर्मचारी हड़ताल में विपक्ष के नेताओं को अपने बीच बुलाकर अपनी मांगों को पूरा कराने के संबंध में आश्वासन ले लेते हैं। नेता भी फोटो छपवाने के बहाने बड़ी-बड़ी घोषणाएं हंसते हुए कर देते हैं। ऐसा वाक्या लगभग हर साल देखने को मिलता है। धान खरीदी में लगे ऑपरेटर और प्रबंधकों ने इसी विश्वास में आंदोलन शुरू किया। अपने कर्ता-धर्ता नेताओं के संपर्क में रहे, लेकिन अंतिम समय तक मांग पूरी होने की आस में बैठे रहे। सरकार ने उनकी एक न सुनी, ऐसे में एक कर्मचारी नेता ने कहा, हमने तो पहले ही कहा था इनसे लिखकर रखवा लो। इनका कोई भरोसा नहीं।

झूठ की ताकत

प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया चल रही है। शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पटवारी सहित अन्य कर्मियों को इस कार्य में झोंक दिया गया है। बीएलओ दो नावों पर सवार हैं, उन्हें सरकार और निर्वाचन दोनों की ड्यूटी करनी पड़ रही है। ऐसे में निर्वाचन का काम समय पर नहीं हो पा रहा। यह देख अफसर उन्हें नोटिस की धमकी देते हैं। बचने का उपाय भी वहीं बता रहे हैं। बीएलओ से कहते हैं कि अपने मोबाइल में डाउनलोड एप पर गणना प्रपत्र का फर्जी आंकड़ा दे दें तो बच जाएंगे। कई बीएलओ यही कर रहे हैं। कुछ स्वाभिमानी भी हैं, जो ऐसा करने से इंकार कर रहे हैं। वे फंस रहे हैं।

ज्वाइंट डायरेक्टर का ईगो...

स्वास्थ्य विभाग में काम करने वाले कर्मचारी पर ज्वाइंट डायरेक्टर का ईगो भारी पड़ रहा है। अपनी पदोन्नति का आर्डर निकलवाने पिछले दो साल से जेडी कार्यालय का चक्कर लगा रहे कर्मचारी ने बताया कि उसकी गलती इतनी थी कि खंड विस्तार प्रशिक्षक का पद प्राप्त करने उसने विभागीय फैसले के खिलाफ न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। उसके दावों को मानते हुए न्यायालय ने पक्ष में फैसला दिया, मगर अफसर उसे मानने को तैयार ही नहीं हैं। कार्यालय से जुड़े अन्य कर्मचारियों ने पीड़ित को सलाह दी कि न्यायालयीन आदेश से साहब के स्वाभिमान को ठेस पहुंची है। उन्हें आवेदन देकर मनाने के बजाय खुश करने का कोई दूसरा तरीका अपनाएं।

वापसी की तैयारी में जीवीके

दस साल तक सरकारी एंबुलेंस चलाने वाली जीवीके कंपनी इस बार पुलिस की गाड़ी डॉयल- 112 के जरिए प्रदेश में एंट्री कर रही है। विवादों के बीच इस कंपनी को योजना की गाड़ी चलाने एल-1 घोषित करने की तैयारी है। संबंधित कंपनी की नजर राज्य में टोल फ्री नंबर के माध्यम से निशुल्क उपलब्ध कराने वाली योजनाओं के संचालन पर भी है। जानकारों का कहना है कि कुछ टेंडरों के नियमों को उसकी खातिर बदला भी जा चुका है। स्थानीय कंपनियां इस बार भी पता लगाने के प्रयास में जुटी हैं कि कंपनी की सीजी में वापसी और सरकारी सिस्टम में शामिल कराने की कोशिशों में आखिर किसका हाथ है?

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला, प्रदीप शर्मा
विकास शर्मा, गिरीश केशरवानी, रुचि वर्मा।

कांग्रेस जिला अध्यक्षों के नाम पर आज लग सकती है मुहर

संगठन सृजन अभियान में 9 से 17 अक्टूबर तक 41 जिला अध्यक्षों के नाम तय करने भेजे गए थे पर्यवेक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- एआईसीसी ने दिल्ली में सोमवार को बुलाई बैठक
- बैज-महंत को दिल्ली से बुलावा

खास खबर

कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के तहत छत्तीसगढ़ में जिला अध्यक्षों के नामों पर सोमवार को मुहर लग सकती है। नई दिल्ली में एआईसीसी की एक बैठक होगी, जिसमें शामिल होने नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज दिल्ली जा रहे हैं।

प्रदेश प्रभारी तीनों प्रभारी इस बैठक में शमिल होंगे। संगठन सृजन अभियान के तहत 9 से 17 अक्टूबर तक 41 जिला अध्यक्षों के नाम तय करने एआईसीसी ने पर्यवेक्षक भेजे थे। पर्यवेक्षकों ने 6 नामों का पैनल बनाकर एआईसीसी को सौंप दिया था। एआईसीसी ने प्रदेश अध्यक्ष सहित वरिष्ठ नेताओं से चर्चा कर नामों की शार्ट लिस्टिंग भी की थी। इन नामों को लेकर राहुल गांधी के साथ एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल की चर्चा के बाद नाम लगभग फायनल हो चुके हैं। अब प्रदेश के नेताओं के साथ चर्चा कर उसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। बताया गया है कि बिहार चुनाव के बाद कांग्रेस अपने संगठन को मजबूत करने में जुट गई है। छत्तीसगढ़ में 41 जिला अध्यक्षों की नए सिरे से नियुक्ति को लेकर प्रदेश प्रभारी और प्रभारी सचिवों से भी चर्चा होगी।

एसआईआर पर भी चर्चा

बैठक में संगठन के अलावा प्रदेश में चल रहे एसआईआर अभियान को लेकर चर्चा हो सकती है। कांग्रेस पहले ही सभी बूथों में बीएलए की नियुक्ति और उनकी ट्रेनिंग पूरी कर चुकी है। सभी जिलों में एसआईआर को लेकर पार्टी अपनी तरफ से समन्वय बनाकर काम कर रही है। एआईसीसी द्वारा इस संबंध में प्रदेश के नेताओं के साथ चर्चा कर दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे।

बजट 2026-27 के लिए मंगाए गए प्रस्ताव

नए बजट में 5 फीसदी की वृद्धि संभव नवा अंजोर-सतत विकास पर फोकस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ सरकार के नए बजट 2026-27 में पिछले साल के बजट के मुकाबले आकार में पांच प्रतिशत की वृद्धि संभावित है। यह बजट अंजोर विजन और सतत विकास लक्ष्यों पर केंद्रित होगा।

सरकार के वित्त विभाग ने राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों, सभी अपर मुख्य सचिव, सचिव, प्रमुख सचिव और सचिवों को नया बजट बनाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। वित्त विभाग ने बताया कि बजट किस प्रकार बनाया जाना चाहिए। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-2026 के पुनरीक्षित अनुमान तथा वर्ष 2026-2027 के बजट प्रस्ताव भेजने के संबंध में निर्देश दिए गए हैं।

इन बातों का रखा जाएगा ध्यान

वित्त विभाग ने सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से कहा है कि बजट प्रस्ताव निर्धारित प्रपत्र में ही भेजा जाए। मांग संख्या, मुख्य शीर्ष उपमुख्य शीर्ष, लघु शीर्ष, योजना कमांक, उद्देश्य शीर्ष एवं विस्तृत शीर्ष के अनुकम में प्रस्ताव प्रेषित किए जाए तथा लघु शीर्षवार एवं योजनावार योग किया जाए। बजट प्रस्ताव के साथ औचित्य प्रतिपादित किया जाए।

नए खर्चों का प्रस्ताव हो अलग से

सरकार जब भी नया बजट बनाने की तैयारी करती है, उसमें सबसे बड़ा विषय सरकार की नई योजनाओं खासकर अधिक खर्च वाली योजनाओं को लेकर होता है। इसे देखते हुए कहा गया है कि नवीन व्यय के मद को बजट प्रस्ताव में पृथक से भेजा जाए। राजस्व व्यय एवं पूंजीगत व्यय का सही वर्गीकरण दर्शाया जाए।

अनुदान और ऋण की राशि बताएं अलग-अलग

21 नवंबर तक देना है प्रस्ताव

विभागों से कहा गया है कि बजट के बिंदुओं के अनुसार प्रस्तावों का परीक्षण कर निर्धारित प्रपत्र में बजट प्रस्ताव तैयार कर (नवीन मद के प्रस्ताव सहित) 21 नवंबर के पूर्व इस विभाग का अनिवार्य रूप से प्रेषित करें।

केंद्रीय योजनाओं को लेकर ये हैं निर्देश : केन्द्र प्रवर्तित योजना, केन्द्रीय क्षेत्रीय योजना, विशेष,अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता योजनाओं का नाम एवं प्रकार केन्द्र शासन के स्वीकृति आदेश के अनुरूप ही उल्लेख करने का निर्देश दिया गया है। विशेष रूप से बाह्य सहायता प्राप्त योजनाओं, जिनमें केन्द्र प्रायोजित, निगम सहायता प्राप्त एवं अन्य विदेशी सहायता प्राप्त योजनाएं सम्मिलित हैं, में अनुदान व ऋण के रूप में प्राप्त राशि को अलग-अलग भी बताया जाए। जिससे राज्य पर पड़ने वाले ऋण भार का स्पष्ट आकलन किया जा सके।

बजट का आकार बढ़ेगा 5 प्रतिशतः राज्य सरकार के सालाना बजट में हर साल वृद्धि होती है, लेकिन नए बजट में इस साल यह वृद्धि पांच प्रतिशत तक होगी। इस संबंध में वित्त विभाग ने कहा है कि वर्ष 2024-2025 के वास्तविक व्यय तथा 2025-2026 के पुनरीक्षित अनुमान के आधार पर ही वर्ष 2026-2027 के बजट अनुमान के संबंध में प्रस्ताव दें। वर्ष 2025-2026 के बजट प्रावधान का अधिकतम 5 प्रतिशत वृद्धि करते हुए वर्ष 2026-2027 का बजट प्रस्ताव तैयार किया जाए।

केंद्र की फ्लैगशिप योजनाओं पर निर्देश

राज्य सरकार के वित्त विभाग ने केन्द्र प्रवर्तित,फ्लैगशिप योजनाएं मनरेगा, पीएम जनमन, पीएमजीएसवाय, पीएम पोषण, पीएम आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जलजीवन मिशन, समग्र शिक्षा जैसी योजनाएं जो केंद्रांश व राज्यांश के माध्यम से संचालित होती है, उनमें विभाग सुनिश्चित करें कि इन योजनाओं में केद्रांश हेतु वर्ष 2025-26 के पुनरीक्षित अनुमान की राशि भारत सरकार द्वारा निर्धारित आवंटन के अनुरूप हो तथा वर्ष 2026-27 के बजट अनुमान में केंद्रांश एवं आनुपातिक राज्यांश का प्रावधान पुनरीक्षित अनुमान 2025-26 के आधार पर प्रस्तावित किया जाए।

नवा अंजोर, सतत विकास पर रहेगा जोर

बजट प्रस्ताव तैयार करते समय विभाग अपने लघु अवधि के लक्ष्य, मध्यम अवधि के लक्ष्यों व दीर्घकालिक लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए परिणाम आधारित बजट तैयार करें। विभाग विशेष रूप से यह सुनिश्चित कर ले कि विभागीय योजनाएं छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 तथा सतत विकास लक्ष्यों (2030) की पूर्ति हेतु सहायक हो। इन लक्ष्यों के पूर्ति हेतु विभाग आवश्यकतानुसार नवीन योजनाओं को भी प्रस्ताव में शामिल करें। साथ ही ऐसी योजनाओं, जिनके लक्ष्यों में दोहराव हो, उनका एकीकरण करते हुए योजनाओं की संख्या सीमित की जाए।

भाजपा पार्षद ने बीएलओ को धमकाया, वीडियो वायरल

- एफआईआर दर्ज कराने पुरानी बस्ती थाने पहुंचे कांग्रेसी कार्यकर्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मतदाता विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के दौरान पुरानी बस्ती में बीएलओ अपनी ड्यूटी के तहत घर-घर मतदाता सत्यापन कर रही थीं। इसी दौरान भाजपा पार्षद ने उन पर दबाव बनाया, उन्हें डराया-धमकाया और कांग्रेस प्रतिनिधियों को उनके साथ न चलने की चेतावनी दी। धमकी का स्तर इतना बढ़ गया कि डरी और सहमी बीएलओ वहीं पर ही रो पड़ी। घटना को लेकर वीडियो भी वायरल हो चुका है, जो भाजपा पार्षद के व्यवहार को स्पष्ट रूप से साबित करता है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुरानी बस्ती थाने पहुंचकर भाजपा नेता की शिकायत की है।

कांग्रेस के पार्षद प्रत्याशी रहे बंशी कन्नौजे ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, यह अत्यंत शर्मनाक है कि पुरानी बस्ती के भाजपा पार्षद अंबर अग्रवाल ने शासकीय बीएलओ को इस कदर धमकाया कि वह डर के मारे वहीं रो पड़ीं। वीडियो पूरी सच्चाई को उजागर करता है। यह एसआईआर कार्य में बाधा डालने, एक महिला कार्मिक को मानसिक प्रताड़ना देने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने का अपराध है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी ऐसे अमानवीय कृत्य को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने इस पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। साथ ही कहा कि चुनाव आयोग को इसे संज्ञान में लेकर कठोर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि कोई भी जनप्रतिनिधि सरकारी कर्मचारियों को धमकाने की हिम्मत न कर सके। उन्होने मांग की है कि बीएलओ और सहयोगी टीमों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाए।

वार्डवासियों ने की थी शिकायत : अंबर

महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड के भाजपा पार्षद और जोन-5 के अध्यक्ष अंबर अग्रवाल ने कहा, वार्डवासियों की शिकायत पर मैंने कहा, कांग्रेस एजेंट के साथ न घूमकर सभी दल के लोगों को साथ लेकर चलें। उन्होंने बीएलओ से कहा कि ऐसा नहीं करने पर अपने दल के विधायक और नेता से बात करेंगे।

राज्य के बाकी 17 जिलों में भी जल्द शुरू होगी डॉयल-112 सेवा, दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

डॉयल-112 सेवा को नए सिरे से शुरू करने टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके पूर्व राज्य के 16 जिलों में डॉयल-112 सेवा संचालित है। नई ठेका कंपनी द्वारा बाकी 17 जिलों में डॉयल-112 की सेवा शुरू की जाएगी। संबंधित जिलों के साढ़े चार सौ से ज्यादा कांस्टेबल तथा हेड कांस्टेबल के लिए डॉयल-112 सेवा से संबंधित तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर नवा रायपुर में आयोजित किया गया।

जिन जिलों में डॉयल-112 सेवा शुरू की जाएगी, उनमें बालोद, बलौदाबाजार-भाटापारा, बलरामपुर-रामानुजगंज, बेमेतरा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, धमतरी, जशपुर, कांकेर, कोण्डागांव, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, मुंगेली, नारायणपुर, सुकमा, सूरजपुर, गरियाबंद जिला शामिल है। पुलिसकर्मियों को डॉयल-112 सेवा से जुड़ा तकनीकी एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में डीएसपी केपीएस ध्रुर्वे तथा सी-डेक के तकनीकी विषेषज्ञ गौरव वर्मा ने ईआरयू वाहनों में स्थापित पोर्टेबल फील्ड टर्मिनल के संचालन व उपयोग के संबंध में जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि पुलिस-फायर-चिकित्सा से जुड़ी आकस्मिक परिस्थितियों में नागरिकों द्वारा डॉयल-112 पर की गई कॉल सी-4 सिविल लाइंस रायपुर को प्राप्त होती है। जहां कॉलर से आवश्यक पूछताछ कर, घटनास्थल से निकटतम उपलब्ध ईआरयू को इवेंट असाइन किया जाता है। अविलंब (डॉयल112) ईआरयू टीम घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़ित को सहायता प्रदान करती है। इस संपूर्ण प्रकिया को सी-4 सिविल लाइंस रायपुर व जिलों के डीसीसी द्वारा कमांड एंड कंट्रोल किया जाता है।

धूल खा रहीं नई गाड़ियों की स्थिति बदहाल, कैसे शुरू करेंगे सेवा

डॉयल-112 सेवा का पूरे प्रदेश में विस्तार करने के लिए वर्ष 2023 में नई गाड़ियां खरीदी गईं। गाड़ियां खड़े-खड़े खराब हो गई हैं। ऐसे में सेवा शुरू करने के पहले नई गाड़ियों की मरम्मत जरूरी है। मरम्मत कराने पर लाखों रुपए खर्च होंगे। गाड़ियां एक जगह खड़ी हैं, ऐसे में लंबे अरसे से एक जगह गाड़ियां खड़ी होने की वजह से ज्यादातर के टायर, ट्यूब के साथ बैटरी खराब हो गई है, जिसे बदलना होगा। इसके अलावा गाड़ियों की मरम्मत करानी होगी, तभी इनका डॉयल-112 सेवा के लिए संचालन हो पाएगा।

गोल्डन ऑवर का महत्व बताया

प्रशिक्षण में शामिल पुलिसकर्मियों को प्रोवाइडिंग फर्स्ट एड टू एक्सीडेंट विक्टिम तथा हैंडलिंग इमरजेंसी केयर, सीपीआर को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। इंटरनेशनल रोड फेडरेशन के ज्वाइंट डायरेक्टर अमित गुप्ता तथा उनकी टीम के सदस्य विशाल पांडेय, हर्ष पारिक एवं साहिल अब्बास द्वारा ईआरवी स्टाफ को फर्स्ट रिस्पांस ट्रेनिंग दी। इस प्रशिक्षण में प्राथमिक उपचार, गोल्डन ऑवर की महत्ता, गुड समैरिटन कानून, गंभीर चोटों का प्रबंधन, रक्तस्राव नियंत्रण, सी एंड स्पाइन सुरक्षा, लॉग रोल तकनीक, हेलमेट हटाने की सही तकनीक, खपच्ची के उपयोग, बेसिक लाइफ सपोर्ट एवं सीपीआर जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक एवं विस्तृत जानकारी दी गई।

19 को धमतरी प्रवास पर रहेंगे केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह

रायपुर। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के 19 नवंबर को धमतरी प्रवास पर रहेंगे। उनके प्रवास के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा वन मंत्री केदार कश्यप और जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने लिया। दोनों मंत्रियों ने मुख्य कार्यक्रम स्थल डॉ. शोभाराम देवांगन हायर सेकेंडरी स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने मंच निर्माण, स्टॉलों की व्यवस्था, पार्किंग स्थल, आगमन मार्ग, अतिथियों के बैठने की व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों का बारीकी से अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने हेलीपेड स्थल की व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने अब तक हुई तैयारियों और सभी व्यवस्थाओं की जानकारी दी। वन मंत्री श्री कश्यप ने निरीक्षण के दौरान कार्यक्रम को सुचारू, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिए। इस दौरान महापौर रामू रोहरा, पूर्व विधायक रंजना साहू, पुलिस अधीक्षक, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक और निगम के नेता प्रतिपक्ष ने ब्रिज के नीचे चौपाटी वाली जगह का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- कहा- 32 मैकेनिकों की दुकान यहां, रेलवे ने हटाने का नोटिस दिया है
- चौपाटी शिफ्टिंग वाली जगह पर सुविधा नहीं होने का लगाया आरोप

रायपुर पश्चिम के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय और निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने रविवार को आमानाका ब्रिज के नीचे प्रस्तावित चौपाटी स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने कहा कि साइंस कॉलेज के पास स्थित चौपाटी को नगर निगम जहां शिफ्ट करने वाला है, उस जगह पर जो ठेले लगवाए हैं, उन पर रेलवे का नोटिस चिपका हुआ है, जिसमें सात दिन के अंदर ठेले को उस जगह से हटाने कहा है, अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय और नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने संयुक्त रूप से कहा कि चौपाटी जहां शिफ्ट करनी है, वह जगह रेलवे की संपत्ति है। इसके बाद भी नगर निगम की महापौर मीनल चौबे और रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत अपनी हठधर्मिता के चलते चौपाटी हटाने पर तुले हुए हैं।

अधिकारियों को क्यों बचाया जा रहा

नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने कहा, नगर निगम कह रहा है कि साइंस कॉलेज वाली चौपाटी गलत बनी है, 10 से 12 करोड़ की लागत से निर्माण कराया है ,वह गलत बनी है तो जो उस चौपाटी के निर्माण में गलत निर्णय लेने में जो दोषी हैं, उन अधिकारियों को क्यों बचाया जा रहा है? उन पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है, इसकी जांच होनी चाहिए। नगर निगम चौपाटी को जहां शिफ्ट करने जा रहा है, वहां कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं है, उक्त स्थल का और निर्णय का कांग्रेस कमेटी कड़ा विरोध करती है और आगे भी विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

एसआईआर के लिए रायपुर में चारों विधानसभाओं के साथ 20 मंडलों में जिम्मेदारी तय, बृजमोहन ने दिया मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- एसआईआर प्रक्रिया को लोकतंत्र की नींव मजबूत करने वाला महाभियान

राजधानी रायपुर की चारों विधानसभाओं के साथ ही भाजपा के 20 मंडलों में जिम्मेदारी तय करते हुए एक-एक मंडल में दो-दो नेताओं को जिम्मेदारी दी है। इधर रविवार को रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में चल रही एसआईआर प्रक्रिया को प्रभावी और समयबद्ध रूप से पूर्ण करने हेतु एकात्म परिसर में एक व्यापक और महत्वपूर्ण बैठक रखी गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य एसआईआर कार्य को बिना किसी ढिलाई, त्रुटि या विलंब के सुनिश्चित करना था। बैठक में रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के सभी मोर्चा, प्रकोष्ठ पदाधिकारी, पार्षद, छाया पार्षद, मंडल प्रभारी, शक्ति केंद्र प्रभारी, संयोजक, सहसंयोजक, बूथ अध्यक्ष, पालक एवं सचिव (बीएलओ-2) सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने एसआईआर प्रक्रिया को लोकतंत्र की नींव मजबूत करने वाला महाभियान बताया और कहा, शुद्ध और सही मतदाता सूची निष्पक्ष चुनाव की पहली और सबसे महत्वपूर्ण शर्त है।

किस विस में किसको कमान

रायपुर दक्षिण से प्रदेश संगठन जिला उपाध्यक्ष ललित जैसिंघ और बृजेश पांडे को प्रभारी बनाया है। रायपुर उत्तर में नलिनेश ठोकने, गुंजन प्रजापति और सतीश छुगानी को जिम्मेदारी दी गई है। पश्चिम विधानसभा में ओंकार बैस और अमित मैशरी को प्रभारी बनाया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में लीलाधर चंद्राकर और जितेंद्र धुरंधर को कमान दी गई है।

किसको कहां की जिम्मेदारी : पश्चिम विधानसभा गुढ़ियारी में गोपी साहू, श्रीनिवास राव, तात्यापारा में सत्यम दुआ, रोहित द्विवेदी, रामनगर में नवीन शर्मा, पवन केसरवानी, टाटीबंध में बजरंग खंडेलवाल, नवीन सिंह, डीडीनगर में श्रद्धा मिश्रा, अनिल सोनकर।

उत्तर विधानसभा- शंकर नगर में अर्चना हुकरे, अनिल बाग, जवाहर नगर में सुभाष अग्रवाल, अनूप खेलकर, फाफाडीह में तुषार चोपड़ा, गोरेलाल नायक, तेलीबांधा में चैतराम अग्रवाल, सौरभ मिश्रा

दक्षिण विधानसभा- लाखेनगर में महेश शर्मा, अनिता देवांगन, पुरानी बस्ती में चुनामणि, आशीष धनगर, सिविल लाइन में मुकेश पंजवानी, राजेश जैन, भाठागांव में पिंटा यादव, लक्ष्मण चौहा, सदर बाजार में विनय ओझा, भूपेंद्र डागा,

रायपुर ग्रामीण- माना में रविंदर सिंह ठाकुर, श्यामा चक्रवर्ती, मोवा में सरोज साहू, ओमप्रकाश साहू, भनपुरी में विकास मिश्रा, सुरेश पटेल, ग्रामीण में हरिओम साहू, खेमराज बांकरे, मां बंजारी में संजय तिवारी, गौतम साहू, बीरगांव में शिवजलम दुबे, ओमप्रकाश साहू।

वन खेल मीट में लहराया छत्तीसगढ़ का परचम, 74 गोल्ड के साथ 150 पदक जीते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

उत्तराखंड के देहरादून में हुई 28वें अखिल भारतीय वन खेल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ वन विभाग के अफसर, वनकर्मी खिलाड़ियों ने अपना परचम लहराते हुए 74 गोल्ड के साथ 150 पदक जीतकर अपना दम दिखाया। खेल प्रतियोगिता में पदक पानों वालों के सूची में छत्तीसगढ़ वन विभाग के खिलाड़ी नंबर वन पर रहे। प्रतियोगिता में शानदार विजय पर वनमंत्री केदार कश्यप तथा वनबल प्रमुख वी. श्रीनिवास राव ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

अखिल भारतीय वन खेल प्रतियोगिता में केंद्रशासित प्रदेश सहित देश के सभी राज्यों के 3390 खिलाड़ी शामिल होने पहुंचे थे।प्रतियोगिता का आयोजन 12 से 16 नवंबर तक किया गया। अखिल भारतीय वन खेल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ ने 13वीं बार ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की। शनिवार को समापन समारोह में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह तथा उत्तराखंड के वन मंत्री सुबोध उनियाल ने संयुक्त रूप से ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी प्रदान की। छत्तीसगढ़ की ओर से यह ट्रॉफी एपीसीसीएफ शालिनी रैना तथा छत्तीसगढ़ दल की नोडल अधिकारी ने ग्रहण की। प्रतियोगिता में शामिल होने छत्तीसगढ़ के 253 वनकर्मी, अफसर खिलाड़ी देहरादून भेजे गए थे।

उत्तराखंड में खेल प्रतियोगिता, देशभर से तीन हजार से अधिक खिलाड़ी हुए शामिल

- पहले रनरअप के 357 अंकों की तुलना में छत्तीसगढ़ ने 221 अंकों के विशाल अंतर से बाजी मारी
- कई उत्कृष्ट व्यक्तिगत प्रदर्शन भी राज्य के पहचान बने
- सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी - निखिल जाल्को - 5 स्वर्ण (तैराकी)
- सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी - संगीता राजगोपालन - 4 स्वर्ण, 1 रजत (बैडमिंटन एवं टेनिस)
- सर्वश्रेष्ठ एथलीट - महिला ओपन - थोटा संकीर्तन - 5 स्वर्ण, "गोल्डन गर्ल"
- सर्वश्रेष्ठ एथलीट - पुरुष वेटरन - सुखनंदन लाल ध्रुव - 5 स्वर्ण
- सर्वश्रेष्ठ एथलीट - महिला वेटरन - चारुलता गजपाल - 4 स्वर्ण

पदक तालिका की सूची

- स्वर्ण पदक - 74
- रजत पदक - 34
- कांस्य पदक - 42
- चौथा स्थान - 37
- कुल पदक - 150
- कुल अंक - 578

खबर संक्षेप

सीएम साय ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस की दीं शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस 16 नवंबर के अवसर पर मीडिया जगत से जुड़े सभी लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हमारे लोकतंत्र की विशेषता और आधारशिला है। निष्पक्ष प्रेस और निर्भीक पत्रकारिता स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। मीडिया नागरिकों को उनके अधिकार और दायित्व के प्रति सचेत कर देशहित व लोकहित के प्रति जागरूक करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतीय प्रेस दिवस भारत जैसे जीवंत लोकतंत्र में स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रेस के महत्व और योगदान को याद करने का दिन है। मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर आशा व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया अपनी प्रखरता, संवेदनशीलता और सत्यनिष्ठा के साथ लोकतंत्र के पथ को और अधिक प्रकाशमान करता रहेगा।

चाकू से दहशत फैलाते धरा गया बदमाश

रायपुर। खमतराई पुलिस ने रविवार को धारदार चाकू लेकर आम लोगों को डराने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली कि दर्री तालाब भनपुरी के पास एक युवक हाथ में धारदार चाकू लेकर राहगीरों और आसपास के लोगों में आतंक का माहौल बना रहा है। सूचना मिलते ही खमतराई पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर आरोपी को धर-दबोचा। आरोपी तौसिफ मेमन निवासी रामेश्वर नगर शिव मंदिर भनपुरी की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक धारदार चाकू मिला। आरोपी को हिरासत में लेकर थाना खमतराई लाया गया और उसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एथलीट गंगेश्वर ने जीता कांस्य पदक

रायपुर/भिलाई। चेन्नई में हुई एशिया मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भिलाई इस्पात संयंत्र के एथलीटों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश और संयंत्र का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में गंगेश्वर देवांगन, सुरेश कुमार पुसरिया, प्रवीण कुमार चाफले , भागवत राम नेताम और ज्ञान सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। गंगेश्वर ने 60 प्लस आयु वर्ग की 800 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता। इस उपलब्धि पर उप महाप्रबंधक व ओलंपियन राजेन्द्र प्रसाद, उप प्रबंधक अभिजीत भौमिक, बीएसपी एथलेटिक क्लब के उपाध्यक्ष एवं सहायक महाप्रबंधक परविंदर सिंह तथा कोच अनिरुद्ध ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

निधन

प्रमोद सिंह चंद्रवंशी

रायपुर। न्यू राजेंद्र नगर निवासी प्रमोद सिंह चंद्रवंशी का 16 नवंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार न्यूज राजेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे चंद्रकला चंद्रवशी के पति, युगांत एवं तोषिता के पिता थे।

कुसुम बेन सोलंकी

रायपुर। त्रिमूर्ति होटल गली स्टेशन रोड निवासी कुसुम बेन सोलंकी (85) का 15 नवंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे रमणीक भाई सोलंकी की पत्नी, स्व. हेमंत, देवेंद्र, मुकेश की माता थीं।

अर्बन नेशनल फ्लड मैनेजमेंट प्रोजेक्ट के तहत रायपुर नगर निगम शामिल

चार दर्जन बस्तियों में जलभराव की समस्या, अब स्थायी समाधान के लिए केंद्र से मिलेंगे 222 करोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

शहर के 4 दर्जन रिहाइशी बस्तियों में जलभराव की समस्या अब नहीं रहेगी। इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा। इसके लिए रायपुर नगर निगम को केंद्र सरकार से 200 करोड़ रुपए की राशि मिलेगी। जिस राशि से नगर निगम जलभराव वाले क्षेत्रों में योजना बनाकर गंदे पानी के निकास के लिए नालियां बनाने के साथ कंक्रीटीकरण का कार्य भी करा सकेगा।

दरअसल अर्बन नेशनल फ्लड मैनेजमेंट प्रोजेक्ट के तहत रायपुर नगर निगम को शामिल किया गया है। इसमें 222 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली है, इस योजना में राज्य शासन का अंश 22 करोड़ 22 लाख रुपए और केंद्र से 200 करोड़ रुपए मिलेंगे। इस प्रोजेक्ट के तहत देश के सिर्फ 11 शहरों को लिया गया है और सभी के लिए 200-200 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली है।

राजधानी के शास्त्री बाजार, बांस टाल, पुराना कॉफी हाउस एरिया में जलभराव की बरसों पुरानी समस्या का समाधान करने नगर निगम ने 1 करोड़ खर्च कर नाला बनवाया, यह प्रयोग सफल रहा। इसी तरह तेलीबांधा तालाब के पास स्थित जलविहार कॉलोनी में जलभराव की समस्या का भी निगम ने समाधान कर लिया है, पर राजधानी के पुरानी बस्ती क्षेत्र में प्रोफेसर कॉलोनी के अलग-अलग सेक्टर, कुशालपुर क्षेत्र, परशुरामनगर और रिंगरोड किनारे की बस्तियों में जलभराव की समस्या का आज तक स्थायी समाधान नगर निगम नहीं

निकाल पाया है। इसमें ठोस प्लानिंग कर कार्य करने की जरूरत है, क्योंकि इन इलाकों में रहने वाले लोग बारिश के सीजन में हर बार जलभराव के चलते बहुत परेशान रहते हैं। हालत ये होती है कि सैकड़ों परिवारों के घरों में नाले-नालियों का गंदा पानी भरने से लोगों के घरों में चूल्हे तक जलाने की स्थिति नहीं रहती। इसी तरह शहर के अवंति विहार से सटी कुछ बस्तियों और कॉलोनियों को जलभराव से बचाने नाले की योजना पर काम शुरू किया गया है।

देशभर में इस प्रोजेक्ट के लिए 11 शहरों को लिया गया, गंदे पानी निकास के लिए बनेंगी नालियां, कंक्रीटीकरण होगा

मिली 222 करोड़ की स्वीकृति

केंद्र सरकार के अर्बन नेशनल फ्लड मैनेजमेंट प्रोजेक्ट के तहत रायपुर नगर निगम को शामिल किया गया है। इसमें 222 करोड़ की स्वीकृति भी मिली है। शहर में जलभराव वाले क्षेत्रों को सूचीबद्ध कर समस्या के स्थायी समाधान के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कराए जाएंगे।

- मीनल चौबे, महापौर, रायपुर नगर निगम

इन इलाकों में होता है जलभराव

अनुपम नगर नाला क्षेत्र, अवंति बाई चौक, शक्तिनगर, जगन्नाथ नगर, गांधी नगर, अणुव्रत रेसीडेंसी मुख्य मार्ग, शंकरनगर चौक, आनंद नगर, केनाल रोड नाला, तीनमुंहा नाला, परशुरामनगर, टैगोर नगर में देवी लक्ष्मी हास्पिटल के पीछे, घासपारा, वाल्मीकि नगर, जयश्रीराम नगर, झाझापारा, मांझीपारा, कोयला गली, साम्राज्य रेसीडेंसी के पास, गांधीनगर, शिवानंद नगर, नया तालाब के पास। पं. जवाहरलाल नेहरू वार्ड- अटल आवास आदर्श चौक के पास, रामकृष्ण परमहंस वार्ड- मारुति लाइफ स्टाइल के सामने, शहीद भगतसिंह वार्ड- गोपाल पांडे ढांचा भवन से बिजली आफिस वाला एरिया। माधवराव सप्रे वार्ड - रायपुरा का सत्यमविहार इलाका, संत रविदास वार्ड - चंदनीडीह, पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड - नूरानी चौक गली नंबर 1, 2, 3, अरमान नाला, इसके अलावा सत्ती बाजार में गद्दा लाइन, गणेश मंदिर के पास, पतंग गली, गौरीशंकर मंदिर बूढ़ापारा, सिविल लाइन में आकाशवाणी चौक के पास, आंबेडकर चौक, सतपथी चौक, संत कंवरराम स्कूल के पास, डॉ. सोलंकी गली नंबर 7 दयानंद नगर, कटोरा तालाब क्षेत्र, पं. ईश्वर चरण शुक्ल वार्ड - डूमरतालाब, विप्र कालेज क्षेत्र। शहीद मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड - वाटिका नगर सिद्धेश्वर मंदिर के पीछे, सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड - गोकुलनगर, गोपालनगर, संत रामदास वार्ड कलिंग नगर, ओड़िया बस्ती, बड़े रामनगर क्षेत्र। तात्यापारा वार्ड- अंगारमोती मंदिर के सामने सड़क पर, शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड- रामकुंड बस्ती, उछला तालाब क्षेत्र, स्वामी आत्मानंद वार्ड - गीतानगर, अर्जुन नगर, राखी नगर बस्ती, वामनराव लाखे वार्ड - प्रोफेसर कालोनी सेक्टर 1 से सेक्टर 3 तक। इसी प्रकार तेलघानी नाका अंडरब्रिज रामनगर एरिया में जलभराव की समस्या से निपटने नगर निगम और जिला प्रशासन अब तक ठोस कदम नहीं उठा पाया है।

छत्तीसगढ़ संघर्ष परिषद के प्रादेशिक सम्मेलन की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ संघर्ष परिषद की 21 जनवरी को होने वाले प्रादेशिक कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी बैठक संगठन के संरक्षक पूर्व मंत्री अमितेष शुक्ल की मुख्य उपस्थिति में हुई। बैठक में प्रदेश में बढ़ी हुई विद्युत दरों से जनता को हो रही परेशानी पर भी चिंता व्यक्त की गई। इस के लिए संगठन मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष एवं विद्युत नियामक आयोग के प्रबंधक को ज्ञापन सौंपकर पूर्व की भांति विद्युत दर निर्धारित कराने की मांग करेगा। मांग पूर्ण नहीं होने पर आगे आंदोलन किया जाएगा। श्री शुक्ल ने बैठक में उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम को लेकर हमारी प्रथम बैठक है, हम सभी राज्य निर्माण आंदोलन के साथी हैं, जो शहीद विद्याचरण शुक्ल के नेतृत्व में हर चरण के आंदोलनों में साथ रहे, हम संगठन के प्रदेश के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों तक संपर्क कर कार्यक्रम को पूर्ण सफल बनाएंगे। महामंत्री रामअवतार देवांगन ने कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए विभिन्न कमेटियों के गठन का सुझाव दिया। बैठक में प्रवक्ता नितिन कुमार झा, डॉ. उदयभान सिंह चौहान, प्रवक्ता नितिन कुमार झा ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए प्रादेशिक सम्मेलन के कार्यक्रम संयोजक का प्रस्ताव रखा, जिसे सभी ने अपना समर्थन दिया। बैठक में नितिन कुमार झा, बीरेश शुक्ला, आभा मुदलियार, अधिवक्ता मनोज ठाकुर एवं सुनील बाजारी ने भी अपने विचार रखते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने का आव्हान किया। बैठक में विकास गुप्ता, शिरीष अवस्थी, अखिलेश जोशी, डॉ. अजय शर्मा, संतोष शर्मा, रवि शर्मा, राहुल शुक्ला, चैतन्यधर दीवान अम्लेश्वर, रामचरण यादव, नरेश साहू, अमरजीत कौर, मीरा तिवारी, मंदाकिनी साहू, सावित्री कश्यप, मनू सरदार, हामिद खान आदि उपस्थित थे।

- प्रदेश में बढ़ी हुई विद्युत दरों से जनता को हो रही परेशानी पर भी चिंता जताई

संत बाबा गेलाराम का वर्सी महोत्सव 8 से, सेवादारों को बांटी जिम्मेदारी

रायपुर। देवपुरी स्थित गोदड़ीवाला धाम में तीन दिवसीय 8 से 10 दिसंबर तक संत बाबा गेलाराम साहेब का वर्सी महोत्सव मनाया जाएगा। यह कार्यक्रम संत बाबा हरदासराम साहेब, महंत साईं देवीदास, महंत अम्मा मीरा देवी के सानिध्य में धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर सिंधी समाजजनों की बैठक हुई। इस दौरान संत-महात्माओं व देशभर से आए श्रद्धालुओं के रहने के लिए आवास व्यवस्था, भंडारा साहेब, हवन व्यवस्था, झंडावंदन, भगवान झूलेलाल की बहराणा साहेब की शोभायात्रा की व्यवस्था, स्टेज व्यवस्था, निशुल्क दवाखाना व्यवस्था व अन्य 20 प्रकार की व्यवस्थाओं पर चर्चा कर सभी सेवादारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक मे सेवादारी इंदरलाल सचदेव, हरि ईसरानी, अमर गिदवानी, सतीश थौरानी, पवन प्रीतवानी, लाल खूबचंदानी, इंदर थौरानी, सुशील केसवानी, दिनेश दावानी, घनश्याम माखीजा आदि उपस्थित हुए।

स्कूटर-बाइक-कार रैली 7 दिसंबर को

साथ ही 7 दिसंबर को सुबह 11 बजे स्कूटर, बाइक एवं कार रैली निकाली जाएगी। संत बाबा गेलाराम साहेब का वर्सी महोत्सव धूमधाम, श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। तीनों दिन अनेक कार्यक्रम होंगे। मदाह साहेब, हवन यज्ञ, झंडावंदन, भगवान झूलेलाल का बहराणा साहेब, नित नेम आरतियां, भजन सत्संग, सेवा सिमरन, गोदड़ीवाले बाबा की अखंड धूनी साहब, संत-महात्माओं का सत्संग व प्रवचन, वर्सी महोत्सव में सभी पूज्य पंचायतों, पूज्य दरबारों, छत्तीसगढ़ सिंधी, साधु समाज व भारतवर्ष के अनेक गोदड़ीवाला धाम से बाबा भक्तों का आगमन होगा। संगत को आशीर्वाद देने विशेष रूप से साईं राजेश लाल साहेब अमरावती, साईं युधिष्ठिरलाल साहेब, साईं मोहन लाल साहेब व साईं हरीशलाल साहेब शिवशांति आश्रम लखनऊ, साईं मनीत कुमार, साईं कृष्णदास उदासी, साईं रामचंद वाधवा, स्वामी हरिगिरी महाराज, चोईथराम व अन्य दरबारों धमतरी व अनेक संत-महात्माओं का आशीर्वाद प्राप्त होगा। तीनों दिन अखंड भंडारा साहब भी चलता रहेगा।

नशे के खिलाफ एकजुट हुए, सौंपा जाएगा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महाराणा प्रताप उद्यान में रविवार को श्याम नगर नवजागरण विकास समिति की आवश्यक मासिक बैठक हुई। बैठक में श्याम नगर की विभिन्न समस्याओं पर गंभीरता से चर्चा हुई। इसी दौरान दीपक भारद्वाज (पोल्ले) ने आगे बताया कि वार्ड में फैले नशे के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए 19 सितंबर को रायपुर पुलिस अधीक्षक लाल उमेद सिंह और कलेक्टर गौरव सिंह को ज्ञापन सौंपा जाएगा। साथ ही सफाई, उद्यानों के रखरखाव एवं अनेक समस्याओं के निदान के लिए चर्चा हुई। बैठक में वार्ड पार्षद संतोष साहू, गुरमीत सिंह टोनी, धीरज जोधानी, व्यास पाठक, शंकर गुप्ता, दीपक पाठक, सुभाषचंद्र झा, मजीद खान, डॉ. गोपीचंद सचदेव, मंजीत भाटिया, कमलाकांत पांडे, शिव यादव, थानेंद्र साहू, अमर प्रेमचंदानी, प्रकाश बाखरू सहित वार्ड के सैकड़ों प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

हिन्दू राष्ट्र मोर्चा यात्रा समाज को एकजुट करने का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दंतेवाडा से चार दिवसीय निकली हिन्दू राष्ट्र मोर्चा यात्रा शुक्रवार को रायपुर पहुंची। यह यात्रा शिवसेना नेता धनंजय सिंह परिहार के नेतृत्व में सनातन धर्म की एकता और हिन्दू राष्ट्र की अवधारणा को मजबूत करने के लिए निकली गई है। इसके बाद शिवसेना के प्रदेश कार्यालय चौबे कॉलोनी में समापन राष्ट्र मोर्चा यात्रा निकाली गई हैं। इस मोर्चा में सैकड़ों शिवसैनिक शामिल हुए, जो जाति-पाती भेदभाव को मिटाकर हिंदू समाज को एकजुट करने का संदेश दिया गया। यह जानकारी शिवसेना के महासचिव संजय नाग ने देते हुए बताया कि यह यात्रा 11 नंबवर को दंतेश्वरी माता मंदिर से पूजा अर्चना के बाद प्रारंभ की गई, जो कि दंतेवाड़ा से गिदम, जगदलपुर, कोण्डागांव, फरसगांव, केशकाल घाटी होते हुए कांकेर, भानुप्रतापपुर होते हुए चारामा, धमतरी से कुरूद, अभनपुर पचपेड़ी नाका होते हुए गांव-गांव गली-गली में जाकर नुक्कड़ - नुक्कड़ जाकर हिंदुओं को जगाने का काम किया गया।

बिजनेस साइट

एक्मे एकेडमी के स्थापना दिवस पर नई बिल्डिंग का लोकार्पण

रायपुर। एक्मे एकेडमी के 10वें स्थापना दिवस पर 14 नवंबर को नई एक्मे बिल्डिंग का भव्य शुभारंभ किया गया। लोकार्पण समारोह में शहर के कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। भवन का उद्घाटन भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव एवं एनआईटी रायपुर की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दीपमाला शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। एक्मे एकेडमी की स्थापना 14 नवंबर 2015 को कार्तिकेय पांडेय द्वारा की गई थी। बीते दशक में संस्थान ने एमसीए प्रवेश परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता अर्जित करते हुए 2000 से अधिक विद्यार्थियों का चयन देश के शीर्ष संस्थानों-एनआईटी, ट्रिपल-आईटी, बीएचयू, जेएनयू, डीयू, एचसीयू में कराया है। देशभर के छात्र यहां एनआईएमसीईटी एवं सीयूईटी की तैयारी के लिए आते हैं। संस्थान हॉस्टल-मेस सुविधाओं, मोबाइल एप तथा कानपुर स्थित ऑफलाइन केंद्र के माध्यम से छात्रों को व्यापक सहयोग प्रदान करता है। चयनित कई छात्र एनआईटी से एमसीए पूर्ण कर 50 लाख रुपए से अधिक के पैकेज पर कार्यरत हैं। संस्थापक निदेशक कार्तिकेय पांडेय व प्रबंध निदेशक सृष्टि पांडेय ने बताया कि जनवरी 2026 से सॉफ्टवेयर विकास प्रशिक्षण, प्लेसमेंट तैयारी तथा आईआईटी जैम जैसे नए कोर्स प्रारंभ किए जाएंगे।

छह किमी में 100 गैरेज, कार...

से ट्रैफिक बाधित हो रहा है। ट्रैफिक पुलिस रोड पर गाड़ी पार्क करने वाले पांच हजार से ज्यादा वाहन मालिकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई कर चुकी है। बावजूद इसके कार रिपेयरिंग तथा वॉशिंग सेंटर संचालक गाड़ियां रोड में पार्क करा रहे। कार वॉशिंग के साथ ऑटो रिपेयरिंग सेंटर भी छह किलोमीटर के दायरे में हैं। सर्विस रोड की चौड़ाई साढ़े सात मीटर है, रोड के दोनों किनारे ढाई मीटर के करीब बगैर डामर की रोड कॉलर है। कार वॉशिंग सेंटर तथा ऑटो रिपेयर करने वाले ऑटो मैकेनिक कार तथा अन्य वाहन रोड कॉलर की खाली जगह पर गाड़ियां पार्क कर गाड़ी रिपेयर करते हैं। इसी तरह कार वॉश करने वाले संचालक सर्विसिंग के लिए आई कार रोड किनारे खड़ी कर देते हैं। इसके चलते जाम की स्थिति निर्मित होती है। संतोषी नगर से भाठागांव जाने वाले सर्विस रोड की हालत और भी ज्यादा खराब है। सबसे ज्यादा जाम की स्थिति इसी मार्ग पर निर्मित होती है।

कैंडिडेट ने सुनाया सैयारा ...

उससे जुड़े सवाल पूछे जा रहे हैं। सवाल भी इस तरह के पूछे जा रहे हैं, जिसके जवाब में कई कैंडिडेट को गाना भी सुनाना पड़ गया। प्रति उम्मीदवार साक्षात्कार में 25 से 40 मिनट तक का समय लग रहा है। गौरतलब है कि प्रारंभिक परीक्षा के नतीजे मार्च 2025 में जारी किए गए थे। 3737 अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए चुना गया था। मुख्य परीक्षा 26 से 29 जून तक आयोजित हुई थी। इसके आधार पर 643 अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए चुना गया है। इनका साक्षात्कार जारी है। वहीं, कोचिंग विशेषज्ञ अंकित अग्रवाल का कहना है कि इस बार प्रश्नों का स्तर पिछले वर्षों की तुलना में बेहतर है। कैंडिडेट्स से यूपीएससी स्तर के सवाल पूछे जा रहे हैं।

पेज 11 के शेष ...

रेलवे स्टेशन पर सीआईएफ...

दिया और आरपीएफ को जांच का सही तरीका समझाया। उन्होंने बताया कि जांच करते समय सामान की आकृति पर विशेष ध्यान देना चाहिए और किसी भी वस्तु पर संदेह होने पर तुरंत गहन जांच सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके अलावा टीम ने मशीन में बैग रखने के सही तरीके से लेकर कंप्यूटर स्क्रीन पर दिखाई देने वाली आकृतियों को समझने की बारीकियां भी साझा कीं, ताकि कोई संदिग्ध व्यक्ति सुरक्षा जांच को चकमा न दे सके। दिल्ली धमाके के बाद आरपीएफ अलर्ट मोड में है। सीसी टीवी और बैग स्केनर मशीन से प्लेटफार्म से जाने वाले यात्रियों का बैग चेक किया जा रहा है। ***पटरी पार और चेन पुलिंग के मामलों पर सख्ती*** :जनवरी से अब तक रेलवे सुरक्षा बल ने 6 हजार से अधिक मामलों में कार्रवाई की है। इनमें सबसे ज्यादा 1700 मामले अवैध रूप से पटरी पार करने वालों के रहे। वहीं अनाधिकृत चेन पुलिंग के 400 से अधिक मामलों में भी जुर्माना और कार्रवाई की गई है। इसके अलावा स्टेशन परिसर के नो पार्किंग जोन में वाहन खड़े करने पर 1900 से अधिक लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है।

एनएसजी कमांडोज ने...

टीम ने प्लेटफार्म, रेलवे ट्रैक, ट्रेनों, पार्सल एरिया, वेटिंग हॉल और यात्रियों की आवाजाही वाली जगहों पर बारीकी से जांच की। उन्होंने बताया कि कई बार अपराधी समान रास्तों से नहीं आते, इसलिए जांच के तरीके भी रणनीतिक होने चाहिए। इसके अलावा, डॉग स्क्वॉड की भूमिका और उसे प्रभावी तरीके से कैसे इस्तेमाल किया जाए, इसकी भी विस्तृत जानकारी दी गई। कमांडोज ने समझाया कि कैसे छोटी-छोटी गतिविधियों को नजरअंदाज करने से खतरा बढ़ सकता है, इसलिए हर संदिग्ध गतिविधि की गहराई से जांच जरूरी है।

कमिश्नर हेल्थ सर्विस पहुंची...

सेवायें ने विस्तृत समीक्षा की। सभी के उत्तरदायित्वों का स्पष्ट निर्धारण के भी निर्देश दिए। वर्ष के अंत में सभी का कार्य मूल्यांकन उसी आधार पर किया जाएगा। बांड डॉक्टर्स के संदर्भ में भी रोस्टरवार सभी की सभी शाखा की ड्यूटी लगाई जाए, ताकि उनका अच्छे से प्रशिक्षण भी हो सके और वे भी अस्पताल के संदर्भ में अपने उत्तरदायित्व का अच्छे से निर्वहन कर सकें। डॉ. प्रियंका ने सहृदयता और संवेदनशीलता के साथ अस्पताल में आए सभी मरीजों का गुणवत्तापूर्वक इलाज करने के निर्देश भी दिए, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों से आ रहे मरीजों को अच्छे से अच्छा इलाज जिला अस्पताल में मुहैया कराया जा सके। उन्होंने पूरे जिला अस्पताल की हर शाखा, लैब इत्यादि का निरीक्षण कर उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का जायजा भी लिया। जिला अस्पताल के निरीक्षण के पूर्व डॉ. प्रियंका ने धान खरीदी की तैयारी के परिप्रेक्ष्य में धान खरीदी केंद्रों का भ्रमण भी किया, साथ ही कलेक्टर दंतेवाड़ा के साथ संबंधित अधिकारियों की बैठक भी ली।

आंबेडकर अस्पताल की सुरक्षा...

होगी। इन सब बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए अस्पताल प्रबंधन द्वारा दोनों व्यवस्थाओं पर आवश्यकता और कारणों का पता लगाने के लिए डॉक्टरों की पांच सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। कमेटी बिंदुवार सफाई और सुरक्षा के लिए स्थान चिन्हित कर सफाई और सुरक्षा कर्मचारियों की आवश्यकता पर रिपोर्ट तैयार करेगी। इस रिपोर्ट के आधार पर कॉलेज प्रबंधन आने वाले दिनों में दोनों कार्यों के लिए एजेंसी तय करने आने वाले दिनों में टेंडर जारी करेगी। वर्तमान में काम करने वाली संस्था का कार्यकाल जल्दी पूर्ण होने वाला है।

गुमशुदा सूचना

धर्मेन्द्र निषाद

धर्मेन्द्र निषाद (22 वर्ष) पिता रामप्रसाद निषाद, निवासी- ग्राम कुरुद भाठापारा, थाना-जामुल, जिला-दुर्ग (छ.ग.) का निवासी है। 23/10/2025 को जनता क्वाटर न्यू राजेंद्र नगर रायपुर (छ.ग.) से दोपहर 2 बजे के बाद से लापता है। रंग-गोरा, चेहरा-गोल, हाइट-4.5'', गूंगा है, बांये हाथ-पैर से विकलांग, पढ़ा लिखा नहीं है, हरा टीशर्ट एवं बैंगनी लोवर पहना हुआ है। किसी व्यक्ति को मिले या दिखे तो नीचे लिखे नंबर पर संपर्क करें।

रामप्रसाद निषाद
मो. 6262558763, 9300930015

प्राचार्य काउंसिलिंग फिर अटकी, 72 घंटे तक दावा आपत्ति, समिति करेगी निपटारा, फिर मिलेगी पदोन्नति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अलग खबर

प्रदेशभर के प्राचार्यों की पदोन्नति पर एक बार फिर रोक लग गई है। इस बार लोक शिक्षण संचालनालय ने अवकाश के दिन आदेश जारी कर इसे स्थगित किया है। अप्रैल माह में प्रदेश के 1478 प्रधान पाठकों और व्याख्याताओं की सूची जारी की गई थी, जिन्हें प्राचार्य पद पर पदोन्नत किया जाना था। उस वक्त एक व्याख्याता ने कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका दायर किए जाने के कारण न्यायालय ने पदोन्नति पर स्टे लगा दिया था। कुछ दिनों पूर्व अंतिम निर्णय सुनाते हुए पदोन्नति को सही ठहराया गया और काउंसिलिंग पर लगे स्टे को हटाया गया। लोक शिक्षण संचालनालय ने काउंसिलिंग के लिए 17 से 19 नवंबर का समय निर्धारित किया था। अब इसे भी स्थगित कर दिया गया है। जिन 1478 प्रधान पाठकों और व्याख्याताओं को पदोन्नति दी जानी है, उनमें से 126 पदोन्नत प्राचार्य सेवानिवृत्त हो चुके हैं और इस महीने 24 प्राचार्य रिटायर होंगे।

अप्रैल माह में दी गई थी 1478 प्राचार्यों को पदोन्नति, मामला कोर्ट में होने के कारण नहीं दी गई

तत्काल करें आपत्तियों का निराकरण

विभिन्न शिक्षक संघ ने भी पारदर्शिता के साथ तत्परता बरतने की मांग की है। छग शिक्षक संघ के अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा, पहले ही पदोन्नति में विलंब हो चुका है। शासन से आग्रह है कि तत्काल आपत्तियों का निराकरण करें, ताकि नंवबर माह में जो साथ रिटायर हो रहे हैं, उन्हें लाभ मिल सके। वहीं शालेय शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष वीरेंद्र दुबे ने कहा, प्राचार्य पदोन्नति में कुछ व्याख्याता अपनी प्रथम नियुक्ति छुपाकर गलत तरीके से अपना पदोन्नति लिस्ट में स्थान पाने में सफल हुए है। पदोन्नति लिस्ट को परीक्षण करने के पश्चात हो काउंसलिंग किया जाए।

21 को रिपोर्ट देगी कमेटी

डीपीआई द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार, कुछ प्राचार्यों ने दावा-आपत्ति में अपना पक्ष रखने निवेदन किया है। इसके आधार पर काउंसिलिंग स्थगित कर दी गई है। वे लोक शिक्षण संचालनालय में 17 से 19 नवंबर तक पक्ष रख सकेंगे। अन्य शिक्षक, व्याख्याता अथवा प्रधान पाठक भी इस अवधि में दावा आपत्ति पेश कर सकेंगे। इन दावा आपत्तियों के निपटान के लिए कमेटी गठित की गई है, जिसे 21 नवंबर तक डीपीआई को रिपोर्ट देनी होगी। कमेटी में उप संचालक बीए देवांगन, सहायक संचालक एससी दिलावर व राम जी पाल सहित सूरज यादव व कृष्ण मेश्राम के नाम शामिल हैं।

मामला... तब और अब

गौरतलब है कि पूर्व में जिस याचिकाकर्ता की याचिका के कारण पदोन्नति अटकी थी, उसे कुछ वर्ष पूर्व प्राधन पाठक से व्याख्याता के पद पर पदस्थ किया गया था। प्रधानपाठक और व्याख्याताओं को उनकी वरिष्ठता के आधार पर प्राचार्य पद पर पदोन्नत किया जाना है। याचिकाकर्ता वरिष्ठता प्रधान पाठक के पद के स्थान पर व्याख्याता पद के आधार पर तय की गई। इस कारण प्राचार्य सूची में उसका नाम नहीं आ सका। इसके विरोध में उसके न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। अब पदोन्नत किए गए प्राचार्यों की सूची पर कई शिक्षकों ने दावा-आपत्ति पेश करने निवेदन किया है। आवेदनों की संख्या को देखते हुए अब दावा-आपत्ति मंगाई जाएगी। इनके निपटान के बाद पदोन्नत प्राचार्य की अंतिम सूची जारी होगी, जिन्हें काउंसिलिंग के बाद पोस्टिंग दी जाएगी।

खबर संक्षेप

'परम जीवन के सरल सूत्र' पुस्तक का किया लोकार्पण

रायपुर। शांतिनगर के मधु पिल्ले चौक पर स्थित विमतारा भवन में रविवार को वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. एचपी सिन्हा द्वारा रचित प्रेरणादायी पुस्तक 'परम जीवन के सरल सूत्र' का लोकार्पण समारोह हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि यह पुस्तक अध्यात्म पथिकों के लिए मील का पत्थर साबित होगी। विशिष्ट अतिथि पवन साय ने भी पुस्तक की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसी पुस्तकें सभी जिज्ञासुओं के लिए मार्गदर्शक का कार्य करती हैं। इसी दौरान डॉ. सिन्हा ने कहा कि यह रचना आत्मबोध और आनंद एवं शांति से परिपूर्ण जीवन प्राप्त करने में अत्यंत सहयोगी होगी। डॉ. मनीषा सिन्हा ने डॉ. सिन्हा के आध्यात्मिक, पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन पर प्रकाश डाला और डॉ. गीतेश अमरोहित ने मुख्य वक्ता के रूप पुस्तक की विस्तार से समीक्षा की। कार्यक्रम के सुव्यवस्थित आयोजन में अजंता चौधरी, महेंद्र तिवारी, दीपक व्यास, प्रवीण गोलछा एवं शुभ्रा ठाकुर ने विशेष भूमिका निभाई।

गुरु घासीदास जयंती की तैयारी में जुटा समाज

रायपुर। गुरु घासीदास जयंती, शोभायात्रा व युवक-युवती परिचय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर रविवार को न्यू राजेंद्रनगर स्थित गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी भवन में सतनामी समाज की बैठक हुई, जिसमें चार दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा बनाकर समाजजनों को अपने सबसे बड़े त्योहार व शोभायात्रा की तैयारी में जुट जाने का आव्हान किया गया। अकादमी के अध्यक्ष केपी खण्डे एवं प्रवक्ता चेतन चंदेल ने बताया कि राजधानी में आगामी 16 दिसंबर को परंपरानुसार आमापारा प्लाजा से पंथी व गुरुजी के संदेशों को प्रदर्शित करती हुई आकर्षक झांकियों के साथ सात श्वेत ध्वजवाहक संतों की अगवाई में विशाल शोभायात्रा निकलेगी। 17 दिसंबर को महिलाओं का सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। 18 दिसंबर को जन्मोत्सव पर ध्वजारोहण, पंथी नृत्य, संगोष्ठी व अलंकरण समारोह जैसे कई आयोजन होंगे। 4 जनवरी को शहीद स्मारक भवन में राष्ट्रस्तरीय सतनामी युवक-युवती परिचय सम्मेलन का कार्यक्रम होगा, जिसमें देशभर से प्रतिभागी शामिल होंगे। बैठक में शकुन डहरिया, डॉ. जेआर सोनी, डीएस पात्रे, सुंदर लहरे, आरके गेंदले, सुंदरलाल जोगी, जीआर बाघमारे, कपिल नारायण भारद्वाज, सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

सहकारिता के माध्यम से ही संभव है ग्रामीणों का विकास

रायपुर। भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ मर्यादित नई दिल्ली द्वारा प्राप्त कार्यक्रम अनुसार राज्य में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ और जिला सहकारी संघ द्वारा 72वां अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह के अंतर्गत विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में रविवार को तृतीय दिवस का कार्यक्रम जिला संघ चौबे कॉलोनी में सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण विकास को गति देना विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में पुरुषोत्तम सोनी जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक द्वारा विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि भारत के ग्रामीण कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जिसमें खंडित भूमि, जो मौसम और अनौपचारिक रोजगार, कृषि मूल्य का कम मूल्यांकन, बाजारों तक सीमित पहुंच है। सहकारी समितियां संसाधन को एकत्रित करने, लेन-देन की लागत कम करने, जोखिम साझा करने और उत्पादक व ग्रामीण सेवा प्रदाताओं के लिए सामूहिक सौदेबाजी की शक्ति निर्मित करने का साधन हैं, जिसके द्वारा ग्रामीण, कृषकों एवं महिलाओं के आर्थिक विकास को मजबूत किया जा सकता है।

रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, अस्पताल, सार्वजनिक स्थलों पर ठंड से परेशान हो रहे आमजन

कड़ाके की ठंड से ठिठुरन बढ़ी, इलेक्ट्रॉनिक अलाव नगर निगम की आलमारी में बंद

अगहन महीने में कड़ाके की ठंड के चलते प्रदेशभर में शीतलहर से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। राजधानी रायपुर में भी सुबह और देर शाम ठिठुरन बढ़ने से लोगों को अलाव की जरूरत महसूस होने लगी है। वहीं शहरवासियों को राहत दिलाने निगम प्रशासन ने अब तक शहर में अलाव की व्यवस्था नहीं की है। लोगों को नगर निगम के अलाव का इंतजार है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

शहर के सार्वजनिक स्थानों जैसे रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, आमापारा सब्जी बाजार, शास्त्री बाजार, अस्पताल सहित सार्वजनिक स्थलों पर लोग ठंडी हवा से परेशान हैं। उन्हें ठिठुरन से राहत दिलाने नगर निगम ने अब तक कोई व्यवस्था नहीं की है। दस जोन कमिश्नरी में शहरवासियों को ठंडक से राहत दिलाने वाली इलेक्ट्रॉनिक सिगड़ी अभी भी जोन दफ्तर की आलमारी से बाहर नहीं निकल पाई है। करीब दर्जनभर सिगड़ी से नगर निगम लोगों को ठंड से राहत दिलाने का इंतजाम करता है। ऐसे में निगम अफसरों की उदासीनता के चलते लोग सर्दी के मौसम में ठिठुरने मजबूर हैं। खासकर के राहगीर, कामकाजी लोग, ठेला, रिक्शा, गुमटी चलाने वाले, फेरी लगाने वाले, फुटकर व्यवसाय करने वालों को ठंड से राहत नहीं मिल पा रही है। हालत ये है कि नवंबर माह के दूसरा पखवाड़ा शुरू होने के बाद भी रायपुर नगर निगम ने शहर की दो दर्जन जगहों पर अलाव की व्यवस्था नहीं की है। इससे लोगों को खासी परेशानी उठानी पड़ रही है।

खास बातें

- जोन दफ्तरों की आलमारी में बंद पड़ी है इलेक्ट्रानिक सिगड़ी, अब तक निगम प्रशासन ने जारी नहीं किए आदेश
- लकड़ी और गोबर के कंडे से अलाव जलाने का सिलसिला सालों से बंद, प्रदूषण का हवाला

इन स्थानों पर अलाव की रहेगी व्यवस्था

गुढ़ियारी पड़ाव, खमतराई बाजार, आमापारा चौक, लाखेनगर चौक, पुरानी बस्ती, समता कालोनी अग्रसेन चौक, कबीर चौक रामनगर, भाठागांव बस स्टैंड चौक के पास, डगनिया बाजार चौक, भनपुरी बाजार चौक, गोगांव, पचपेड़ीनाका ब्रिज के पास, टिकरापारा क्षेत्र, टाटीबंध चौक, महोबाबाजार, शंकर नगर हाट-बाजार के पास, गांधी उद्यान, तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पास, जयस्तंभ चौक, शारदा चौक, रेलवे स्टेशन क्षेत्र, सुंदर नगर चौक, रायपुरा ब्रिज के पास समेत अन्य चिन्हांकित क्षेत्र शामिल हैं।

जल्द होगी अलाव की व्यवस्था

राजधानीवासियों को ठंड से राहत दिलाने नगर निगम के 10 जोन क्षेत्रों के सार्वजनिक स्थानों, बाजार क्षेत्रों और चिन्हांकित इलाकों में अलाव की व्यवस्था जल्द की जाएगी। इसके लिए सभी जोन कमिश्नरों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे।

- मीनल चौबे, महापौर ननि रायपुर

गोबर के कंडे और लकड़ी से

नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा पूर्व में गोठानों के माध्यम से गोबर से बने कंडे और गोकाष्ठ महिला समूहों से क्रय कर शहर में अलाव जलाने की व्यवस्था की जाती थी। अलाव जलने से देर शाम कामकाज के सिलसिले में आने-जाने वालों, मुसाफिरों और जरूरतमंदों को ठंड से राहत मिलती थी। वहीं आसपास के लोग भी सामूहिक रूप से अलाव तापने एक जगह इकट्ठे हुआ करते, पर बाद में गोकाष्ठ और कंडे जलाने से पर्यावरण प्रदूषण होने का हवाला देते हुए इसकी जगह जोन के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक सिगड़ी से लोगों को ठंड से राहत दिलाने का इंतजाम शुरू किया गया।

कहा- धान खरीदी को पर्व के रूप में मनाएं

कलेक्टर ने ली धान खरीदी की समीक्षा बैठक, दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर जिले में धान खरीदी की शुरुआत हो चुकी है। जिले के 139 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। किसानों के बैठने के लिए विश्राम गृह, पीने के पानी एवं शौचालय सहित सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने धान खरीदी केंद्रों में लगाए गए नोडल अधिकारी एवं समिति प्रबंधकों, पटवारी, कृषि विस्तार अधिकारी और पंचायत सचिव इत्यादि की बैठक ली। डॉ. सिंह ने उन्हें संबोधित करते हुए कहा कि धान खरीदी वर्तमान शासन का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। धान खरीदी को हम पर्व की तरह मनाएं, इस कार्य में योगदान देने वाले सारे अधिकारी-कर्मचारी पूर्ण मनोयोग से इसे क्रियान्वित करें। हम सब एक परिवार की तरह हैं। पहले भी शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं, अभियान और कार्य को हमने सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया है, इसे भी मिलकर अच्छे से करेंगे। धान खरीदी केंद्रों में हरसंभव व्यवस्था की गई है। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर मार्गदर्शन प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि तकनीकी सहायता से लिए जिला प्रशासन द्वारा तकनीकी सहायता के लिए प्रशिक्षण वीडियो भी तैयार किया जा रहा है। एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि धान खरीदी के कार्य को सारे विभाग समन्वय बनाकर कार्य करेंगे। कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होने पर पुलिस को सूचित करें। इस कार्य पर बाधा डालने वाले तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

धान खरीदी में बाधा डाली, 4 कर्मियों पर एफआईआर

रायपुर। जिले में 15 नवंबर से धान खरीदी की शुरुआत हो चुकी है, वहीं सहकारी समितियों के कर्मचारी हड़ताल पर हैं। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने धान खरीदी में बाधा पहुंचाने वाले कर्मियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके चलते सहकारी समिति प्रबंधकों ने चार कर्मचारियों कौशल शर्मा, बृजमोहन देवांगन, रामकुमार वर्मा एवं पोषण लाल धुरंधर के खिलाफ एस्मा के तहत एफआईआर दर्ज कराई है।

पहले दिन जितनी खरीदी, अब तक उतनी ही मात्रा में अवैध परिवहन करते धान जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होने के पूर्व से ही प्रदेश में अवैध परिवहन से आने वाले धान की कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पिछले 1 से 16 नवंबर तक लगभग 19 हजार 320 क्विंटल धान जब्त किया गया है। संयोग की बात है कि 15 नवंबर को प्रदेश में धान खरीदी के पहले दिन लगभग 19464 क्विंटल धान की खरीदी की गई थी। मार्कफेड द्वारा राज्य में अवैध परिवहन के जरिए अन्य राज्यों से छत्तीसगढ़ आने वाले धान को रोकने के लिए राज्य के सीमावर्ती जिलों में चेकपोस्ट और कलेक्टर की अध्यक्षता में टॉस्कफोर्स भी बनाई गई है। मार्कफेड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 1 से 16 नवंबर की अवधि में सीमावर्ती विभिन्न जिलों से छत्तीसगढ़ राज्य में अवैध परिवहन के माध्यम से आने वाले धान में सर्वाधिक महासमुंद जिले में 4266 क्विंटल धान जब्त किया गया है। वहीं बलरामपुर जिले में 4139 क्विंटल, सूरजपुर जिले में 1750 क्विंटल, रायगढ़ जिले में 1201 क्विंटल, जशपुर जिले में 1157 क्विंटल, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में 967 क्विंटल, कोण्डागांव जिले में 869 क्विंटल, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 687 क्विंटल, राजनांदगांव 607 क्विंटल, मुंगेली में 490 क्विंटल, बलौदाबाजार में 386 क्विंटल, बिलासपुर में 273 क्विंटल समेत अन्य जिलों में भी धान जब्त किया गया।

कोंडागांव में 231 क्विंटल धान जब्त

उल्लेखनीय है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के पूर्व प्रदेश में अवैध धान परिवहन और संग्रहण पर सख्त निगरानी जारी रखते हुए रविवार को दो महत्वपूर्ण कार्रवाईयां की गईं। मार्कफेड के इंटीग्रेटेड कंट्रोल सिस्टम से प्राप्त 600 बैग (231.5 क्विंटल) अवैध धान संबंधी अलर्ट पर तत्काल कार्रवाई करते हुए कोंडागांव जिले की टीम ने मौके पर पहुंचकर धान जब्त किया। सीमावर्ती जिलों में निगरानी बढ़ाए जाने और त्वरित अलर्ट-रिस्पॉन्स सिस्टम की बदौलत अन्य राज्यों से धान की अवैध आमद को रोकने में प्रभावी सफलता मिल रही है।

घर के बाहर बने शेड से 222 कट्टा धान बरामद

इसी क्रम में रात्रि गश्त के दौरान ग्राम त्रिशूली थाना सनवाल क्षेत्र में अशोक सिंह पिता रामचरित्र के घर के बाहर बने शेड में दो अलग-अलग स्थानों पर कुल 222 कट्टा धान पाया गया। विवाद की स्थिति को देखते हुए दिन में पुनः तहसीलदार रामचंद्रपुरपुर, थाना प्रभारी सनवाल, महिला पुलिस तथा मंडी कर्मचारियों की मौजूदगी में विस्तृत जांच की गई और धान की विधिवत जब्ती की कार्रवाई पूरी की गई।

पुलिस और जिला प्रशासन कर रहे कार्रवाई

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मार्कफेड द्वारा धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए एकीकृत कंट्रोल सेंटर के माध्यम से रियल-टाइम निगरानी की जा रही है। साथ ही अवैध परिवहन के माध्यम से राज्य में आने वाले धान को रोकने के लिए पुलिस और जिला प्रशासन द्वारा सतत निगरानी रखी जा रही है।

वैक्सीन की अतिरिक्त खुराक भेजी गई

डॉग बाइट की घटनाओं में बढ़ोतरी स्वास्थ्य केंद्रों में पहुंची एंटी रैबीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

जिले में बढ़ रही डॉग बाइट की घटनाओं को देखते हुए स्वास्थ्य केंद्रों में एंटी रैबीज वैक्सीन की अतिरिक्त सप्लाई की गई है। पीएचसी, सीएचसी के साथ जिला अस्पताल में भी दवा का अतिरिक्त स्टॉक भेजा गया है। इसके अलावा सीजीएमएससी के गोदाम में भी अतिरिक्त स्टॉक रखा गया है। रायपुर जिले में कुत्ते के काटने की घटनाएं काफी अधिक होती हैं और अब तक केस 13 हजार के लगभग हो गए हैं।

- पीएचसी, सीएचसी के साथ जिला अस्पताल में सप्लाई, गोदाम में भी रिजर्व

रैबीज की आशंका को कम करने और आवारा कुत्तों को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न तरह की योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इधर डॉग बाइट का शिकार होने वालों को रैबीज के संक्रमण से बचाने के लिए

पर्याप्त संख्या में एंटी रैबीज वैक्सीन रखने की व्यवस्था की गई है। पिछले दिनों कुछ स्वास्थ्य केंद्रों में रैबीज वैक्सीन का स्टॉक समाप्त होने की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद विभागीय हलचल हुई और प्राथमिक से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पताल में इस वैक्सीन की अतिरिक्त डोज पहुंचाई गई है। साथ ही रायपुर जिले के कोटे में सीजीएमएससी के गोदाम में 15 हजार से ज्यादा वैक्सीन स्टॉक में रखी गई है। डॉग बाइट का शिकार होने वालों को रैबीज से बचाव के लिए शेड्यूल के हिसाब से चार डोज लगाए जाते हैं। डॉग बाइट के मामले में रायपुर जिला काफी संवेदनशील रहा है।

कोर्ट केस करने पर महिला को उठवा लेने की धमकी

सब्जी विक्रेता ने महिला से की साढ़े पांच लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

टिकरापारा थाने में एक महिला ने सब्जी बेचने वाले के खिलाफ 5.40 लाख रुपए ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। जालसाज ने महिला को सब्जी खरीदने आने के दौरान अपने जाल में फंसाकर ठगी की घटना को अंजाम दिया। जालसाज ने महिला को समिति का सदस्य बनाकर मुनाफा देने का झांसा दिया और ठगी का शिकार बनाया। झांसे में लेने जालसाज ने महिला को बीच-बीच में मुनाफा बताकर पैसे भी दिए।

- महिला को समिति का सदस्य बनाकर झांसे में लिया

संतोषी नगर निवासी पुष्पा नामदेव उर्फ डॉली ने राजू बाघ के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि वह राजू के ठेले पर सब्जी खरीदने के लिए जाती थी। सब्जी खरीदने के दौरान जालसाज ने महिला को बीएसयूपी कॉलोनी में

सहारा जनसेवा कल्याण समिति के नाम से खुद की संस्था संचालित करने का झांसा दिया।

ऐसे दिया ठगी को अंजाम

महिला ने पुलिस को बताया कि राजू ने उसे लोगों की स्किल डेवलपमेंट कर रोजगार उपलब्ध कराने के साथ पैसे निवेश करने वालों को मुनाफा दिलाने का झांसा दिया और पुष्पा को अपनी समिति का सदस्य बनाया। साथ ही महिला को मुनाफा दिलाने एक लाख रुपए जमा कराए। महिला के अनुसार, उसने अलग-अलग किस्तों में सात लाख रुपए से ज्यादा रकम राजू के अकाउंट में जमा कराई। रकम जमा करने के एवज में महिला को राजू ने मुनाफे की रकम ट्रांसफर की।

पैसे मांगने पर मोबाइल बंद, धमकाया भी

महिला राजू के संपर्क में 2024 में आई थी। महिला ने राजू से अपनी निवेश की गई रकम वापस लौटाने को कहा, इस पर पहले राजू टालमटोल करने लगा। कुछ दिनों के बाद राजू ने अपना मोबाइल बंद कर दिया। इसके बाद महिला ने राजू के बारे में जानकारी जुटाई तो उसे राजू द्वारा किसी तरह से कोई संस्था नहीं चलाए जाने की जानकारी मिली। महिला ने पैसे वापस लौटाने राजू पर दबाव बनाया और उसके खिलाफ थाने तथा कोर्ट में केस करने की बात कही तो राजू ने महिला के साथ गाली-गलौज कर उसे उठवा लेने की धमकी देते हुए रकम लौटाने से इंकार कर दिया।

एसआईआर के प्रदेश प्रभारी जामयांग ने ली बैठक

नामग्याल बोले- एसआईआर से देश का लोकतांत्रिक ढांचा होगा मजबूत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद और एसआईआर के छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी जामयांग त्सेरिंग नामग्याल ने कहा, एसआईआर भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करेगा। इस काम को निर्वाचन आयोग कर रहा है। विपक्ष इसको लेकर क्या बोल रहा है, इसका महत्व नहीं है। आयोग अपना काम कर रहा है। पहले भी देश में एसआईआर का काम हुआ है। भाजपा इस कार्य में अपने बीएलए के जरिए यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई पात्र व्यक्ति मतदाता बनने से छूट न जाए और अपात्र व फर्जी मतदाता इस सूची में रह न जाए। श्री

नामग्याल ने रविवार को यहां कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में प्रदेश एसआईआर टोली की बैठक में कहा, एसआईआर की दृष्टि से नक्सली क्षेत्रों में आने वाली दिक्कतों के लिए भी रणनीतिक तैयारी करना है। एसआईआर देश में कोई पहली बार नहीं हो रहा है। देश में चुनावी प्रक्रिया के शुद्धिकरण और सशक्तिकरण के लिए चुनाव आयोग यह काम कर रहा है।

ये रहे बैठक में

बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, विधायक अजय चंद्राकर, शिवरतन शर्मा, प्रदेश मंत्री अमित साहू, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजय शंकर मिश्रा, खनिज विकास निगम अध्यक्ष सौरभ सिंह, एसआईआर प्रदेश कार्यालय प्रभारी मोहन पवार, प्रदेश मीडिया संयोजक हेमंत पाणिग्रही, आईटी प्रदेश संयोजक सुनील पिल्लई, वैभव वैष्णव, आलोक मेढ़ी, मनीष श्रीवास्तव, मुकेश तिवारी, अंकित द्विवेदी, वात्सल्य मूर्ति सहित एसआईआर टोली के सदस्य उपस्थित थे।

02

विद्यार्थियों ने पेश किए अपने कलेक्शन

एजुकेशन अलर्ट

केंद्रीय एवं नवोदय विद्यालयों में आवेदन शुरू, 10 हजार से ज्यादा पदों पर होगी भर्ती

रायपुर। केंद्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में टीचिंग एवं नॉन टीचिंग के पदों पर नौकरी का सपना देखने वाले उम्मीदवारों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। दरअसल, सीबीएसई की ओर से केंद्रीय विद्यालयों एवं नवोदय विद्यालयों में 10 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती के लिए ऑफिशियल नोटिफिकेन जारी किया गया है। आधिकारिक अधिसूचना के तहत KVS/NVS विद्यालय में टीचिंग एवं नॉन टीचिंग के कुल 14,967 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों पर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 14 नवंबर से शुरू हो गई है। साथ ही इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर 04 दिसंबर तक आवेदन कर सकते हैं।

यह है पात्रता मानदंड

टीजीटी, पीजीटी एवं प्रिंसिपल के पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास भारत के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से स्नातक, स्नातकोत्तर एवं बीएड या एमएड की डिग्री होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त नॉन टीचिंग के पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास स्नातक या स्नातकोत्तर व अन्य निर्धारित पात्रताएं होनी चाहिए।आवेदन करने के लिए आयु पदानुसार निर्धारित की गई है। आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 18, 30 व 35 वर्ष और अधिकतम आयु 40, 45, व 50 वर्ष निर्धारित की गई है। उम्मीदवारों को आयु-सीमा में छूट भी दी जाएगी। एससी एवं एसटी उम्मीदवारों को पांच वर्ष की छूट, ओबीसी उम्मीदवारों को तीन वर्ष की छूट और दिव्यांग उम्मीदवारों को 10 वर्ष की छूट दी जाएगी।

ऐसे होगा चयन

उम्मीदवारों का चयन टियर-1 और टियर-2 परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। टियर-1 परीक्षा में उम्मीदवारों से रीजनिंग, न्यूमेरिकल एबिलिटी, कंप्यूटर, सामान्य जागरूकता, अंग्रेजी आदि विषयों से 300 अंकों के 100 प्रश्न पूछे जाएंगे। यह परीक्षा कुल 2 घंटे के लिए आयोजित कराई जाएगी। इस परीक्षा में सफल हुए उम्मीदवारों के लिए टियर-2 परीक्षा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 100 अंकों के 70 प्रश्न पूछे जाएंगे।

छग पर्यटन विभाग शादियों के लिए लोगों को उपलब्ध करवा रहा रिसॉर्ट व लॉन, प्री वेडिंग और रिसेप्शन के लिए भी बुकिंग

छग के पहाड़ों में अब डेस्टिनेशन वेडिंग, चित्रकोट और मैनपाट रिसॉर्ट में शाही शादी, बारातियों को परोस रहे पारंपरिक व्यंजन

रायपुर। डेस्टिनेशन वेडिंग के रूप में प्रदेश के खूबसूरत पहाड़ और नेचर के बीच लोग अपनी शादी करवा रहे हैं। इस सीजन में चिल्फी घाटी, चित्रकोट जलप्रपात, जशपुर और मैनपाट में दर्जन से अधिक शादियां हो चुकी हैं। पर्यटन विभाग के ज्यादातर रिसॉर्ट लग्जरी हैं और नेचर के बीच बने हुए हैं। ऐसे में लोग थीम बेस्ट शादियों के रूप में भी इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। सीमित संख्या में मेहमानों को विवाह में बुलाया जा रहा है।

शादी का दिन हर किसी के लिए खास होता है। आजकल लोग कहीं दूर बाहर जाकर प्री वेडिंग और शादी करना पसंद कर रहे हैं। हर कोई चाहता है कि उनकी शादी कुछ अलग और यादगार हो, एक ऐसा अनुभव जो वे और उनके मेहमान लंबे समय तक याद रखें। बदलते समय के साथ अब राजधानी में भी डेस्टिनेशन वेडिंग कल्चर काफी ट्रेंड करने लगा है, जिसे लेकर अब छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग अपने रिसॉर्ट व लॉन को शादियों में इस्तेमाल करने देना शुरू कर दिया है।

60 से 70 व्यक्तियों के रुकने की व्यवस्था

पर्यटन विभाग के मुताबिक, पर्यटन के हिल स्टेशनों में बने रिसॉर्ट का क्षेत्रफल 20 एकड़ से भी अधिक फैला हुआ है। यहां 20 से अधिक कमरों की भी सुविधा है, जिसमें 60 से 70 व्यक्ति रह सकते हैं। रिसॉर्ट में अलग से लॉन की भी सुविधा है। ऐसे में डेस्टिनेशन वेडिंग करने लोगों को कोई दिक्कत नहीं हो रही है। इस सीजन में बुकिंग अधिक देखने को मिली है। मैकल पर्वत की सबसे ऊंची चोटी चिल्फी घाटी में शादियां अधिक हुई हैं। विभाग द्वारा कमरा और जगह उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके बाद रिसॉर्ट को अलग-अलग थीम में सजाया जा रहा है।

ठंडा वातावरण और प्रकृति की विविधता

छत्तीसगढ़ का शिमला कहे जाने वाले मैनपाट और जशपुर में सबसे अधिक ठंड पड़ती है। मैनपाट पहाड़ियों के ऊपर पठारी क्षेत्र में बसा हुआ है। यहां भी पर्यटन विभाग डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए रिसॉर्ट उपलब्ध करवा रहा है। दिसंबर और फरवरी के बीच यहां विवाह होंगे। यहां शादियों में तिब्बती लोगों को लाभ मिल रहा है। शादियों में तिब्बती व्यंजन मेहमानों को खिलाए जा रहे हैं। विभाग का रिसॉर्ट क्षेत्रफल फैला हुआ है। ठंडे वातावरण, प्रकृति की विविधता को देखते लोग यहां शादी करने पहुंच रहे हैं। जशपुर में भी स्थानीय लोगों के द्वारा विवाह के लिए रिसॉर्ट का उपयोग किया जा रहा है।

चित्रकोट जलप्रपात में रिसेप्शन और शादी

छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों में सबसे अधिक चित्रकोट में लोग पहुंचते हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए चित्रकूट रिसॉर्ट लोगों की पसंद बन चुकी है। रिसॉर्ट से जलप्रपात बेहद करीब है। कमरों से जलप्रपात दिखाई देता है। प्राकृतिक सौंदर्य के बीच शादी करने के लिए यहां भी शादी की बुकिंग बढ़ी है। यहां लगभग सवा लाख में एक दिन के लिए रिसॉर्ट विवाह के लिए दिया जा रहा है। लोग अपने अनुसार जगह का इस्तेमाल कर रहे हैं। विभाग का कहना है कि डेस्टिनेशन वेडिंग के जरिए छत्तीसगढ़ के पर्यटन को भी बढ़ावा मिल रहा है।

सिटी इवेंट

बच्चों ने सिंगिंग और डांसिंग में दिखाया टैलेंट, भक्ति गीतों पर नृत्य ने जीता दिल

रायपुर। मैग्नेटो द मॉल में रविवार को 5 से 12 वर्ष के बच्चों के लिए विशेष सिंगिंग और डांसिंग टैलेंट शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 70 बच्चों ने भाग लिया, जिससे पूरा माहौल बच्चों की प्रतिभा और ऊर्जा से जगमगा उठा। बच्चों ने अपने गायन से सभी का मन मोह लिया। उन्होंने दर्शकों के सामने 'छूकर मेरे मन को', 'हनुमान चालीसा', 'मेरे सपनों की रानी' और 'राम सिया राम' जैसे लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए। इन विविध प्रस्तुतियों ने माहौल को भावपूर्ण, उत्साहित

और मनोरंजक बना दिया। इसके साथ ही बच्चों के आकर्षक डांस परफॉर्मेंस और आत्मविश्वास से भरी स्टेज प्रेज़ेंटेशन ने मॉल आगंतुकों और अभिभावकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

संस्कृति और कला की बिखेरी छटा

कार्यक्रम में बच्चों ने विभिन्न राज्यों के पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति दी। इसके अलावा संस्कृति व कला से जुड़ी वीडियो भी पेश की, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतिभागियों ने सभी गानों से सकरात्मक संदेश देने का प्रयास किया। कार्यक्रम को अभिभावकों और दर्शकों से शानदार प्रतिसाद मिला और इसे बच्चों के लिए यादगार अनुभव माना गया।

ट्रिपल आईटी में देश की कला, संस्कृति और परंपराओं को जोड़ने नए केंद्र की शुरुआत

रायपुर। ट्रिपल आईटी के 27वें बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक में 'इंटरडिसिप्लिनरी सेंटर फॉर डिजिटल ह्यूमैनिटीज' की स्थापना को मंजूरी दी गई है। इस नए केंद्र का उद्देश्य भारत की समृद्ध कला, संस्कृति और परंपराओं को आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नवीनतम तकनीकी अनुसंधानों के साथ जोड़ना है। जो शोध, नवाचार और अध्ययन के लिए नए अवसर लेकर आएगा। यह केंद्र तकनीक और मानविकी के बीच रचनात्मक संवाद को बढ़ावा देगा, जहां ज्ञान और संस्कृति मिलकर नए रूप में सामने आएंगे। इस दिशा में ट्रिपल आईटी और इंदिरा कला एवं संस्कृति विश्वविद्यालय, खैरागढ़ के बीच साझा अनुसंधान और अकादमिक सहयोग के लिए एमओयू जारी की गई।

21-22 नवंबर को राष्ट्रीय कार्यशाला

नवगठित केंद्र का समन्वय मानविकी विभाग से डॉ. श्रेया यादव और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग से डॉ. श्रीवर्षाल गिपाठी द्वारा किया जा रहा है। केंद्र की पहली गतिविधि के रूप में दो-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 21 और 22 नवंबर को आयोजित की जा रही है। इसमें देशभर के प्रमुख आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी इंदौर, आईआईटी जोधपुर और आईआईटी छत्तीसगढ़ के विशेषज्ञ शामिल होंगे। संस्थान के कुलपति प्रो. ओमप्रकाश व्यास ने कहा, आधुनिक युग में सबसे बड़े नवाचार वहीं संभव हैं, जहां विभिन्न विषयों की सीमाएं मिलकर नए विचारों को जन्म देती हैं। इंटरडिसिप्लिनरी ह्यूमैनिटीज इसी दृष्टि में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह तकनीक, कला और संस्कृति को मिलाकर शोध के नए अवसर प्रदान करेगा।

राज्य स्तरीय दिव्यांग युवक-युवती परिचय सम्मेलन 21 दिसंबर को

रायपुर। अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद छत्तीसगढ़ प्रांत, मारवाड़ी युवा मंच, कान्यकुब्ज सभा, शिक्षा मंडल व सीनियर सिटीजन वेलफेयर फोरम के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क दिव्यांग युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। रविवार को संयुक्त संगठन की बैठक में 16वें राज्य स्तरीय परिचय सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा की गई, जहां सदस्यों ने 21 दिसंबर को परिचय सम्मेलन की तारीख तय की है। यह आयोजन पूर्ण रूप से निशुल्क रखा गया है, जहां दिव्यांग केवल पंजीयन मात्र से कार्यक्रम में हिस्सा ले सकते हैं।

निशुल्क कार्यक्रम का आयोजन

युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन बैरन बाजार स्थित आशीर्वाद भवन में 21दिसंबर को सुबह 9 से आयोजित किया गया है। बैठक में सेवाभावियों को प्रचार-प्रसार, व्यवस्था व समन्वय सहित विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। संगठन के प्रांताध्यक्ष सत्येंद्र अग्रवाल ने बताया कि ग्राम पंचायतों तक प्रचार सामग्री पहुंचाई जा रही है और सोशल मीडिया के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का लक्ष्य है। महामंत्री संतोष तिवारी ने कहा कि इस वर्ष पिछले रिकॉर्ड से अधिक जोड़ों का चयन करने का प्रयास रहेगा। इस दौरान विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर सम्मेलन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

कार्नर न्यूज

बच्चों में क्यूट लुक के लिए लिटल स्नोफ्लेक्स, टाइनी ट्रेंडसेटर्स, कोजी कब्स, विंटर वंडर्स डिजाइन ड्रेस

ठंड बढ़ते ही विंटर फैशन का क्रेज, बाजारों में नए ट्रेंडी डिजाइनर कलेक्शन की मांग

रायपुर। ठंड बढ़ते ही शहर में विंटर फैशन का ट्रेंड तेजी से बदलने लगा है। मार्केट में डिजाइनर गर्म कपड़ों की मांग बढ़ रही है। दुकानों में नए स्टाइलिश विंटर वियर लोगों की पहली पसंद बन गई है। खासकर कॉलेज स्टूडेंट्स, ऑफिस वर्कर्स और बच्चों के लिए इस बार कई आकर्षक और ट्रेंडी डिजाइन बाजार में लाए गए हैं। रविवार को गोल बाजार और आसपास की दुकानों में खरीदारों की भीड़ उमड़ी, जहां लोग स्टाइलिश गर्म कपड़े खरीदते नजर आए। दुकानदारों के अनुसार, विंटर सीजन में ऑफिस और कॉलेज जाने वाली लड़कियों के लिए नए स्टाइलिश जैकेट, हुडी, स्वेटर और फैशनेबल ड्रेसेस लाई गई हैं, जो उनकी पहली पसंद है। विंटर सीजन की शुरुआत के साथ ही बाजारों में रौनक बढ़ गई है, जो न्यू लूक क्रिएट कर रहे।

कम्फर्टेबल स्टाइलिश विंटर आउटफिट्स

गोल बाजार स्थित दुकान संचालक नितिन ओझा ने बताया कि इस बार विंटर सीजन में कॉलेज और ऑफिस गोइंग गर्ल्स के लिए नया डिजाइनर कलेक्शन तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी ड्रेस दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों से मंगाई गई हैं, जिन्हें खरीदारों को कम कीमत में दिया जा रहा। बाजार में कम्फर्टेबल शिक लेयर्स, कोज़ी चार्म, विंटर ब्लूम, अर्बन फ्रॉस्ट, स्नोवी एलीगेंस, फ्रॉस्टी वाइब्स, लेयर्ड लक्स, एलीगेंट ह्यूज़, कोज़ी डिवा स्टाइलिश ट्रेंडी आउटफिट्स लोगों की पहली पसंद हैं। ये ड्रेस गर्म रखने के साथ-साथ स्टाइलिश लुक भी क्रिएट कर रही। उनकी कीमत 200 से 2500 रुपए तक रखी गई है।

बच्चों के लिए फ्रॉस्टी फ्रेंड्स स्नगल स्क्वाड आउटफिट्स

गोल बाजार स्थित दुकान संचालक राहुल सेन ने बताया कि इस बार छोटे बच्चों के लिए गर्म और स्टाइलिश कपड़े पंजाब, दिल्ली, कोलकाता से लाए गए हैं। इनकी कीमत 500 से 2000 रुपए के बीच रखी गई है। विंटर कलेक्शन में बच्चों के लिए लिटल स्नोफ्लेक्स, टाइनी ट्रेंडसेटर्स, कोज़ी कब्स, विंटर वंडर्स, मिनी चिक, फ्रॉस्टी फ्रेंड्स, स्नगल स्क्वाड, लिटिल एक्सप्लोरर्स, पिंट-साइज्ड स्टाइल और स्नोवी स्प्राउट्स जैसे डिजाइनर आउटफिट्स शामिल हैं। इन कपड़ों की खासियत कि ये न केवल गर्म रखते हैं, बल्कि बच्चों को फैशनेबल और क्यूट लुक भी देते हैं।

जैकेट में फ्रॉस्टेड एलीट और अर्बन चार्मर का ट्रेंड

ऑफिस वर्क और कॉलेज गोइंग लड़कों के लिए जैकेट का ट्रेंड बढ़ गया है, जहां वे जैकेट को डिफरेंट डिजाइन में पहनना पसंद कर रहे। ये गर्म कपड़े स्टाइलिश और फैशनेबल लुक क्रिएट करते हैं, जो उन्हें क्लासी लुक देता है। बाजार में जैकेट में फ्रॉस्टेड एलीट, अर्बन चार्मर, लेयर्ड लीजेंड, कोर्टेक्स क्लासिक जैसे कई डिजाइन में जैकेट मौजूद हैं।

सिटी लाइव

ताश खेलों का भी महिलाओं ने दिवाली मिलन में लिया आनंद

रायपुर। हर त्योहार की एक अलग पहचान होती है। इसे जीवंत करने का प्रयास महाराष्ट्र मंडल के वल्लभ नगर केंद्र से जुड़ी महिलाओं ने संत ज्ञानेश्वर विद्यालय में किया। दिवाली मिलन उत्सव के साथ ही रविवार को एकादशी होने से महिलाओं ने सबसे पहले रामरक्षा स्त्रोत और हनुमान चालीसा पाठ किया। इसके बाद ताश के पत्तों का भी मनोरंजक की श्रृंखला में आनंद लिया। महिला प्रमुख अपर्णा देशमुख ने बताया कि दिवाली उत्सव हो और ताश के खेल न हो ऐसा हो ही नहीं सकता। इसलिए, इस बार केंद्र की महिलाओं ने भी उत्साह से ताश के विभिन्न खेलों का आनंद लिया। महिलाओं के लिए कई खेल बिल्कुल नए तय किए गए थे, लेकिन सभी ने इसका भरपूर लुत्फ उठाया।

उत्सव को यादगार बनाने में किया सहयोग

इस बार के आयोजन में ताश के खेल में प्रथम आशा, द्वितीय कांचन पुसदकर और तृतीय अमरजीत रहीं। फिर सभी ने स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया। इस अवसर को खास बनाने में मानसी विठालकर, शुभांगी आप्टे, अर्चना जतकर, सुहानी पवार, हर्षा और प्रतिमा ने अहम भूमिका निभाई। आगलावे, वैभवी चौधरी, शुभद्रा अगस्ती, वंदना पाटील, लीना केलकर, शोभा पाटील, सुलु हर्डीकर और श्वेता सहित उनकी टीम ने इस दिवाली मिलन को पारंपरिक तरीके से मनाने में सहयोग किया। मंजूषा चिलमवार, रोहिणी चिमोटे, उषा काकडे, सुवर्णा कस्तुरे, नंदा अगस्ती, सीमा तिघा और सुरेखा मेघावाले ने आयोजन के बीच व्यवस्था की कमान संभाली, ताकि उत्सव खास बने।

कैंपस लाइव

79 विद्यार्थियों ने स्वाभाविक श्वास पर केन्द्रित आनापान का किया अभ्यास

रायपुर। परीक्षाओं का दौर शुरू होने से पहले ही विभिन्न स्कूलों के 37 छात्रों और 42 छात्राओं ने अपने स्वाभाविक श्वास पर आधारित आनापान ध्यान का अभ्यास रविवार को किया। उन्होंने समझा कि प्रतिदिन सुबह और शाम 10-10 मिनट आनापान ध्यान का अभ्यास करने से एकाग्रता एवं सजगता बढ़ने से मेमोरी पावर बढ़ता है। एग्जामिनेशन फोबिया से मुक्ति मिलती है। जीवन में पंचशील हत्या, चोरी, नशा करने से दूर रहना, झूठ नहीं बोलना, ब्रह्मचर्य का पालन करने का महत्व समझा। इसके अलावा विद्यार्थियों ने मंगल मैत्री का महत्व समझा और अभ्यास किया। धम्मकुटी विपश्यना ध्यान केंद्र सिंगारभाठा (रायपुर) में 16 नवंबर को सुबह 08 बजे से दोपहर 02 बजे तक 10 से 17 वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आनापान ध्यान शिविर का आयोजन किया गया।

विद्यार्थियों समय से पहले ही करवा लिया था पंजीयन

इसका संचालन छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय बाल शिविर संयोजक पीके नंदी, बाल शिविर शिक्षक दीपक बोरकर एवं बाल शिविर शिक्षिका सीमा जामभूलकर और मिनल द्वारा किया गया। अभिजीत सिंह, सिद्धार्थ शुक्ला सहित कई साधक- साधिकाओं का विशेष सहयोग ध्यान शिविर को सफल बनाने में रहा। धम्म कुटी विपश्यना ध्यान केंद्र के आचार्य सीताराम साहू ने बताया कि आयोजन का हिस्सा बनने के लिए लोगों ने समय से पहले ही पंजीयन करवा लिया था। इससे सुबह तय समय पर आनापान का अभ्यास भी किया गया। शिविर की अंतिम कड़ी में आचार्य ने अभ्यास करने वाले विद्यार्थियों को बताया कि आनापान ध्यान का नियमित अभ्यास करने आत्मीय शक्तियों का विकास होगा।

धर्म लाइव

मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ में आहुति देकर परिजनों ने की 51 कुंडीय महायज्ञ के लिए स्थल पूजा

रायपुर। गायत्री परिवार ने रविवार को मंत्रोच्चार के साथ एक कुंडीय यज्ञ में आहुति देते हुए 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के लिए बिरगांव में तय किए गए स्थल का पूजन किया। महायज्ञ का आयोजन दिसंबर के आखिरी सप्ताह में होगा। भूमिपूजन के इस भक्तिमय आयोजन में विशेष रूप से रायपुर ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू, बिरगांव निगम के महापौर नंदलाल देवांगन के साथ ओमप्रकाश साहू प्रमुख रूप से शामिल हुए। राष्ट्र के शौर्य और समृद्धि के लिए होने वाले महायज्ञ का भूमिपूजन किया गया। आगामी 27 से 30 दिसंबर तक होने वाले 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ राष्ट्रीय शौर्य और समृद्धि के लिए किया जाएगा।

महायज्ञ को सफल बनाने सहभागी बनें परिजन

अखिल विश्व गायत्री परिवार के मार्गदर्शन में होने वाली 51 कुंडीय गायत्री महायज्ञ में बिरगांव निगम क्षेत्र के गायत्री परिजनों के साथ रायपुर, धरसींवा, तिल्दा और सिलयारी क्षेत्र के परिजन भी शामिल होंगे। गायत्री परिवार के जिला समन्वयक लच्छू राम निषाद, मुख्य प्रबंध ट्रस्टी श्याम बैस, सदाशिव हथमल के साथ पूर्व जोन समन्वयक दिलीप पाणिग्रही, उप जोन समन्वयक सिपी साहू, मोहन उपारकर, शंकर साहू, बिरगांव निगम के नेता प्रतिपक्ष ओमप्रकाश साहू, बेद राम साहू, पूर्व महापौर अंबिका यदु, देवांगन समाज के धर्म प्रचार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष भीखम लाल देवांगन ने भी सहभागिता निभाते हुए इस आयोजन में शामिल हुए।

रंगमंदिर में आयोजित मुक्तिबोध राष्ट्रीय नाट्य समारोह की अंतिम कड़ी का साक्षी बनने समय से पहले पहुंचे कला प्रेमी

बुंदेलखंडी संवादों ने दर्शकों को हंसाया और सजाई गांधी गाथा, राजा हरिशचंद्र नाटक ने बदल दी मोहन की सोच

'बुंदेली लहजे में संवादों का सिलसिला जैसे ही शुरू हुआ, एक समय के लिए ऐसा भी लगा जैसे गांधी जी गुजरात नहीं, बल्कि बुंदेलखंड क्षेत्र की आबोहवा के आदी थे। सौरभ अनंत के निर्देशन में सजी रंगसंगीत तथा गांधी गाथा ने रविवार की रात दर्शकों को हंसी-मजाक के साथ संवादों से गंभीर भी किया। 34 बच्चों की क्लास में रिजल्ट में 32वें स्थान पर रहने वाले मोहन को दोस्त सत्यावादी राजा हरिशचंद नाटक दिखाने क्या ले गए, उसके संवादों ने तो मोहन की सोच ही बदल दी। परिणाम भी जल्द ही एक बड़े फैसले के रूप में सामने आया। जिसके चलते मुखिया ने उन्हें गांव से बाहर निकाल दिया। कुछ इसी क्रम में गांधी की गाथा गीत- संगीत और संवादों के साथ आगे बढ़ी।'

रायपुर। छत्तीसगढ़ फिल्म एंड विजुअल आर्ट सोसायटी द्वारा रंगमंदिर में आयोजित मुक्तिबोध राष्ट्रीय नाट्य समारोह की अंतिम कड़ी का हिस्सा बनने के लिए भारी तादाद में रंगकर्मी भी दर्शक दीर्घा में समय से पहले पहुंचे। इससे अंदाजा लगा सकते हैं कि आयोजन किस तरह से कला प्रेमियों और कलाकारों के तालमेल से सजा था। इनके बीच रविवार को शाम सात से रात 10 बजे तक मंच पर दी गई प्रस्तुति ने दर्शकों को बांधे रखा। गांधी की सोच और उनके फैसलों को लेकर अडिगता ने न केवल विदेश में वकालत करने की जिद पूरी करने के बाद दक्षिण अफ्रीका यात्रा पर एक केस के सिलसिले में जा रहे थे। तभी ट्रेन में काले-गोरे के भेद का शिकार होते हैं। इसके बाद अंग्रेजों के खिलाफ उनकी पहली वैचारिक लड़ाई शुरू होती है। वहां मिली सफलता के बाद गांधी वापस भारत आते हैं और असहयोग आंदोलन करते आजादी की बिगुल फूंकते हैं। आजादी के लिए उनके द्वारा किए गए संघर्ष को संगीत और संवादों के जरिए रंगकर्मियों ने खास अंदाज में पेश किया।

गांव के मुखिया ने भी इसलिए निकाला बाहर

गुलाम भारत में कई तरह की मिथ्या सोच के कारण भी लोग अंग्रेजों के खिलाफ एकजुट नहीं हो पा रहे थे। इसे देखते और समझते हुए मोहन ने इंग्लैंड से वकालत करने का फैसला किया। उन दिनों कई तरह की सामाजिक सोच से जुड़ी विसंगतियों के चलते विदेश में जाने और वहां की आबोहवा से चरित्र प्रभावित होने की बात भी समझाई गई, लेकिन गांधी ने उस फैसले का विरोध किया। इसके चलते उनको गांव से बाहर निकाल दिया गया। वकील बनने के बाद भारत आए और अपने देशी संस्कार का पालन करने का प्रमाण व्यवहार से दिया। साउथ अफ्रीका गए तो वहां काले-गोरे का भेद इस कदर हावी था कि गोरे लोग काले चमड़ी वालों को पास नहीं आने देते थे।

कैनवास पर लाइव पेंटिंग देखने छलका उत्साह

रंगमंडल जबलपुर के चर्चित निर्देशक सौरभ अनंत के विहान ड्रामा वर्क्स से जुड़े नए- पुराने कलाकारों ने मिलकर रंगसंगीत तथा गांधी गाथा के माध्यम से अमिट छाप छोड़ने का सफल प्रयास किया। इससे पहले मंच पर 20 से ज्यादा रंगकर्मियों ने मिलकर छोटे-छोटे गीतों से देश प्रेम, सद्भावना का संदेश देते हुए दर्शकों को मंच से जोड़ने का प्रयास किया। इसके बाद चर्चित आर्टिस्ट अवधेश वाजपेयी ने लोगों के सामने कैनवास पर लाइव पेंटिंग के माध्यम से जल की मछली के इर्द-गिर्द उससे जुड़े लोगों को दिखाने का प्रयास किया। इसे दर्शकों ने भी तालियों से सराहा और जिज्ञासा शांत करने के लिए पेंटिंग को लेकर कई सवालों का जवाब भी लिया।

विरोध किया तो अंग्रेजों ने ट्रेन में की मारपीट

साउथ अफ्रीका यात्रा के दौरान अंग्रेजों के साथ यात्रा कर रहे मोहन को देखकर छींटाकशी की गई। आपत्ति करने पर मोहन को अंग्रेजों ने ट्रेन में मारपीट करके दबाने का प्रयास किया। लेकिन, कानूनी ज्ञान रखने वाले मोहन ने उन्हें चुनौती देते हुए सम्मान के लिए लड़ाई शुरू की और जीत हासिल करके भारत वापस आए। यहां आने पर साउथ अफ्रीका से भी ज्यादा बुराहाल आजादी के लिए तरसते देश के लोगों की उम्मीद गांधी बने। असहयोग आंदोलन शुरू किया और इसमें उनके साथ देखते ही देखते बड़ा जनसमूह खड़ा हो गया। इसे देखते हुए वह दिन भी आया, जब गुलाम भारत के लोगों ने आजादी की पहली किरण देखी। दर्शकों ने नाट्य प्रस्तुति को मन से सराहा।

कैलाश शिखर पर द्वादश ज्योतिर्लिंग के साथ सबसे ऊपर विराजेंगी मां वैष्णो देवी

परसदा में ब्रह्मलोक आश्रम का निर्माण 2027 तक होगा पूर्ण

रायपुर। ब्रह्मलोक आश्रम में आकार ले रहे श्री कैलाश शिखर निर्माण को तय समय में पूरा करने के साथ ही आने वाले दर्शनार्थियों को पर्वत श्रृंखलाओं के बीच द्वादश ज्योतिर्लिंग के अलौकिक दर्शन मिलेंगे। माता दुर्गा के नौ स्वरूपों के साथ ही महादेव का दिव्य दर्शन होगा। शिखर के सबसे ऊपर मां वैष्णव देवी विराजेंगी। विश्व जागृति मिशन मंडल के अश्विनी विग ने बताया की संस्था के संस्थापक सुधांशु महाराज के दिशा-निर्देश पर ग्राम परसदा स्थित ब्रह्मलोक आश्रम के निर्माण में तेजी आई है। इस काम को 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। आने वाले दर्शनार्थियों को हिमालय पर्वत की श्रृंखला में पूर्व दिशा में देवों के देव महादेव का पवित्र धाम कैलाश मानसरोवर स्थित है। जहां बौद्ध, जैन और हिंदुओं के लिए आस्था का माहौल देने कैलाश शिखर आकार ले रहा है।

श्रद्धालुओं को दर्शन करने मिलेगी लिफ्ट की सुविधा

इस शिखर से चार पवित्र नदियां निकलकर देश में बहती हैं। श्री कैलाश मानसरोवर दर्शन के लिए दुर्गम रास्ते और कंपकंपाती ठंड का एहसास श्रद्धालुओं को होगा। छत्तीसगढ़ की धरा पर खारुन नदी के तट पर स्थित ब्रह्मलोक आश्रम में तीर्थस्वरूप महादेव के धाम का निर्माण किया जा रहा है। इस शिखर की ऊंचाई 130 फीट और चौड़ाई 161 वर्ग फीट होगी। भूतल और प्रथम तल की गुफाओं में श्री द्वादश ज्योतिर्लिंग की स्थापना की जाएगी। दूसरे तल पर नौ दुर्गा के स्वरूप की स्थापना होगी। उच्चतम स्थल पर मां वैष्णो देवी का दिव्य दरबार सजेगा। जहां तक आने-जाने के लिए लिफ्ट की सुविधा भी श्रद्धालुओं को मिलेगी।

शिखर से चार नदियों का उद्गम स्थल होगा खास

श्री कैलाश के सम्मुख एक कृत्रिम झील का निर्माण भी किया जाएगा। इसमें शाम के समय प्रति प्रकाश के माध्यम से लेजर शो का भी नजारा होगा। झील के पास ही मानसरोवर की तर्ज पर गौरी कुंड बनाया जाएगा। इसमें हिमालय से कुछ इस तरह की जड़ी-बूटियां भी लाई जाएंगी, जो जल को पवित्र करेंगी। कुंड में आस्था की डुबकी लगाने से भक्तों को मानसरोवर यात्रा और दर्शन का एहसास होगा। साथ ही शिखर से चार नदियों के उद्गम स्थल से जल धाराएं प्रवाहित होने के साथ ही सरोवर में समाहित होगी। शिखर के उच्च तल पर सभी दर्शन के लिए आसानी से जा सकें, इसके लिए लिफ्ट का प्रावधान है। इस तरह की सुविधा दिव्यांगजनों और बुजुर्गों को प्राथमिकता से दी जाएंगी।

मांगर माटी के साथ मंडप में शुरू होगा निशुल्क उपनयन संस्कार

रायपुर। सरयूपारीण ब्राह्मण सभा द्वारा सर्व ब्राह्मण समाज के बच्चों का निःशुल्क जनेऊ संस्कार इस बार भी आयोजित किया जाएगा। इसका निर्णय समाज की कार्यकारणी और विशेष आमंत्रित सदस्यों की मीटिंग में रविवार को लिया गया। सरयूपारीण ब्राह्मण सभा की बैठक डॉ. सुरेश शुक्ला की अध्यक्षता में तुलसी भवन में की गई। इसमें निर्णय लिया गया कि पिछले वर्ष की भांति इस बार भी ब्राह्मण समाज के बच्चों का जनेऊ संस्कार करवाने के लिए दो दिवसीय आयोजन किया जाएगा। बटुकों और परिजनों के खाने और रुकने की व्यवस्था समाज के द्वारा की जाएगी। समाज के सह सचिव राजेश त्रिपाठी ने बताया कि पहले दिन 21 फरवरी को मांगर माटी, मंडप, तेल और हल्दी संस्कार किया जाएगा। सभा के प्रवक्ता संजय तिवारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय सामाजिक संस्कार से जुड़े आयोजन को सफल बनाने के लिए सभा ने दायित्वों का विभाजन किया है।

बटुकों की निकलेगी बारात शामिल होगा समाज

समाज प्रमुखों के मार्गदर्शन में 22 फरवरी रविवार को अष्ट ब्राह्मण भोज, मुंडन के बाद उपनयन संस्कार होगा। सभी बटुकों को हवन कुंड, मंडप के साथ मगरोहन करवाने के लिए आचार्य होंगे। प्रमुख आचार्य यदुवंश मणि त्रिपाठी एवं विश्वेद्र मिश्रा के दिशा -निर्देश में संस्कार करवाया जाएगा। जनेऊ के बाद बटुकों की भव्य बारात निकाली जाएगी। बटुकों को आशीर्वाद देने के लिए शंकराचार्य, ज्योतिष पीठ भी आएंगे। समाज के मुखिया डॉ. शुक्ला ने विप्र समाज के अभिभावकों, माता-पिता से उपनयन संस्कार योग्य बच्चों का जनेऊ कराने का आग्रह किया है। बैठक में प्रमुख रूप से राममूर्ति तिवारी, नीलकंठ महाराज, आरएल द्विवेदी, कैलाश तिवारी, राजेंद्र शर्मा भी प्रमुख रूप से शामिल हुए।

कार्नर न्यूज

समारोह में पारंपरिक रीति-रिवाज में होंगी विवाह की रस्में

राम-जानकी विवाह महोत्सव का शुभारंभ, श्री गोपी दास मंदिर में हुआ नवान्ह पारायण और पूजन

रायपुर। श्रीराम-जानकी विवाह महोत्सव को लेकर मंदिरों में तैयारी शुरू हो गई है, यहां धार्मिक अनुष्ठान व पारंपरिक रीति-रिवाज से विवाह महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जहां शहरवासी भगवान के विवाह समारोह के साक्षी बनने मंदिरों में आयोजित हल्दी, मेंहदी, बारात व अन्य विवाह के प्रमुख रस्मों में हिस्सा लेंगे। इस वर्ष 25 नवंबर को राम-जानकी विवाह का आयोजन शहर के प्रमुख मंदिरों में होने जा रहा। ऐसे में गोपी दास मंदिर, जैतु साव मठ, दूधाधारी, निषाद परिवार राम-जानकी मंदिर में विवाह महोत्सव का भव्य आयोजन होने जा रहा है।

शुभ मुहूर्त में गठबंधन

जैतू साव मठ से पुजारी सुमित तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8 बजे आरती से होगी। आरती के पश्चात पारंपरिक तेल-हल्दी रस्म के साथ विवाह विधि का शुभारंभ किया जाएगा। इसके बाद भगवान राम और माता सीता का आकर्षक श्रृंगार होगा, इसमें अचल विग्रह को कच्ची हल्दी और मेंहदी लगाई जाएगी। यहां शुभ मुहूर्त में गठबंधन संपन्न होगा और वैदिक मंत्रोच्चार व पारंपरिक रस्म के बीच विवाहिक रस्में विधिवत निभाई जाएंगी।

महिलाएं करेंगी हरिद्रालेपन रस्म

बनियापारा स्थित श्री गोपीदास, राम जानकी मंदिर में विवाह से पूर्व 'नवान्ह पारायण' पूजन से समारोह का शुभारंभ किया गया है। यह कार्यक्रम मंदिर परिसर में रविवार से आयोजित की गई, जो निरंतर 24 नवंबर तक जारी रहेगी। मंदिर के पुजारी चंदन राय ने बताया कि महिलाओं द्वारा हरिद्रालेपन से विवाह के पहले रस्म की शुरुआत होगी, जो 20 से 24 नवंबर तक रोजाना दोपहर 12 से 2 बजे तक होगी। 25 नवंबर को विवाह से पूर्व बारात, मंडप सजावट और माता सीता का भव्य श्रृंगार देखने को मिलेगा।

पारंपरिक रस्मों के साथ विवाह कार्य

रायपुरा स्थित राम-जानकी मंदिर के अध्यक्ष अजय निषाद ने बताया कि मंदिर में 150 से अधिक निषाद समाज की महिलाएं सामूहिक रूप से विवाह महोत्सव के धार्मिक अनुष्ठान के लिए शामिल होती हैं। ऐसे में सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालु पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ विवाह की रस्म निभाती नजर आती हैं।

तेल-हल्दी रस्म में मौउर से श्रृंगार

दूधाधारी मठ से राम छवि महाराज ने बताया कि छत्तीसगढ़ी विवाहिक रस्मों के साथ विवाह कार्य संपन्न होगा, जहां भगवान राम और माता सीता पीले रंग के पोशाक और स्वर्ण श्रृंगार में दर्शन देंगे। साथ ही मुख्य आकर्षण का केंद्र मौउर रहेगा, जो तेल-हल्दी रस्म में शामिल होगा। वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर के मुख्य पुजारी हनुमंत लाल महाराज ने बताया कि सुबह पांच बजे से मंदिर के कपाट आम जनमानस के लिए खुले रहेंगे, जहां श्रद्धालु दर्शन मात्र के लिए देर रात तक पहुंच सकते हैं।

सिटी स्पोर्ट्स

अंडर-14 एलिट ग्रुप क्रिकेट में भिलाई, कांकेर, राजनांदगांव और धमतरी में रोमांचक दौर

भिलाई। सीएससीएस द्वारा आयोजित अंडर 14 एलिट ग्रुप दो दिवसीय अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत रविवार को चार मैच खेले गए। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर-1 में टीम रायपुर के विरुद्ध बल्लेबाजी करते हुए बीसीए टीम पहली पारी 161 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में रायपुर ने पहली पारी 5 विकेट पर 144 रन बनाए।

राजनांदगांव में हुए मैच में टीम रायगढ़ के विरुद्ध बल्लेबाजी करते हुए बिलासपुर टीम पहली पारी में 164 पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में रायगढ़ ने पहली पारी में चार विकेट पर 105 रन बनाए। इसी तरह न्यू ग्राउंड कांकेर में टीम प्लेट कंबाइंड के विरुद्ध रायपुर ब्लू टीम बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 168 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में प्लेट कंबाइंड की टीम ने पहली पारी में दो विकेट पर 69 रन बनाए। धमतरी में हुए मैच में टीम जशपुर के विरुद्ध बल्लेबाजी में राजनंदगांव टीम पहली पारी में 90 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में जशपुर ने पहली पारी में सात विकेट पर 75 रन बनाए।

राज्य स्तरीय बैडमिंटन में उत्सव, सिद्धिमा, वैभव विजेता

रायपुर। 24वीं छत्तीसगढ़ राज्य सब-जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप राजधानी के सप्रे शाला बैडमिंटन हॉल में आयोजित की गई। जिसमें बालक सिंगल्स अंडर-15 फ़ाइनल में उत्सव अग्रवाल (रायपुर) ने हृद्यांश पटेल (रायपुर) को 21-14, 21-14 से हराया। बालिका सिंगल्स अंडर-15 फ़ाइनल में सिद्धिमा साहू (दंतेवाड़ा) ने वेदिका एस. ज्ञानी (दुर्ग) को 21-17, 21-17 से हराया। बालक सिंगल्स अंडर-17 फ़ाइनल में वैभव सिंह (बलौदाबाजार) ने अथर्व शर्मा (रायपुर) को 21-23, 21-6, 21-10 से हराया। बालिका सिंगल्स अंडर-17 फ़ाइनल में रेनुश्री यावरना (रायपुर) ने रेवाराजे वर्मा (रायपुर) को 16-21,23-21,21-13 से हराया। बालक का युगल अंडर-15 फ़ाइनल में दीप पटेल (रायपुर) / हृद्यांश पटेल (रायपुर) की जोड़ी ने हर्षित कुमार (रायगढ़) / लक्ष्य प्रधान (रायगढ़) की जोड़ी को 21-13, 21-19 से हराया। बालिका युगल अंडर-15 फ़ाइनल में खानक साहू (दंतेवाड़ा) / वेदिका एस. ज्ञानी (दुर्ग) की जोड़ी ने शन्वी गुप्ता (रायपुर) / सिद्धिमा साहू (दंतेवाड़ा) की जोड़ी को 21-18, 22-20 से हराया। बालक युगल अंडर-17 फ़ाइनल में गर्वित कंसल (दुर्ग) / मोहम्मद अयान (बलौदाबाजार) की जोड़ी ने अनुराग बघेल (रायगढ़) / नवनीत कुमार (रायगढ़) की जोड़ी को 21-13, 21-18 से हराया। बालिका युगल अंडर-17 फ़ाइनल में हिमाबिंदु श्यामलराव यावरना (रायपुर) / रेनुश्री पहल (राजनांदगाँव) की जोड़ी ने गौरी एस. अय्यर (दुर्ग)/रेवाराजे वर्मा (बिलासपुर) की जोड़ी कोः 21-18,16-21, 21-11 से हराया।

मिश्रित युगल अंडर-15 फ़ाइनल में लक्ष्य प्रधान (रायगढ़)/अदिति सिंह (रायगढ़) की जोड़ी ने अथर्व अवधूत (दुर्ग) / सृजा दास (दुर्ग) की जोड़ी को 21-14, 21-15 से हराया। मिश्रित युगल अंडर-17 फ़ाइनल में गर्वित कंसल (दुर्ग) /गौरी एस. अय्यर (दुर्ग) की जोड़ी को अथर्व शर्मा (रायपुर)/हिमाबिंदु श्यामलराव यावरना की जोड़ी को 21-13, 21-14 से हराया।

इंटर कॉलेज एथलेटिक्स में रविवि का शानदार प्रदर्शन

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय (यूटीडी) की एथलेटिक्स टीम ने इंटर कॉलेज एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में निशा–100 मीटर व 200 मीटर–स्वर्ण पदक, भूपेंद्र चौहान–100 मीटर–रजत पदक, भूपेंद्र चौहान–लंबीकूद–रजत पदक, नाहांशाह–हाई जंप–स्वर्ण पदक, सुराज गिलहरे–जेवलिन थ्रो–स्वर्ण पदक, निरंजन हाईजंप–स्वर्ण पदक, लक्ष्मी–ट्रिपल जंप–स्वर्ण पदक हासिल किए।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. सचिदानंद शुक्ला, निदेशक प्रो. रीता वेणु गोपाल, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. राजीव चौधरी, तथा प्रो. सी.डी. आगसे ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दी। टीम के कोच राहुल कुमार पासवान एवं मैनेजर सुरज देशलहरे थे।

फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों के शुरूआती लक्षण आपको जानना जरूरी

फेफड़ों से जुड़े ये लक्षण न करें नजरअंदाज हो सकता है इन गंभीर बीमारियों का संकेत

वायु प्रदूषण इन दिनों अपने चरम पर है, और ऐसे में फेफड़े से जुड़ी बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। कई लोग जानकारी के अभाव में लक्षणों को पहचान नहीं पाते हैं। आइए जानते हैं कि फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों के शुरूआती लक्षण क्या होते हैं?

हमारे फेफड़े शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक हैं, जो हमें लगातार सांस लेने और रक्त को ऑक्सीजन पहुंचाने का जरूरी काम करते हैं। इन दिनों वायु प्रदूषण अपने चरम पर है, दिल्ली के कई जगहों पर एक्यूआई 400 से अधिक है, ऐस में फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों का जोखिम तेजी से बढ़ता जा रहा है।

फेफड़ों की बीमारियां, जैसे अस्थमा, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज, और फेफड़ों का कैंसर, अक्सर शुरुआत में हल्के लक्षणों के साथ सामने आती हैं, जिन्हें लोग सामान्य सर्दी-खांसी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। दुर्भाग्य से यही लापरवाही इन बीमारियों को गंभीर स्तर तक पहुंचा देती है, जहां उनका इलाज मुश्किल हो जाता है। इसलिए, यह जानना अत्यंत आवश्यक है कि कौन से लक्षण चेतावनी के रूप में काम करते हैं और कब डॉक्टर से मिलना जरूरी है।

फेफड़ों से जुड़े चार मुख्य लक्षण हैं, जिन्हें कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि ये किसी गंभीर बीमारी के शुरुआती संकेत हो सकते हैं। इन लक्षणों पर तुरंत ध्यान देने से समय पर निदान और उपचार संभव हो पाता है, जिससे जीवन बचाया जा सकता है और फेफड़ों के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखा जा सकता है।

लगातार बनी रहने वाली खांसी

फेफड़ों की समस्याओं का सबसे आम और पहला संकेत है लगातार बनी रहने वाली खांसी। यदि आपकी खांसी तीन सप्ताह या उससे अधिक समय तक बनी रहती है और यह सामान्य उपचार के बावजूद ठीक नहीं हो रही है, तो यह गंभीर चिंता का विषय है। यह क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस, सीओपीडी या फेफड़ों के कैंसर का शुरुआती लक्षण हो सकती है। कफ में खून आना तत्काल चिकित्सकीय परामर्श की मांग करता है।

सांस लेने में कठिनाई (सांस फूलना)

सांस लेने में कठिनाई या सांस फूलना एक और गंभीर चेतावनी है। यदि आपको मामूली शारीरिक गतिविधि करने पर भी साँस फूलने लगती है, जैसे कि सीढ़ियां चढ़ना, तो यह फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी का संकेत है। यह अक्सर अस्थमा, सीओपीडी या हृदय संबंधी समस्याओं से जुड़ा हो सकता है। बिना स्पष्ट कारण के सांस फूलना खतरनाक हो सकता है।

सीने में लगातार दर्द

सीने में दर्द कई समस्याओं का संकेत हो सकता है, लेकिन यदि यह दर्द लगातार बना रहता है, खासकर सांस लेने या खांसने के दौरान, तो यह फेफड़ों से संबंधित हो सकता है। यह दर्द अक्सर फेफड़ों के बाहरी आवरण (प्लूरिसी) में सूजन, संक्रमण या गंभीर मामलों में फेफड़ों के कैंसर का संकेत हो सकता है। किसी भी लंबे समय तक रहने वाले सीने के दर्द को अनदेखा न करें।

घरघराहट या असामान्य आवाज

सांस लेते समय घरघराहट या छाती से सीटी जैसी कोई असामान्य आवाज़ आना फेफड़ों से जुड़ी एक और गंभीर समस्या है। यह आवाज़ तब आती है जब सांस की नलियां सिकुड़ जाती हैं। यह अस्थमा का एक विशिष्ट लक्षण है, लेकिन यह गंभीर एलर्जी प्रतिक्रिया या फेफड़ों में संक्रमण का भी संकेत हो सकता है। ऐसी आवाजें सुनने पर तुरंत डॉक्टर से मिलें।

मेडिटेशन के भी होते हैं साइड इफेक्ट्स, इन्हें जरूर जानें

मेडिटेशन यानि ध्यान कई लोगों के लिए अच्छा है, लेकिन हर किसी के लिए अनुभव एक जैसा नहीं होता है। कुछ रिसर्च बताती हैं कि मेडिटेशन के भी कुछ साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। इसे सही गाइडेंस में करना जरूरी होता है।

जब भी हम परेशान होते हैं, तो मेडिटेशन करने की सलाह दी जाती है। इससे मन को सुकून मिलता है। हम फ्रेश फील करते हैं। हमेशा मेडिटेशन के फायदों के बारे में ही बात की जाती है, लेकनि क्या आपको मालूम है क इसके साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं। जी हां, ऐसा हम नहीं, बल्कि रिसर्च कहती है। मेडिटेशन हर किसी के लिए हमेशा आसान या पूरी तरह से सेफ नहीं होता है। आपको जरूर जानना चाहिए कि मेडिटेशन के क्या साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। साथ ही इसके फायदों के बारे में भी जानना चाहिए।

कई नई स्टडीज में पाया गया है कि कुछ लोगों को मेडिटेशन करने से चिंता, अजीब-सा एहसास, नींद में दिक्कत या कभी-कभी खराब मूड भी महसूस हो सकता है। एक स्टडी के मुताबिक, मेडिटेशन को आमतौर पर सेफ माना जाता है, लेकिन इसके रिएक्शन पर मौजूद रिसर्च अभी भी सीमित है।

लोगों ने बताए निगेटिव एक्सपीरियंस

अमेरिका में की गई एक बड़ी स्टडी में पाया गया कि लगभग 60% लोगों ने कम से कम एक निगेटिव एक्सपीरियंस बताया जैसे चिंता बढ़ना या अजीब लगने जैसा महसूस होना। लगभग 30% ने कहा कि ये अनुभव उन्हें परेशान कर गया। लगभग 9% लोगों ने बताया कि इसका असर उनकी रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ा।

चिंता या डिप्रेशन से परेशान हुए लोग

वहीं, एसोसएिशन फॉर साइकोलॉजिकल साइंस की स्टडी के मुताबिक, करीब 8% लोग मेडिटेशन के बाद बढ़ी हुई चिंता या डिप्रेशन जैसे लक्षण महसूस कर सकते हैं। नियमित मेडिटेशन करने वाले 25% से ज्यादा लोगों ने कभी-कभी डर, खालीपन या खुद से कटा-कटा सा महसूस किया। हालांकि, इसका मतलब ये नहीं कि मेडिटेशन खराब है। इसका मतलब ये है कि हर किसी का एक्सपीरियंस अलग होता है।

क्या हैं साइड इफेक्ट्स?

दिल घबराना या बेचैनी महसूस होना,खुद से या आसपास की चीजों से कटा-कटा सा महसूस होना,पुराने दुख या यादें अचानक वापस आ जाना,अजीब-सा डर लगना, मन का भारी हो जाना

किन लोगों को ज्यादा दिक्कत हो सकती हैं?

जिनके मन में पहले से तनाव या चिंता है। जो बहुत ज्यादा समय तक मेडिटेशन करते हैं जो बिना तैयारी के अचानक गहरे मेडिटेशन में चले जाते हैं जो उम्मीद करते हैं कि हर बार बस शांति ही मिलेगी इन लोगों को कभी-कभी उल्टा असर महसूस हो सकता है।

बीआईटी दुर्ग की महिला टीम और एसएसआईपीएमटी रायपुर की पुरूष टीम ने मारी बाजी

सीएसवीटीयू राज्यस्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य तकनीकी शिक्षा विभाग अंतर्गत छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (सीएसवीटीयू) द्वारा आयोजित एकीकृत राज्यस्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का सफल समापन आज एन वी प्रो बैडमिंटन अकादमी हुड़को दुर्ग में किया गया। बैडमिंटन प्रतियोगिता में महिला वर्ग में बीआईटी दुर्ग विजेता और एसएसटीसी भिलाई उपविजेता रही, वहीं पुरुष वर्ग में एसएसआईपीएमटी रायपुर विजेता और आरसीईटी आर-1 भिलाई उपविजेता रही। विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। समापन समारोह एवं उद्बोधन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आर.जी. ब्रजेश ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा –तकनीकी शिक्षा संस्थानों में खेल गतिविधियों का बढ़ना बेहद सराहनीय है। बैडमिंटन जैसे प्रतिस्पर्धी खेल से छात्रों में फुर्ती, अनुशासन और निर्णय क्षमता का विकास होता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय खेल निदेशक किशोर कुमार भारद्वाज ने अपने संबोधन में कहा –"सीएसवीटीयू लगातार राज्यस्तरीय प्रतियोगिताएँ आयोजित कर रहा है, जिसका उद्देश्य है कि तकनीकी छात्र भी खेल क्षेत्र में पहचान बनाएं। इस आयोजन से स्पष्ट है कि हमारे छात्र राष्ट्रीय स्तर पर चुनौती देने के लिए तैयार हैं। आयोजन सचिव डॉ. अमित श्रीवास्तव ने कहा इतने बड़े स्तर पर प्रतियोगिता का सफल आयोजन सभी महाविद्यालयों के संयुक्त प्रयास से संभव हुआ है। हम चाहते हैं कि चयनित खिलाड़ी आगे विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। कार्यक्रम में डॉ. आर.जी. ब्रजेश मुख्य अतिथि, किशोर कुमार भारद्वाज – विश्वविद्यालय खेल निदेशक (अध्यक्षता),डॉ. अमित श्रीवास्तव – आयोजन सचिव,सेनि. लेफ्टिनेंट एवं खेल अधिकारी के.पी. यादव – पर्यवेक्षक,सहा. प्राध्यापक शेषनारायण साहू,वरिष्ठ खेल अधिकारी कोंडल राव,अंपायर आभास अग्रवाल, निखिल प्रसाद, रोहित शर्मा, स्वप्निल, अनुभव ताम्रकार व तनमय रहे चयनकर्ता – विवेक कुमार साहू एवं विक्रांत शर्मा, कोच, मैनेजर, दर्शक एवं छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय बैडमिंटन टीम हेतु चयन

पुरुष वर्ग – चयनित खिलाड़ी (5)
खिलाड़ी संस्थान
समीर मलिक एसएसआईपीएमटी रायपुर
एलिसन थॉमस शासकीय पॉलिटेक्निक अंबिकापुर
शौर्य कृष्णा एसएसआईपीएमटी रायपुर
उभय राज सिंह एसएसआईपीएमटी रायपुर
तनिष्क पांडेय आरसीईटी आर-1 भिलाई
3 खिलाड़ी स्टैंडबाय में चयनित--
महिला वर्ग – चयनित खिलाड़ी (5)
खिलाड़ी संस्थान
अंशिका चंद्रवंशी एसएसटीसी भिलाई
नम्रता रॉय बीआईटी दुर्ग
मीमांसा वर्मा एस एसआईपीएमटी रायपुर
सुहानी जैन बीआईटी दुर्ग
श्रेया पांडेय बीआईटी दुर्ग
दृष्टि पाली एसआईपीएमटी रायपुर
3 खिलाड़ी स्टैंडबाय में चयनित)

महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले में समान प्वाइंट होने पर गोल्डन प्वाइंट का निर्णय लागू किया गया, जिसमें बीआईटी दुर्ग ने बढ़त हासिल कर खिताब जीता।

आज के मैच परिणाम

पहला मैच सीईसी बिलासपुर ने विश्वविद्यालय फार्मेसी महाविद्यालय को 8 विकेट से हराया। दूसरा मैच शासकीय पॉलिटेक्निक बालोद की टीम को पूर्ण गणवेश में न आने से 5 रन की पेनाल्टी लगी, कड़े मुकाबले के बाद सीसीओपी बिलासपुर ने 6 रन से मैच जीता। सीएसवीटीयू द्वारा आयोजित दोनों प्रतियोगिताओं में 28 क्रिकेट टीमें और 41 बैडमिंटन टीमों की भागीदारी रही, जिसने तकनीकी संस्थानों में खेल संस्कृति को एक नई दिशा दी है। प्रतिभागियों का उत्साह, अनुशासन और दर्शकों की भारी उपस्थिति ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया।

क्रिकेट भी रहा आकर्षण का केंद्र

इसी क्रम में पं. रविशंकर स्टेडियम दुर्ग में चल रही सीएसवीटीयू राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में आज दो महत्वपूर्ण मैच खेले गए।

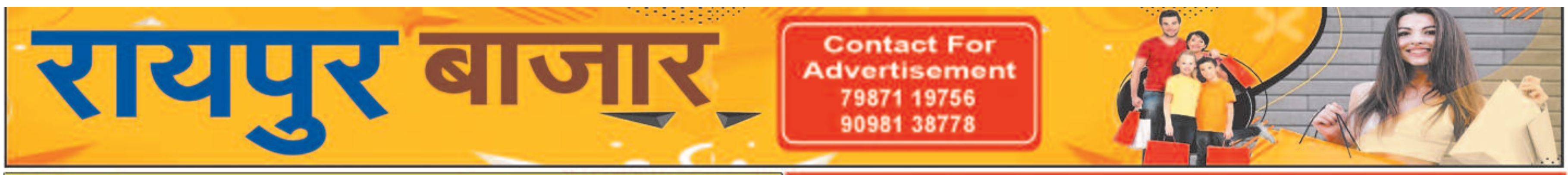

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'फ्रैंकनस्टाइन' फिल्म के मेकओवर में जैकब को लगे 10 घंटे, वायरल वीडियो देख फैंस हैरान

थिएटर के बाद हाल ही में ओटीटी पर फिल्म 'फ्रैंकनस्टाइन' रिलीज हुई। फिल्म में जैकब एलोर्डी ने एक खास किरदार निभाया, जिसके मेकओवर के लिए उन्हें लगभग 10 घंटे तक का समय लगता था। सोशल मीडिया पर उनके मेकओवर का वीडियो वायरल है, इस पर फैंस भी रिएक्शन दे रहे हैं। फिल्म 'फ्रैंकनस्टाइन' नेटफ्लिक्स पर हाल ही में स्ट्रीम हुई। नेटफ्लिक्स के इंस्टाग्राम पेज पर ही जैकब एलोर्डी के मेकओवर का वीडियो शेयर किया गया। इसमें वह प्रोस्थेटिक मेकअप करवा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार लगभग 10 घंटे तक यह मेकअप चलता था। वायरल वीडियो के आखिर में भी वह फिल्म 'फ्रैंकनस्टाइन' के मॉन्स्टर के रूप में सामने आते हैं। मेकओवर के दौरान वह कभी किताब पढ़ते हैं, कभी फोन चलाते हैं। इसी डेडिकेशन के फैंस कायल हो गए। जैकब एलोर्डी के मेकओवर को देखते फैंस, सोशल मीडिया यूजर्स हैरान हैं। जैकब और मेकओवर की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने फिल्म और उनके किरदार को सराहा है, फिल्म को साल की बेस्ट मूवी कहा। कई लोगों ने मेकअप करने वाली टीम की तारीफ की। एक यूजर्स ने तो कहा कि वह 'फ्रैंकनस्टाइन' के प्यार में पड़ चुकी है। कई यूजर्स ने हार्ट, फायर इमोजी भी एक्टर जैकब के लिए शेयर किए।

टॉलीवुड

दर्शकों को पसंद आ रही दुलकर की फिल्म 'कांथा', नेटिजंस बोले- अब तक की बेस्ट एक्टिंग

अभिनेता दुलकर सलमान की फिल्म 'कांथा' देखने के बाद नेटिजंस एक्स पर प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। दुलकर सलमान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कांथा' 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म के आने के बाद दर्शक इसे थिएटर्स में देख प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। यह फिल्म नेटजिसं को पसंद आ रही हैं। राणा दग्गुबाती के प्रोडक्शन हाउस स्पिरिट मीडिया द्वारा निर्मित फिल्म 'कांथा' आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। इस फिल्म को दर्शक पसंद कर रहे हैं। सेल्वामनी सेल्वराज द्वारा निर्देशित 'कांथा' को राणा दग्गुबाती और दुलकर सलमान ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म को तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम सहित हिंदी भाषा में भी रिलीज किया गया है।

भोजपुरी

खेसारी ने फौजी बनकर कमाए करोड़ों, है भोजपुरी की सबसे महंगी फिल्म

भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव इस वक्त बिहार चुनाव को लेकर चर्चा में हैं. फिल्मी दुनिया में भी एक्टर ने कमाल की पहचान बनाई है और राजनीति में भी अपना ढंका बजाया है. उन्होंने अपने फिल्मी करियर में भी काफी नाम कमाया है, ऐसे में जानते हैं एक्टर की सबसे महंगी फिल्म के बारे में.

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव हर बार अपनी फिल्मों से कुछ नया कर दिखाते हैं. चाहे रोमांस हो, एक्शन या फिर देशभक्ति—खेसारी का अंदाज हमेशा हटकर होता है. लेकिन इस बार उन्होंने एक ऐसा कदम उठाया जिससे पूरा भोजपुरी इंडस्ट्री गर्व महसूस कर रहा है. उन्होंने अपनी फिल्म 'रंग दे बसंती' से न केवल रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि इसे भोजपुरी सिनेमा की अब तक की सबसे महंगी फिल्म बना दिया.

'रंग दे बसंती' का बजट भोजपुरी सिनेमा के हिसाब से चौंकाने वाला है. ये फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई थी, रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म पर करीब 7 से 10 करोड़ रुपये खर्च किए गए. ये पहली बार हुआ जब किसी भोजपुरी फिल्म को इतनी बड़ी लागत से बनाया गया. फिल्म में विशाल सेट, दमदार एक्शन, और बेहतरीन लोकेशन का इस्तेमाल किया गया है. मेकर्स ने इसकी शूटिंग को बिल्कुल बॉलीवुड लेवल पर तैयार किया, ताकि दर्शकों को एक अलग एक्सपीरियंस मिले.

खेसारी लाल यादव ने न सिर्फ इसमें मुख्य किरदार निभाया बल्कि फिल्म के प्रोडक्शन में भी अपनी बड़ी भूमिका निभाई. 'रंग दे बसंती' की सबसे बड़ी बात ये रही कि खेसारी लाल यादव के साथ उनके बेटे ऋषभ यादव ने भी इस फिल्म में काम किया. पिता-पुत्र की यह जोड़ी पहली बार बड़े पर्दे पर नजर आई. ऋषभ ने फिल्म में एक छोटे लेकिन महत्वपूर्ण किरदार को निभाया है. ऋषभ ने इस फिल्म से इंडस्ट्री में डेब्यू किया है. फिल्म में खेसारी एक फौजी के किरदार में दिखते हैं, 'रंग दे बसंती' एक सैनिक की कहानी है.

इसमें देशभक्ति की भावना के साथ-साथ इमोशन और एक्शन का शानदार मेल देखने को मिला. 'रंग दे बसंती' को पूरे भारत में 250 से ज्यादा सिनेमाघरों में रिलीज किया गया. यह पहली भोजपुरी फिल्म थी जिसे मल्टीप्लेक्स में भी जगह मिली. रिलीज के पहले ही दिन फिल्म ने जोरदार ओपनिंग की और पहले तीन दिनों में करीब 45 लाख रुपये की कमाई की. बाद में फिल्म की कुल कमाई 15 से 20 करोड़ रुपये तक पहुंच गई. यह आंकड़ा भोजपुरी फिल्मों के लिए बहुत बड़ा माना जाता है.

फ्लोरल फैंटेसी

फ्लोरल मोटिफ्स 3डी एप्लिक, जटिल कढ़ाई और हाथ से पेंट किए गए डिज़ाइनों में शामिल है। डिजाइनरों की मानें तो कैस्केडिंग फ्लोरल पैटर्न वाले ब्राइडल लहंगे या खिली-खिली डिज़ाइन की साड़ियाँ ट्रेंड में है, जो रोमांस और जीवंतता की प्रतीक हैं। खास ब्राइडल लहंगे मेहंदी फंक्शन में गार्डन थीम के साथ प्रकृति का स्पर्श जोड़ने के लिए एकदम सही हैं। भारतीय फैशन में फ्लोरल लहंगे बेहद पसंद किए जार हैं। खासकर शादी और पार्टियों के माहौल में इनकी मांग बढ़ गई है।

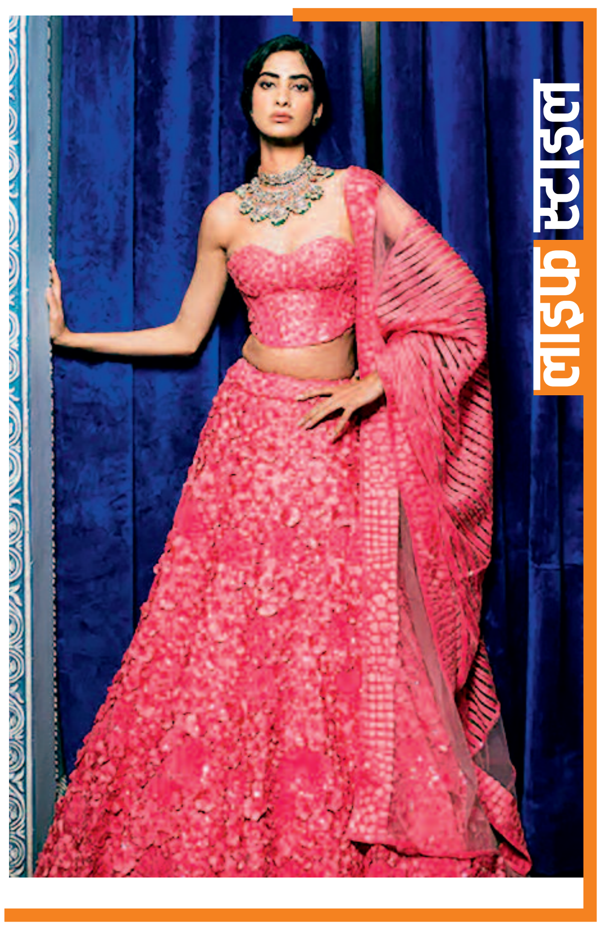

सिर पर नहीं टिकता है पल्लू तो अपनाएं ये तरीके, नई दुल्हनों के काम आएंगी ये ट्रिक्स

शादी के बाद हर दूल्हा और दुल्हन की जिंदगी में काफी बदलाव आता है। दूल्हे को तो इस बदलाव को अपनी जिंदगी में शामिल करने में ज्यादा परेशानी नहीं होती क्योंकि उनकी बस जिम्मेदारियां बढ़ती हैं लेकिन एक दुल्हन की तो जिंदगी ही शादी के बाद बदल सी जाती है। खासतौर पर जब कोई लड़की दुल्हन बनकर नए घर जाती है, तो उनसे तमाम तरह की उम्मीदें की जाती हैं। लड़कियों के रहने-सहने से लेकर उनके पहनावे तक में काफी बदलाव आता है। भले ही शादी कितनी भी मॉर्डन परिवार में हुई हो, लेकिन शादी के बाद की रस्मों में साड़ी ही पहननी पड़ती है और पूजा के वक्त सिर पर पल्लू भी रखना पड़ता है। सिर पर पल्लू रखना कई जगह की प्रथा में भी शामिल है लेकिन शुरुआत के वक्त पल्लू बार-बार सिरकता रहता है। इसी परेशानी को देखते हुए आज हम आपको पल्लू सेट करने के कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

बालों में बनाएं जूड़ा

अगर आपके सिर पर पल्लू नहीं टिकता है तो बालों को खुला रखने की बजाए उसमें जूड़ा बनाएं। जूड़ा बनाकर आप अपने पल्लू को इसमें अटैच कर सकते हैं। इसके लिए आपको जूड़ा पिन की मदद लगेगी। जूड़ा पिन लेकर अपने पल्लू को जूड़े में अटैच कर दें।

कंधे पर करें पिनअप

अपने पल्लू को सेट करने के लिए आप एक पिन कंधे पर जरूर लगाएं। इससे सिर पर से पल्लू हटेगा नहीं। आप आसानी से सेफ्टी पिन लगाकर कंधे पर साड़ी का थोड़ा सा पल्लू सिक्योर कर सकती हैं।

ऐसे सेट करें बॉर्डर वाली साड़ी का पल्लु

अगर आपकी साड़ी में हैवी बॉर्डर है तो आप बॉर्डर वाली साड़ी का पल्लू सिर पर लेते समय पीछे साइड पर एक हुक लगा लें। इस हुक को अपने बालों में फंसा लें। इस टिप्स को तभी इस्तेमाल करें, जब आपको कुछ देर के लिए ही साड़ी पहननी हो।

हेयर पिन का करें इस्तेमाल

हेयर पिन तो हर महिला के पास होती है। ऐसे में आप पल्लू को हेयर पिन की मदद से सेट कर सकती हैं। हेयर पिन की मदद से पल्लू को टिकाने

प्राकृतिक तरीकों से मिटाने हैं चेहरे के दाग-धब्बे तो अपनाएं ये तरीके

बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल का असर लोगों के शरीर के साथ-साथ चेहरे पर भी दिखाई देता है। जिस तरह से खराब लाइफस्टाइल से शरीर आंतरिक रूप से कमजोर होता है, ठीक उसी तरह से बाहर के खान-पान और तनाव के चलते चेहरे पर कई परेशानियां दिखने लगती हैं। इसके अलावा हार्मोन्स के असंतुलन, तेज धूप या पिंपल्स के कारण चेहरे पर काले दाग-धब्बे हो जाते हैं, जिन्हें छुपाना आसान नहीं होता।

इन सभी परेशानियों से छुटकारा दिलाने के लिए बाजार में तमाम तरह के प्रोडक्ट मिल जाते हैं, जिनमें काफी ज्यादा केमिकल भी पाया जाता है। ऐसे में ये फायदा पहुंचाने की बजाय नुकसान भी पहुंचा देते हैं। इसी के चलते ज्यादातर लोग चेहरे को चमकाने के लिए घरेलू प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। आज के लेख में हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप अपने चेहरे के दाग-धब्बों को साफ कर सकते हैं।

दही और नींबू

अगर आप दमकती त्वचा पाना चाहते हैं तो इस पैक के इस्तेमाल से आपका चेहरा खिल उठेगा। इसे बनाने के लिए आपको दही में नींबू का रस

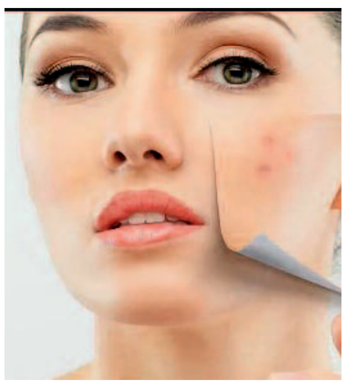

मिलाने की जरूरत है। इनमें मौजूद ब्लीचिंग तत्व से चेहरे पर अच्छा असर दिखाता है।

एलोवेरा जेल

अगर आपके पास पैक बनाने और इसे लगाने का समय नहीं है तो सिर्फ एलोवेरा जेल के इस्तेमाल से आप दमकती त्वचा पा सकते हैं। इसके इस्तेमाल से लिए आपको चेहरा धोने के बाद एलोवेरा जेल को सही से चेहरे पर लगाना है। आप चाहें तो इसके लिए ताजे एलोवेरा का इस्तेमाल कर सकते हैं।

पपीता

अगर आपके चेहरे पर कई तरह के दाग-धब्बे हैं तो आप पपीते का इस्तेमाल कर सकते हैं। पपीते के इस्तेमाल से आप अपने चेहरे को स्क्रब कर सकते हैं।

नींबू का रस

अगर आप आसानी से अपने घर पर चेहरे को साफ करना चाहती हैं तो नींबू के रस में चीनी मिलाकर स्क्रब करने से भी धब्बे हल्के होने में मदद मिलती है।

हल्दी

हल्दी में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जिसके इस्तेमाल से आपका चेहरा चमक उठेगा। इसको लगाने के लिए बस आपको इसका पैक तैयार करना है और फिर इसे अपने चेहरे पर अप्लाई करना है। कुछ ही दिन में आपको इसका असर दिखने लगेगा।

तुलसी के पत्ते

हर घर में तुलसी का पौधा पाया जाता है। इसके इस्तेमाल से आपको दमकती त्वचा मिल सकती है।

बालों को लाल करने के लिए मेहंदी में मिलाएं इन्हें, दिखेगा काफी अच्छा असर

बालों को रंगने के लिए मेहंदी सबसे सही विकल्प मानी जाती है। इससे बालों को नेचुरल लाल किया जा सकता है। मेहंदी से ना सिर्फ बालों का रंग बदलता है, बल्कि साथ ही में इसके इस्तेमाल से बाल झड़ने की समस्या भी कम हो जाती है। ऐसे में अगर आप चाहते हैं कि मेहंदी का असर बालों पर ज्यादा हो, तो मेहंदी में कुछ चीजों को जरूर मिलाएं। इसमें आप चुकंदर का रस मिला सकते हैं। इसके लिए चार से पांच चम्मच मेहंदी में दो से तीन चम्मच चुकंदर का रस मिलाएं। अब इसे रात भर के लिए लोहे की कढ़ाही में छोड़ दें। सुबह इस मेहंदी को अच्छे से बालों पर लगा लें। इससे आपको फायदा जरूर दिखेगा। मेहंदी में गुड़हल के फूल का पाउडर आप मिला सकते हैं। इसे इस्तेमाल करने के लिए 5-6 चम्मच मेहंदी में 3 चम्मच गुडहल के फूल का पाउडर और चाय के पानी को छानकर एक साथ मिला लें। रातभर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। सुबह मेहंदी को बालों में लगा लें। अगर आप चाहते हैं कि आपके बालों में नेचुरल लाल रंग आए तो मेहंदी में कॉफी पाउडर मिलाएं। इसके लिए आपको बस 4 से 5 चम्मच मेहंदी को 1/2

गिलास पानी में कॉफी पाउडर को डालकर मिक्स करें। इसे रात भर भिगोकर रखने के बाद सुबह मेहंदी में लगा लें। कत्था आपको पान की शॉप में आसानी से मिल जाएगा। इसके इस्तेमाल के लिए आपको 4 से 5 चम्मच मेहंदी में 1 चम्मच कत्था पाउडर और चाय पत्ती के पानी मिलाना है। इसके बाद इस पेस्ट को भी रातभर भिगो कर रखना है। सुबह इस मेहंदी को आप अपने बालों में लगा सकती हैं।

रूसी से छुटकारे के साथ बालों को बनाएं सेहतमंद

सर्दियों के मौसम में रूसी यानि डैंड्रफ की सबसे बड़ी समस्या ये है कि ये हमारे नियंत्रण से बाहर हो जाता है और जब लोगों के कंधों पर डैंड्रफ दिखने लगता है, तो लोग बेहद परेशान हो जाते हैं। वैसे अगर आप चाहें तो इस स्थिति पर नियंत्रण पा सकते हैं और उन कई कारणों को कम कर सकते हैं, जो सर्दियों में आपके बालों को खराब करते हैं और आपको डैंड्रफ की ओर ले जाते हैं। और सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि इनमें से अधिकतर उपाय न केवल आसान हैं, बल्कि इनमें बहुत कम समय भी लगता है।

नारियल का तेल आपकी त्वचा और बालों से संबंधित लगभग सभी समस्याओं से निपटने का एक शानदार तरीका है। हालांकि, जब बात आपके बालों और सिर की त्वचा को फिर से जीवंत करने की आती है, तो यह बिल्कुल नए स्तर पर काम करता है। नारियल तेल की गर्म मालिश न केवल आपके स्कैल्प को नमी बनाए रखने में मदद करती है, बल्कि यह ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने में भी बहुत प्रभावी है, जो बदले में न केवल आराम देता है, बल्कि आपकी स्किन को भी एक अच्छी वाइब देता है।

हम जानते हैं कि ज्यादातर लोग सर्दियों में नियमित रूप से नहाने से बचते हैं, लेकिन यह बिल्कुल अच्छी आदत नहीं है। मौसम की परवाह किए बिना रोज नहाना

आपके लिए बहुत फायदेमंद है। आप जो कर सकते हैं, वह है पानी का तापमान नियंत्रित करना। गर्म पानी या बर्फीले ठंडे पानी से स्नान करने के बजाय, पानी को सही तापमान पर सेट करने का प्रयास करें। यह न केवल आपके बालों में दिन भर जमा होने वाली अधिकांश धूल और मिट्टी को धो देता है, बल्कि यह आपकी स्किन को अधिक ब्लड सर्कुलेशन की सुविधा प्रदान करता है। और चूंकि हर दिन अपने बालों को शैम्पू या कंडीशनर करना संभव नहीं है, इसलिए नहाने से आपके बाल साफ और चमकदार बने रहते हैं।

पुरुषों के लिए ये थोड़ा अपरंपरागत तरीका है, लेकिन जनाब स्टीम वास्तव में आपकी खोपड़ी और बालों के लिए बहुत फायदेमंद है।

कार्नर न्यूज

काला रंग पसंद करने वाले बनते हैं महफिल की शान

पार्टी में ब्लैक ड्रेसिंग के लिए जरूरी टिप्स करेंगे आपकी मदद, लुक दिखेगा बिल्कुल परफेक्ट

काला रंग आपको बहुत पसंद है और इसको पहनने का कोई भी मौका आप हाथ से नहीं जाने देते हैं तो ऑल ब्लैक लुक अपनाने का सही तरीका जान लीजिए। ऐसा न हो कि आप ब्लैक लुक के चक्कर में अपना लुक ही बिगाड़ लें। इसलिए जरूरी है कि काला ड्रेस अप लेने से पहले कुछ खास ड्रेसिंग टिप्स आजमा लिए जाएं। इन टिप्स के साथ आपका ऑल ब्लैक लुक सबको खूब भाएगा। ब्लैक कपड़े ही पहनने हैं तो इनमें अलग-अलग टेक्सचर अपनाएं। इसके लिए अलग-अलग टेक्सचर के फैब्रिक का चुनाव करें। डेनिम, कॉटन और लेदर जैसे फैब्रिक काले कलर में अच्छे लगते हैं और अलग सा टेक्सचर भी देते हैं। इनको मैच करने का एक तरीका है कि आप ऊपर एक फैब्रिक लें और नीचे के कपड़ों के लिए दूसरा। हमेशा अच्छे से फिट होने वाले ब्लैक कपड़े ही चुनें। इसके लिए आप स्लिम, टेम्पर्ड और रेगुलर फिट चुनिए, इससे आपको मोनोक्रोमोटिक लुक मिल जाता है। काले रंग के कपड़े अगर ज्यादा बड़े होंगे तो उनमें आपका लुक काफी

भारी भरकम आएगा। आपके ब्लैक लुक को कूल टच देने के लिए आपको ऐसे ब्लैक कपड़े चुनने होंगे जिनमें ग्राफिक या प्रिंट्स हों। इस तरह से आपके कपड़ों को कूल टच मिलेगा। वही काले कपड़े आपको इन ग्राफिक के साथ बेहतरीन लुक देंगे। ग्राफिक के साथ स्लोगन लिखे काले कपड़े भी कमाल करते हैं। अपने ऑल ब्लैक लुक के साथ एसेसरीज पहनकर आप अपने इस लुक को परफेक्ट बना सकते हैं। चंकी चेन, नेकलेस और रिंग जैसी एसेसरीज इस पूरे काले लुक को पर 'चेरी ऑन द केक' का काम करेंगी। पूरा काला लुक पहनने से लोग बचते रहते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि ऊपर से नीचे तक काला पहनकर लुक अजीब आएगा। इसलिए आप 'शो सम स्किन' वाला फंडा अपनाइए। जैसे ब्लैक कपड़े पहनें तो जींस डिस्ट्रेस वाली ले लें।

ब्लैक ड्रेसिंग के लिए

एक्सेसरीज़ पर ध्यान दें, जैसे कि ज्वैलरी, फुटवियर और एक स्टाइलिश पर्स चुनें। आप बोल्ड या स्टेटमेंट पीस पहनकर अपने लुक में ग्लैमर जोड़ सकती हैं, और अपनी ड्रेस को आकर्षक बनाने के लिए शिमरी या चमकदार गहनों को पहन सकती हैं। मेकअप में, बोल्ड आई-मेकअप चुनें और एक न्यूड लिपस्टिक के साथ लुक को संतुलित करें।

एक्सेसरीज़ और फुटवियर

ज्वैलरीः अपने ब्लैक ड्रेस के साथ चमकदार सिल्वर या गोल्डन ज्वैलरी पहनें। आप रंग-बिरंगे मोतियों या अन्य सामग्रियों से बनी ज्वैलरी को भी पहनकर एक चंचल और आकर्षक लुक बना सकती हैं।